फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 348 प्रभात जयपुर, शनिवार 23 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

A Lion In The Durbar Mughal Emperor Jahangir ordered a tower and a grave to be made for his deer, Mansraj; as during a hunt he accidentally killed his own favourite, Mansraj.

Lifestyle: Pretty Fluffy

Long term Risk Of Stroke Be aware of the after effects even if you are cured.

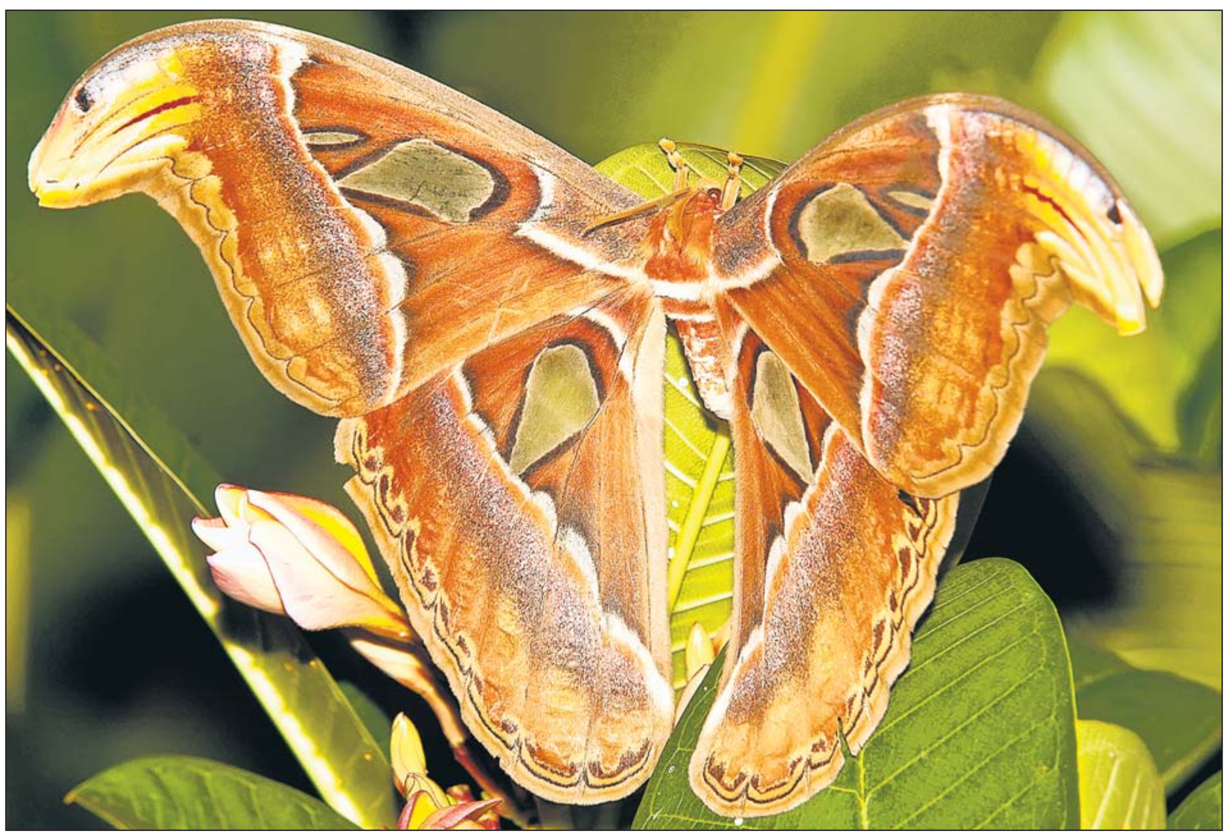

एक ऐसा जंतु जिसके मुंह नहीं होता, या कहें कि मुँह पूरी तरह सील होता है और यह मात्र 5 दिन ही जिंदा रहता है। यह जीव है, विश्व की सबसे बड़ी तितली ''एटकस एटलस,'' जो दक्षिण पूर्व एशिया के उष्ण कटिबंधीय वनों, मलेशिया, इण्डोनेशिया और बोर्नियो के द्वीपों में मिलती है। बड़े आकार के कारण इसका नाम एटलस रखा गया है। चीन में भी कुछ जगहों पर यह तितली पाई जाती है जहां इसे स्नेकहैड बटरफ्लाई कहा जाता है, क्योंकि इसके पंखों का सिरा सांप के सिर जैसा लगता है। एटकस एटलस तितलियां सिर्फ उसी समय भोजन करती हैं जब वे जीवन काल के लार्वा चरण में होती हैं। तितली बन जाने पर ये भोजन नहीं कर सकतीं क्योंकि इनके मुंह नहीं होता। तब इनका एक ही काम होता है प्रजनन करना, और यह काम वो जन्म के साथ ही शुरु कर देती हैं। ये तितलियां रेशम भी बनाती हैं। गहरे रंग का यह रेशम ऊन सरीखा होता है और बहुत टिकाऊ होने के कारण कई क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल होता है। लेकिन इस ऊन का व्यवसायिक प्रयोग नहीं होता, क्योंकि तितली छोटे-छोटे टुकड़ों में रेशम बनाती है। एटकस एटलस का शरीर पंखों की तुलना में काफी छोटा होता है। चौबीस सैंटीमीटर फैलाव वाले इस तितली के पंखों का ऊपरी भाग लाल-भूरा होता है, जिस पर काली, सफेद, गुलाबी और बैंगनी रेखाएं होती हैं। निचला भाग थोड़े हल्के रंगों का होता है। पंखों का अंतिम सिरा सांप के सिर जैसा लगता है, जिससे परभक्षी पक्षी इसके क्षेत्र से दूर रहते हैं। लंदन में नैचुरल हिस्ट्री म्यूज़ियम की केटी पाविड ने कहा कि, खतरा होने पर यह जमीन पर गिर कर धीरे-धीरे पंख फड़फड़ाती है और सांप के सिर और गर्दन की गतिविधि की नकल करती है ताकि परभक्षी डर जाएं। चूंकि यह भोजन नहीं खाती इसलिए लार्वा के दौरान खाए भोजन से संग्रहित वसा के सहारे ही जीती है। ऊर्जा संरक्षण के लिए यह तितली कम से कम उड़ान भरती है। क्योंकि हरेक उड़ान में बहुत ऊर्जा चाहिए होती है। वजन की वजह से भी यह उड़ने में कमजोर होती है, दिन भर आराम करती है और रात में ही उड़ती है।

चीन में ''सब प्राइम'' संकट फटने की तैयारी में

अमेरिका में 2008 में ऐसा ही सब प्राइम संकट फूटा, विश्व में आर्थिक ''मैल्ट-डाऊन'' (भारी मंदी का दौर) की शुरूआत हुई थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चीन में अधिकतर साधारण मकान खरीदने वालों ने मकान को गिरवी रखकर (मॉरगेज करके) अपनी खरीद को फाइनैंस किया था। पर, अब वे ''मॉरगेज'' की गई सम्पत्ति की किश्तें चुका नहीं पा रहे।
- प्रॉपर्टी गिरवी रख कर ऋण लेने वाली जनता द्वारा ऋण अदायगी का ''शिड्यूल'' (पूर्व निश्चित कार्यक्रम/टाइम टेबिल) पूरा नहीं करने से फाइनैंशियल संकट विस्फोटक स्थिति में है।
- स्वाभाविक ही है, इस श्रृंखला में अब मकान बनाने वाली ''कंस्ट्रक्शन कम्पनियां'' मकानों के खरीददारों से फ्लैट/मकान की किश्त न मिल पाने के कारण अपने माल सप्लायी करने वालों के बिलों का भुगतान नहीं कर पा रहे। कई छोटे-छोटे सप्लायर दिवालिया घोषित करके, अपना धंधा बंद कर चुके हैं और बीमारी बढ़ती ही जा रही है।
- अब नम्बर आ रहा है बैंकों का, जिन्होंने कंस्ट्रक्शन कम्पनी को भारी ऋण दिये मकान/फ्लैट बनाने के लिये।
- बैंक वैसे ही कोविड एवं बने-बनाए मकानों की बिक्री व डिमाण्ड में भारी गिरावट के कारण वित्तीय संकट की ओर बढ़ रहे थे। अब ऐसा लग रहा है कि, ''सब-प्राइम क्राइसिस'' इन बैंकों के लिए घातक व धराशायी करने वाला, झटका साबित न हो जाये।

नई दिल्ली, 22 जुलाई। चीन में बैंक ऋण लेने वालों की बेकार क्रेडिट रेटिंग के प्रकरण तेजी से बढ़ रहे हैं। अमेरिका में जब वर्ष 2008 में पुअर क्रेडिट रेटिंग वाले लोगों की संख्या में जबर्दस्त इजाफा हुआ था, तब वहां आर्थिक मंदी आ गई थी।

चीन में घर खरीदने वालों ने गिरवी रखी गई सम्पत्ति की इन्स्टॉलमैन्ट्स चुकाने से इंकार कर दिया है जिससे एक गंभीर वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। मकान खरीदना और भवन निर्माण चीन की एक बड़ी गतिविधि है तथा धनवान लोग देश के विभिन्न शहरों और कस्बों में कई मकान खरीदते आ रहे हैं।

इसके साथ ही चीन में बिलो पॉवरटी लाइन (बी.पी.एल.) से हाल ही में ऊपर आए लोगों के लिए एक विस्तृत हाउसिंग सैक्टर है। इन लोगों ने अपने स्वयं के घर खरीदे। खरीदारों का यही वह सैगमैन्ट है जो वैश्विक महामारी की अवधि के दौरान आय में हुई हानि व लॉकडाउन्स से सर्वाधिक प्रभावित है। अब यह सहज रूप से देखा जा रहा है कि यह वर्ग अब अपने ऋण चुकाने और गिरवी सम्पत्तियों को छुड़ाने में असमर्थ है।

हाउसिंग सैक्टर पिछले कई महीनों से परेशान होता आया है क्योंकि इसका मौजूदा स्टॉक संभावित मांग से अधिक चल रहा है। वास्तविक संकट तब ही सन्निकट था जब चीन की सबसे बड़ी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी अपने ऋण चुकाने में विफल हो गई थी।

चीन की सबसे बड़ी आवासन एवं निर्माण कम्पनी एवरग्रांड इस वर्ष की शुरूआत में अपनी ऋण बाध्यताएं पूरी करने में विफल हो गयी थी। कम्पनी ने अपनी कई प्रोजैक्ट्स पूरे किए और कुछ होम कन्स्ट्रक्शन प्रोजैक्ट्स को त्याग दिया था जिसका मतलब था कि लोगों ने अपनी इन्स्टॉलमैन्ट्स चुका दी है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुर्मू को शपथ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सोमवार को संसद के केन्द्रीय कक्ष से सी.जे.आई. एन. वी. रमना पद व गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

नई दिल्ली, 22 जुलाई। भारत की नव निर्वाचित 15वीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को संसद के सैन्ट्रल हॉल में चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) एन.वी. रमना द्वारा शपथ दिलाई जाएगी, इसके लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

64 वर्ष की आयु में वे देश के शीर्ष पद पर विराजमान होंगी। इसके अलावा वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली आदिवासी महिला हैं। स्वतंत्र भारत में जन्म लेकर राष्ट्रपति बनने वाली पहली व्यक्ति भी द्रौपदी मुर्मू हैं, उनका जन्म 20 जून 1958 में ओडिशा के मयूरभंज में हुआ था।

163 सैन्टीमीटर (5'4") कद की मुर्मू ओडिशा की एक मृदुभाषी आदिवासी नेता हैं और झारखण्ड की राज्यपाल रह चुकी हैं। उन्हें सत्तारूढ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उप राष्ट्रपति पद का चुनाव अहम्, गुस्सा या छोटी-मोटी बातों पर अड़ने का समय नहीं है'

विपक्ष की उम्मीदवार मारग्रेट अल्वा ने इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के वोट न करने के निर्णय की ट्वीट करके निंदा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ममता बनर्जी के निर्णय से इस चर्चा को दम मिला कि, भाजपा के रणनीतिकार आसाम के मु.मंत्री सरमा, ममता बनर्जी व राज्यपाल धनखड़ की मुलाकात में यह तय किया गया कि, बंगाल को ''फ्रैंडली गवर्नर'' मिलेगा, अगर तृणमूल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीतने में मदद करेगी। उनकी इस मदद के एवज में ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के अन्य नेताओं को, ई.डी. आदि, केन्द्रीय एजेंसियां बेवजह परेशान नहीं करेंगी।

नई दिल्ली, 22 जुलाई। उपराष्ट्रपति पद के लिये संयुक्त विपक्ष की प्रत्याशी मार्गरिट अल्वा ने आज बड़े स्पष्ट एवं निष्पक्ष शब्दों में तृणमूल कांग्रेस के निर्णय, कि वह इस चुनाव में मतदान नहीं करेगी, की आलोचना की। उन्होंने एक ट्वीट के जरिये, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को याद दिलाया कि उपराष्ट्रपति चुनाव ''किसी भी प्रकार की बात अहम् या नाराज़गी का समय नहीं है।''

अल्वा ने ट्वीट किया, ''उपराष्ट्रपति चुनाव में टी.एम.सी. का मतदान से अलग रहना निराशाजनक एवं हतोत्साहित करने वाला हैं। यह किसी हल्की-फुल्की बात, अहम् एवं नाराजगी का समय नहीं है। यह साहस, नेतृत्व एवं एकता का समय है। मुझे यकीन है कि ममता बनर्जी, जो साहस की प्रतिमूर्ति हैं, विपक्ष के साथ खड़ी होंगी।''

अभी हाल ही में, सत्तारूढ़ भाजपा के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़, ममता बनर्जी, भाजपा के पूर्वोत्तर के रणनीतिकार तथा असम के मुख्यमंत्री हिमान्ता बिस्वा की मीटिंग हुई थी।

सूत्रों ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से कह दिया था कि अगर वे धनखड़ की मदद करेंगी तो बंगाल में उनके अनुकूल राज्यपाल नियुक्त कर दिया जायेगा तथा उस स्थिति में, केन्द्रीय एजेंसियाँ उन्हें या उनकी पार्टी के उनके साथियों को परेशान नहीं करेंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंबानी को ज़ैड सुरक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सुप्रीम कोर्ट ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार को ''ज़ैड सिक्युरिटी'' देने के फैसले पर स्वीकृति की मुहर लगा दी और कहा कि इसका खर्चा अंबानी दे रहे हैं।

नई दिल्ली, 22 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने अरबपति बिजनैसमैन मुकेश अंबानी और उनके परिवार को मुम्बई में केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए गए ''ज़ैड'' कैटेगरी सिक्योरिटी कवर को शुक्रवार को मंजूर कर लिया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि अंबानी इसकी पूर्ण लागत अदा कर रहे हैं।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) एन.वी. रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली की एक बैंच ने त्रिपुरा हाई कोर्ट के समक्ष लंबित एक जनहित याचिका को भी यह कहते हुए खारजि कर दिया कि इस हाई कोर्ट का सुदूर मुम्बई के सिक्योरिटी कवर से कोई लेना देना नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के राष्ट्रपतियों के खट्टे-मीठे अनुभव

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, ज्ञानी ज़ैल सिंह, के.आर. नारायणन अपनी साहस पूर्ण भूमिका, जो कई बार तत्कालीन सरकार के इच्छा के विपरीत भी होती थी, के लिये जाने जाते हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्र.मंत्री नेहरू की आपत्ति व राय की अवहेलना करके, सोमनाथ मंदिर की पुनः स्थापना समारोह में शामिल होने गये। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने नेहरू सरकार द्वारा प्रस्तावित हिन्दू कोड बिल सरकार को लौटा दिया था, पुनर्विचार के लिये।
- ज्ञानी ज़ैल सिंह ने राजीव गांधी सरकार के पोस्ट ऑफिस संशोधन विधेयक को वापस भेज दिया था। इस विधेयक से सरकार को साधारण नागरिक के खतों को खोल कर पढ़ने का अधिकार मिल जाता।
- के.आर. नारायणन ने सरकार के यू.पी. में राष्ट्रपति शासन लागू करने के निर्णय पर आपत्ति की थी और उसके बाद वाजपेयी सरकार के बिहार की राबड़ी देवी सरकार को बर्खास्त करने के निर्णय पर भी आपत्ति की थी।

नई दिल्ली, 22 जुलाई। हालाँकि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू काफी अच्छे अन्तर से जीती हैं लेकिन उनकी जीत का अन्तर बड़ा नहीं है, जितना उनके कुछ यशस्वी पूर्ववर्ती समकक्षों का रहा है।

जहाँ मुर्मू ने विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को 2,96,626 वोटों से हराया, वहीं 1952 में निर्वाचित भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद की जीत का अन्तर 4,14,573 तथा 1962 में राष्ट्रपति चुने गये डॉ. एस. राधाकृष्णन 5,46,726 वोटों से जीते थे। जहाँ कुछ राष्ट्रपति बड़े अन्तर से जीते थे, वहीं कुछ राष्ट्रपति चुनाव, जैसे 1969 का चुनाव, मामूली अन्तर से ही जीते जा सके। 1969 में, इंदिरा गांधी के उम्मीदवार वी.वी. गिरी कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार नीलम संजीवा रेड्डी से मात्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोहड़ भूमि पर मॉल

- राजस्थान हाई कोर्ट ने नवलगढ़ तहसील के बडराना जोहड़ की जमीन पर मॉल और कॉलोनी बनाने की अनुमति देने पर स्थानीय नगर पालिका से जवाब मांगा।

जयपुर, 22 जुलाई, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नवलगढ़ तहसील के बडराना जोहड़ की भूमि पर नगर पालिका द्वारा मॉल और कॉलोनी सहित व्यावसायिक निर्माण की अनुमति देने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। सीजे एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश ओमेंद्र सिंह की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि नवलगढ़ तहसील स्थित बडराना जोहड़ की करीब 14 हैक्टेयर भूमि पर नगर पालिका ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में सिन्हा समर्थक कांग्रेस पार्टी के विधायकों की संख्या विपक्ष के विधायकों से ज्यादा थी

पर फिर द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान से भी जीत हासिल की

- क्योंकि राजस्थान के विधायकों की वोट वैल्यू कम है वहीं सांसदों की वोट वैल्यू करीब 5 गुना ज्यादा है।
- कांग्रेस के पास मात्र छह राज्यसभा सांसद हैं, वहीं भाजपा के पास 29 सांसदों को वोट हैं।
- कांग्रेसी खेमे में भी भाजपा चांद लगाने में सफल रही है, इसका असर सरकार पर भले ही ना पड़े लेकिन लोगों की मानसिकता पर पड़ेगा।

जयपुर, 22 जुलाई (का.प्र.)। राष्ट्रपति चुनाव में राजस्थान से यशवंत सिन्हा को भले ही संख्या में वोट ज्यादा मिले हो, लेकिन वोट की वैल्यू के हिसाब से राजस्थान में भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ही जीत दर्ज की है। इसका कारण यह है कि भले ही भाजपा के पास राजस्थान में विधायकों की संख्या कम हो लेकिन उसके पास 29 सांसद हैं। ऐसे में सांसदों की वोट वैल्यू ज्यादा होने का फायदा द्रौपदी मुर्मू को मिला है। वही कांग्रेसी खेमे के 2 वोट क्रॉस होने के कारण भी द्रौपदी मुर्मू की वोट वैल्यू राजस्थान में बढ़ गई।

वोट गणना की बात करें तो राजस्थान से द्रौपदी मुर्मू को यशवंत सिन्हा के मुकाबले 48 विधायकों के वोट कम मिले, इसके हिसाब से राजस्थान में यशवंत सिन्हा को ज्यादा वोट मिले हैं। लेकिन यह खाता इसलिए यशवंत सिन्हा के पक्ष में नहीं गया, क्योंकि सांसद के वोट की वैल्यू राजस्थान के विधायक की वोट वैल्यू से करीब 5 गुना ज्यादा है। राजस्थान के एक विधायक की वोट वैल्यू 129 है तो एक सांसद की वोट वैल्यू 700 है। द्रौपदी मुर्मू को राजस्थान में कांग्रेस खेमे के 2 विधायकों की क्रॉस वोटिंग के कारण 75 विधायकों और 29 सांसदों के वोट मिले हैं। इस हिसाब से मुर्मू के पक्ष में 75 विधायकों की वोट वैल्यू 9675 और 29 सांसदों की वोट वैल्यू 20300 को जोड़ने पर 29,975 होती है। वहीं दूसरी ओर यूपीए उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को 123 विधायकों और 6 राज्यसभा सांसदों के वोट मिले। उनके पक्ष में विधायकों के वोटों का वैल्यू 15867 और 6 सांसदों के वोटों का वैल्यू 4200 जोड़ने पर कुल वोट वैल्यू 20067 होती है, जो मुर्मू के मुकाबले 9675 कम है। इस हिसाब से वोट वैल्यू में राजस्थान से द्रौपदी मुर्मू यशवंत सिन्हा से आगे रही हैं।

कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा और बीटीपी विधायक राजकुमार रोत ने वोट नहीं देने के कारण 200 में से कुल 198 विधायकों ने मतदान किया था। राज्यसभा में क्रॉस वोटिंग करने के कारण भाजपा की शोभारानी को निकालने के बाद भाजपा के 70 और आरएलपी के 3 वोट थे, ऐसे में द्रौपदी मुर्मू के खाते में 73 वोट होते हैं लेकिन उन्हें 75 विधायकों के वोट मिले हैं। अतः स्पष्ट है कि उन्हें दो वोट कांग्रेस खेमे के विधायकों के मिले हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस के खेमे के हिसाब से राज्यसभा में मिले वोटों को देखते हुए यूपीए उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को 125 वोट मिलने चाहिए, लेकिन उन्हें 123 ही मिले। इस समय कांग्रेस के 108 विधायक हैं और 13 निर्दलीय,एक आरएलडी , दो सीपीएम और दो बीटीपी विधायक भी कांग्रेस खेमे में हैं। कांग्रेस खेमे की यह संख्या 126 होती है। वहीं राज्यसभा चुनाव के बाद भाजपा से निकाली गई शोभारानी कुशवाह को मिलाकर यह संख्या 127 बनती है। भवंरलाल शर्मा और राजकुमार रोत के वोट नहीं डालने पर भी खेमे से कुल 125 वोट थे। वैसे तो इस चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के खेमे में सेंध लगाई है। हालांकि 2 विधायकों की क्रॉस वोटिंग से कांग्रेस सरकार पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला लेकिन फिर भी आम जनता में इस बात का मैसेज जरूर जाता है कि कांग्रेस के खेमे में कहीं ना कहीं रणनीतिक कमी और असंतोष रहा होगा कि दो विधायक दूसरे पक्ष में जाकर वोट डाल गए। इस बात को भाजपा भुनाएगी भी और लोगों को बताएगी भी। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव में सीक्रेट बैलट होता है इसलिए यह पता नहीं चल पाता कि किस विधायक ने क्रॉस वोट किया है, फिर भी अंदाजे से कोई बता रहा है कि एक निर्दलीय विधायक ने तो एक समर्थक दल के विधायक ने क्रॉस वोट किया है। वहीं कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री के नजदीकी एक निर्दलीय विधायक ने क्रॉस वोट किया हैं।

चारागाह भूमि

- राजस्थान हाई कोर्ट ने निवाई तहसील में खोड़ा का खड़ा गांव में चारागाह भूमि पर बने आवास तोड़ने पर रोक लगा दी है।

जयपुर, 22 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निवाई तहसील के खोडा का खेड़ा गांव की चारागाह भूमि पर बने आवासों को तोड़ने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख राजस्व सचिव और टोंक कलैक्टर सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश राम कल्याण जाट व अन्य की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी पिछले तीन दशक से आबादी के समीप स्थित इस चारागाह भूमि पर आवास बनाकर रह रहे हैं। स्थानीय ग्राम पंचायत ने भी इस चारागाह भूमि को आबादी भूमि में परिवर्तन करने के लिए कलैक्टर को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपमान का डर कानून के डर से किसी तरह कम क्रियाशील नहीं होता। –प्रेमचंद

सार्थक हस्तक्षेप के लिए हो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में बोलने, विचार व्यक्त करने की अभिव्यक्ति के नाम पर शोरगुल चिंतनीय है। बहुतेरी बार यह भी लगता है, अपनी स्थापनाओं के लिए, अपने आप को प्रचारित-प्रसारित करने भर के लिए ही बहुत कुछ बगैर सोचे-समझे कहाँ, व्यक्त किया जा रहा है। किसी भी विचार का, व्यक्ति का या भावना का विरोध करना है, बस इसलिए ही बहुतेरी बार सक्रियता दिखाई देती है। पहले कोई कुछ भी कहता तो उसकी इस रूप में सुनवाई नहीं हो सकती थी कि मीडिया का प्रसार सीमित था। इस दौर में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ वेब मीडिया का जिस तेजी से प्रसार हुआ है और पल-पल की घटनाओं को दिखाने, प्रसारित करने की जो होड़ मीडिया में मच रही है, उसने भाषा और संवेदना में ही छीजत नहीं की है, बल्कि मानवीय मूल्यों को भी तिरोहित किया है।

यह सही है, लोकतंत्र में आपको सहमत होने की जरूरत नहीं है परन्तु याद रखें-असहमति का आधार और तर्क भी बताना होता है। सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है, यही लोकतंत्र की बड़ी ताकत है पर बात रखने की मर्यादा भी इसमें निहित है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का निहितार्थ यह भी है कि आपकी यह स्वतंत्रता दूसरों की स्वतंत्रता को बाधित नहीं करें।

'वाक स्वतंत्रता' के अंतर्गत अभिव्यक्ति की आजादी सबको है। उनको भी जो कुछ लिखते या नया सृजित कर अपने आपको व्यंजित करते हैं और उनको भी जो उसका विरोध करते हैं परन्तु जैसा कि पहले भी कहा गया है कि असहमति हो परन्तु उसके आधार भी स्पष्ट होने चाहिए। तमिल लेखक पेरुमल मुरूगन ने अपने विरोध के चलते कभी अपने आपको जिंदा मृत घोषित कर लेखन से संन्यास ले लिया था पर 'अभिव्यक्ति की आजादी' के चलते अपने आपको फिर से जिंदा होने की अनुभूति उन्होंने की। उनकी कविता की पंक्तियां पर गौर करें, 'एक फूल खिलता है/चटकने के बाद/तीव्र सुगंध/मधुर अभिव्यक्ति/फूल खिलेगा/स्थापित करेगा/सबकुछ।'

जेम्स स्टुअर्ट मिल का प्रसिद्ध कथन है कि 'मान लीजिए एक मनुष्य एक तरफ है और सारी मनुष्य जाति दूसरी तरफ है। तब भी सारी मानवता को, या मनुष्य जाति को, उस एक मनुष्य की आवाज दबा देने का कोई अधिकार नहीं है। वैसे ही एक मनुष्य में इतनी शक्ति है कि वह अन्य सारे मनुष्यों को दबा सके, पर दबाने का अधिकार उसे नहीं है। यानी यह स्पष्ट है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिकार की पहली सीमा यही है कि अन्य व्यक्ति के वैसे अधिकार पर अतिक्रमण का आपको अधिकार नहीं है।

यहां इस बात को भी ध्यान में रखें जाने की जरूरत है कि अधिकार के साथ कर्तव्य जुड़ा होता है। अधिकार का जन्म ही कर्तव्य की कोख से होता है। इसे एक उदाहरण से समझा जाए, हमारे यहां न्यायालय ने दुराचार, बलात्कार, पीड़ित का फोटो और नाम जाहिर नहीं किए जाने के आदेश दे रखे है। इसके पीछे मानसिकता यही है कि उस व्यक्ति विशेष को मानहानी से बचाया जा सके। यानि मीडिया को समाचार प्रकाशित करने का अधिकार है परन्तु उसके इस अधिकार के तहत किसी दूसरे की मानहानी नहीं हो, यही न्यायालय के इस आदेश का निहितार्थ हैं। गांधीजी ने कभी कहा था, 'हर अधिकार का उपयोग शिष्टतापूर्वक और विश्वस्त भावना से करना चाहिए। तुम्हें जो अधिकार या क्षमता प्रदान की गयी है, वह तुम्हारी मिल्कियत नहीं है, तुम उसके मालिक नहीं हो, सिर्फ ट्रस्टी हो। अधिकार का उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करो, यह तुम्हारा दायित्व है।'

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर संसद की कार्यवाही या विधानसभा की कार्यवाही को मीडिया में हूबहू प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकता। इसलिए कि वहां पर यदि कोई कार्यवाही सदन से हटा दी जाती है या अध्यक्ष द्वारा ऐसी व्यवस्था दे दी जाती है कि वह कार्यवाही बाहर नहीं जाएगी तो उसे प्रकाशित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

वाक स्वतंत्रता संविधान का मूल अधिकार है और उसके मायने है- सार्थक हस्तक्षेप। उचित के पक्ष में हस्तक्षेप जरूरी है, यही आपकी अभिव्यक्ति का अधिकार है। प्रतिदिन समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर प्रायः पॉकेट कार्टून छपता है। गौर करेंगे तो पाएंगे- कार्टूनिस्ट समाज में, राजनीति में बल्कि व्यापक अर्थ में कहें तो लोकतांत्रिक प्रणाली में जो कुछ हो रहा है उस पर रेखाओं से अपने तईं हस्तक्षेप करता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह ऐसा उदाहरण है जिसमें प्रायः सार्थक हस्तक्षेप होता है। ऐसे ही किसी घटना विशेष पर समाचार पत्र संपादकीय प्रकाशित करता है, समाचार चैनल विश्लेषण देता है, यह सब वाक स्वतंत्रता ही है। सोचिए लोकतंत्र में ऐसा नहीं हो, केवल चुप्पी ही रहे तो क्या आजादी की हमारी मूल भावना कायम रह सकती है! दिनकर को याद करें। कभी उन्होंने लिखा था, 'जो तटस्थ है समय लिखेगा उनका भी अपराध।' लोकतंत्र की जीवतंता सक्रिय हस्तक्षेप से ही है। पर ध्यान रखने की बात यह भी है कि अंतरात्मा की बात सुनें पर इस तरह से कि दूसरों को उसकी कीमत न चुकानी पड़े। हस्तक्षेप का अर्थ यह नहीं है कि आप बगैर किसी आधार के, अपने आपको स्थापित करने के लिए कुछ करें, कार्टून बनाए, कोई टीवी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दें। उन्मुक्तता हस्तक्षेप नहीं है। हस्तक्षेप मनमानी नहीं है। हर कोई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अपने आपको व्यक्त करने को बेचैन रहता है। ठीक है आप अपने आपको रोक नहीं सकते परन्तु व्यंजित अपने को करें तो मर्यादा का भी ध्यान रखें। जो कहें, व्यक्त करें उसमें मानवीय सूझ हो। विचार बांटे परन्तु उससे किसी दूसरे की गरिमा का हनन नहीं हो। कुछ कहें पर बगैर प्रमाण या किसी आधार को दृष्टिगत रखते हुए अपना मत रखें।

यह सही है, बोलने की आजादी जनोन्मुख चेतना की संवाहक है परन्तु इसका बेजा इस्तेमाल बहुतेरी बार देश में उन्माद फैलाने का काम भी करता है। इसलिए इस बात को भी देखा जाना चाहिए कि बोलने या विचारों को किसी भी रूप में व्यक्त करने की आपकी आजादी से दूसरा कोई आहत तो नहीं हो रहा है। प्रेस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अंतर्गत ही पूर्ण रूप से अपनी बात कहने, विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता है लेकिन परम स्वतंत्रता नहीं है। संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर का कहा यहां गौरतलब है। उन्होंने संविधान सभा में स्पष्ट कहा था कि प्रेस को ऐसे कोई विशेषाधिकार नहीं दिए जा सकते जो आम नागरिक को प्राप्त नहीं हैं। प्रेस में संपादक, संवाददाता और लेखक अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का प्रयोग करते हैं। इस कारण से किसी विशेष उपबंध की आवश्यकता नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)ए में ''भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार'' का उल्लेख है, लेकिन उसमें यह गौरतलब है कि शब्द 'प्रेस' का जिक्र नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए जरूरी है इसलिए निर्भय होकर इसका उपयोग किया जा सकता है परन्तु इसमें निहित जिस मर्यादा की अपेक्षा की गई है उसकी पालना भी जरूरी है।

लोकतंत्र में लोगों को जागरूक करने, की बात व्यापक स्तर तक पहुंचाने या कहें लोकतंत्र के सही तरीके से क्रियान्वयन के लिए प्रेस की आजादी जरूरी है। प्रेस के जरिए ही तमाम तरह की सूचनाएं निर्बाध आम जन तक पहुंचती है, इसीलिए प्रेस की आजादी को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण और जरूरी माना गया है। परन्तु इस बात को ध्यान में रखा जाना जरूरी है कि विधायिका को प्राप्त विशेषाधिकार का प्रेस हनन नहीं करें। संसद और विधानसभाओं में सदनों, की शक्तियों को और उनके सदस्यों को विशेषाधिकार प्राप्त हैं। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 105 में संसद और 194 के अंतर्गत विधान मंडलों के विशेष अधिकारों का वर्णन किया गया है। इसी तरह अनुच्छेद 105(3) में संसद की शक्तियों 194(3) में विधायकों के शक्तियों (विशेषाधिकार) को बताया गया है। देश के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश और बाद में भारत के उपराष्ट्रपति (सभापति) बने न्यायमूर्ति एम.हिदायतुल्ला ने संसदीय विशेषाधिकारों के संबंध में कहा है कि संसद को अपने विशेषाधिकारों का निर्णय करने का पूर्ण अधिकार है। विशेषाधिकारों का विस्तार क्या हो और इनका प्रयोग सदन के भीतर कब किया जाये ,इस बारे में भी अंतिम निर्णय संसद का ही होगा। इसके अंतर्गत अपनी अवमानना के लिए दोषी व्यक्ति को सजा देने का अधिकार भी संसद को ही है।

विधायिका में किसी सदस्य के द्वारा कही गई किसी बात या दिए गए किसी मत के संबंध में उसके विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती और सदन के प्राधिकार के अधीन प्रकाशित किसी प्रतिवेदन, पत्र, मतों या कार्यवाहियों के प्रकाशन के संबंध में भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। संसद और विधानसभाओं, विधानमंडलों की रिपोर्टिंग के लिए विशेषाधिकार और आचार संहिता की पालना जरूरी है। इसे इस रूप में भी समझें कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर संसद की कार्यवाही या विधानसभा की कार्यवाही को मीडिया में हूबहू प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकता। इसलिए कि वहां पर यदि कोई कार्यवाही सदन से हटा दी जाती है या अध्यक्ष द्वारा ऐसी व्यवस्था दे दी जाती है कि वह कार्यवाही बाहर नहीं जाएगी तो उसे प्रकाशित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

-अतिथि संपादक
डॉ. राजेश कुमार व्यास
संस्कृतिकर्मी, कवि, कला आलोचक

रजोसंत्रास में अपराध

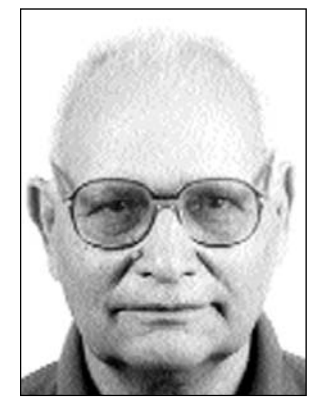

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

एक महिला के जीवन में अंतःस्रावित हॉर्मोन्स बड़ी अहम भूमिका निभाते हैं। पुरुष की तुलना में कहीं अधिक और गंभीर। शारीरिक प्रभाव के साथ-साथ वे मन-मस्तिष्क को भी प्रभावित करते हैं। जीवन के दो संधिकाल - रजोआवृत्ति और रजोनिवृत्ति के अवसरों पर तो इनके प्रभाव से बड़े व्यापक बदलाव आते हैं, सोच, विचार, स्वभाव और प्रवृत्ति, सब बदल जाते हैं। घटती-बढ़ती चन्द्रकलाओं की तरह महिलाओं में मासिक चक्र के भी शुक्ल एवं कृष्ण पक्ष होते हैं। पहले पक्ष में जब स्त्री बीज (ओवम) परिपक्व हो रहा होता है तो ईस्ट्रोजन, और उसके परिपक्व होकर निकलने पर दूसरा हॉर्मोन प्रोजेस्टेरोन स्रावित होते हैं। ये महिला के जननांगों पर चिरपरिचित प्रभाव के साथ ही उसके मन-मस्तिष्क को भी प्रभावित करते हैं। सामन्यतया ये प्रभाव संतुलित होते हैं और विशेष रूप से प्रतिलक्षित नहीं होते, तो भी जीवन शैली के अभिन्न अंग होते हैं। लेकिन कुछ महिलाओं में मासिक चक्र के दूसरे पक्ष में मासिक-पूर्व होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलाव एक विकार का रूप ले लेते हैं। इसे प्रीमेन्सट्रुअल सिन्ड्रोम कहते हैं जिसमें आफरा, सूजन, स्तनों में दर्द, चिड़चिड़ापन, असहनशीलता, तुनकमिजाजी, अवसाद, बात-बेबात रोना, गुस्सा आदि होते हैं। हाल में हुए अनुसंधान से मालूम हुआ है कि कुछ महिलाएँ तो इस चक्र में आक्रामक हो जाती हैं, आपा खो बैठती हैं, स्वयं को या दूसरों को चोट पहुँचाती हैं।आत्मघात की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। यदाकदा अपराध भी कर बैठती हैं।

ऐसी ही एक महिला अपनी झगड़ालू प्रवृत्ति के लिए जानी जाती है। बिल्डिंग के फ्लेट्स और आस-पड़ोस में अनेक से झगड़ा कर चुकी है। उसके पति बड़े अच्छे स्वभाव के हैं। उनका सब मान और लिहाज करते हैं। वैसे महिला भी शांत स्वभाव की है लेकिन रह-रह कर जैसे चंडीपन का दौरा पड़ता हो। एक बार पड़ोस में काम करने वाली बाई को जख्मी कर दिया था। दूसरी बार एक काम करने वाले छोटे लड़के का सर लिफ्ट में दे मारा था। पति ने ले-दे कर, माफी और राजीनामा कर केस रफा-दफा किया था। इस बार तो हद हो गई। पड़ोसन से झगड़ा हुआ। लोगों ने बीच बचाव किया, घर आ गई। किचन में गई काम करने लगी। सब्जी साफ करने को चाकू उठाया, सब्जी छोड़ पलटी, पड़ोसन के घर गई और उसकी बाँह में चाकू दे मारा। वापस पलटी और किचन में आकर चाकू रखा और वहीं बैठ गई। हंगामा हुआ, पुलिस आई तब भी वैसे ही बैठी रही। पुलिस ने रक्तरंजित चाकू कब्जे में लिया। पूछा चाकू मारा? जवाब दिया - हाँ। क्यों मारा - मालूम नहीं। पुलिस थाने में अपने पति से भी कहा, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था, मालूम नहीं ऐसा कैसे हो गया। हर बार ऐसी वारदात के दूसरे या तीसरे दिन पति को ठाकुरजी की पूजा करनी पड़ती थी, कारण मासिक के दौरान वह पूजा नहीं करती थी।

महिला प्रीमेन्सट्रुअल सिन्ड्रोम से ग्रसित थी। इसके वशीभूत आपा खो बैठती थी। अल्पकालिक पागलपन सवार हो जाता था। विदेशों में कुछ में न्यायालयों ने इसे टेम्पोरेरी इनसेनिटी (अल्पकालिक पागलपन), डिफेन्स के लिए माना है, वह भी अपराध की संगीनता कम आँकने के लिए, सर्वथा बरी करने के लिए नहीं।हाल ही में राजस्थान उच्च न्यायानय ने सजायाफता एक महिला को अपने भतीजे को कुऐं मे धकेल कर हत्या करने के आरोप से, प्रीमेन्सट्रुअल सिन्ड्रोम का संज्ञान लेकर उसे बरी किया है।

-डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

अधर झूल में अर्थव्यवस्था

डॉ. रामावतार शर्मा

जब भारतीय रुपया अमेरिकन डॉलर के सामने 60 से 65 प्रति डॉलर हुआ करता था तब भारत ने एलान किया था कि वह पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। तब से अब एक बड़ा परिवर्तन यह हुआ है कि रुपया एक डॉलर के एवज में 80 को पार कर रहा है यानि रुपए के हिसाब से पांच ट्रिलियन डॉलर पहले से कहीं ज़्यादा बड़ा लक्ष्य हो गया है। भारत के कई नीतिगत फैसले समझ में नहीं आ रहे हैं क्योंकि धन का प्रवाह गिने-चुने दायरे में ही हो रहा है। आम नागरिक की आर्थिक क्षमता कमजोर पड़ गई है जिसके कारण बाजार में उत्पादों का उठाव धीमा पड़ गया है। इसके अलावा भारत का रोकड़ा घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) वित्तीय वर्ष 2021 के 0.9 से बढ़ कर वित्तीय वर्ष 2022 में 1.2 प्रतिशत हो गया है। किसी भी देश के करंट अकाउंट डेफिसिट (रोकड़ा घाटा) का बढना अच्छा नहीं होता है और भारत इस मामले में किसी बेहतर स्थिति में नहीं है। भारत का यह ताजा घाटा अभी 13 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा है और यह इस बात के बावज़ूद है कि भारत सरकार ने आयात पर तरह तरह की रुकावटें लगा कर रखी हैं।

अभी पिछले दिनों सरकार ने सोने के आयात पर कर लगाया। इस यकायक लगाए कर के पीछे सरकार की मंशा डॉलर को बाहर जाने से रोकना है वरना रुपया और लुढ़क जायेगा। इसी प्रकार रिजर्व बैंक गवर्नर ने भी समय से पहले अचानक रेपो दर में वृद्धि कर दी ताकि मुद्रास्फीति और रुपए के अवमूल्यन पर लगाम लगाई जा सके। आगे चलकर नियमित समय पर फिर रेपो दर को बढ़ाया गया पर अभी तक तो इन प्रयासों के कोई बड़े सार्थक परिणाम सामने नहीं आए हैं। आज के समय हर तरफ मुद्रास्फीति एवम् महंगाई की मार है, विकास दर गायब- सी हो गई है या फिर चंद क्षेत्रों में सिमट गई है। इन सबके अलावा मंदी के बादल गहराने लगे हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत की लक्ष्मण रेखा को तोड़ चुकी है। उधर अमेरिका में महंगाई दर चालीस साल में सबसे ज्यादा है। तकरीबन सारे विश्व में महंगाई महामारी की तरह फैल गई है। भारत की जी डी पी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है पर यह इसके नीचे भी जा सकती है क्योंकि महंगाई एक बड़ी बाधा बन गई है। महंगाई कम करने के लिए यदि ब्याज दरें बढ़ाई जाती हैं तो मांग में बड़ी कमी आ जाएगी क्योंकि लोगों के पास धन की तरलता कम है, रोजगार सीमित हो गए हैं, पैसा गिने-चुने लोगों के हाथों में चला गया है। व्यक्तिगत विकास की संभावनाएं कम होने से लोग अपने धन को खर्च नहीं कर रहे हैं।

विश्व बैंक ने भी भारत की विकास दर को नीचे की तरफ जाते हुए दर्शाया है क्योंकि अर्थव्यवस्था अपना जोश खो चुकी है। सरकार के दावों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है क्योंकि पूरी केंद्र सरकार हर समय चुनावी मूड में रहती है। वित्त मंत्री न तो कोई प्रेस कांफ्रेंस करती हैं और ना ही बजट के अलावा अपने अस्तित्व का अहसास करवाती है। भारत के वित्त सचिव का लोग नाम तक नहीं जानते हैं। ऐसे अपारदर्शी प्रशासन पर भला विश्वास कैसे पैदा हो? कृषि विकास दर 3.5 प्रतिशत से बढ़ रही है जो कि इसका उच्चतम संभव स्तर है, इसके और अधिक बढ़ने की कोई संभावना नहीं है। उत्पादन उद्योग में मंदी एक बड़ा दर्द है जिसके और लंबे समय तक चलने की संभावना है। अमेरिका और यूरोप में मांग घटने के कारण हर समय साथ देने वाला आईटी उद्योग भी इस बार ढीला पड़ता जा रहा है। इस बात को ताजा तिमाही के दिग्गज आईटी कंपनियों के परिणाम इंगित कर रहे हैं। भारत की एक अहम समस्या रुपए का लगातार कमजोर बना रहना है। भारत अपना 85 प्रतिशत कच्चा तेल और 60 प्रतिशत खाने का तेल आयात करता है और इसका कोई विकल्प निकट भविष्य में नजर नहीं आ रहा है। ऊपर से कमजोर रुपए के कारण आयात बिल तेजी से बढ़ रहा है तथा वैश्विक मंदी की वजह से निर्यात बढ़ नहीं पा रहा है क्योंकि भारत कोई अति आवश्यक सामान तो बनाता नहीं है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बड़ी मात्रा में भारत से अपना पैसा निकाला है, ज्यादातर विदेशी कंपनियां निराश हो कर भारत से वापस चली गई हैं, भारत के लाखों धनी लोग अपना पैसा लेकर कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड निकल गए हैं। उद्योगों में लगने वाले अति विशिष्ट और संवेदी पुर्जे हमें आयात ही करने पड़ते हैं। मेक इन इंडिया स्वच्छ भारत की तरह ही भुला दिया गया है। इन सब कारणों से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार खतरे में है।

हमें एक बात हमेशा ध्यान में रखना होगी कि जब तक और जितने अधिक समय तक कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहेगा, भारतीय अर्थव्यवस्था उभर नहीं पाएगी। अर्थव्यवस्था बातों, नारेबाजी और हुंकार भरने से नहीं चलती है। यहां संपदा चाहिए, उत्पादन चाहिए और बैंकों में रोकड़ा चाहिए। भारत सरकार ने कोई तीन लाख करोड़ की सब्सिडी विभिन्न क्षेत्रों के लिए घोषित की है पर पैसा कहां से आएगा इसका कोई ब्योरा नहीं दिया है। यही सब कारण हैं कि अपनी ही बात को झुठला कर सरकार ने आटे, दाल, छाछ, दूध आदि पर जीएसटी लगाई है। जो सरकार कोई भी जनोपयोगी अस्पताल नहीं दे सकती वह बीमार लोगों पर अस्पताल में भर्ती होने पर टैक्स लगाने की हिम्मत कर रही है। बीमार व्यक्ति पर, फिर चाहे वह कितना ही धनी क्यों न हो, टैक्स लगाना कैसे वाजिब हो सकता है? वह व्यक्ति पहले ही तीस प्रतिशत आयकर देकर आया है। यदि हम एक मजबूत भारत बनाना चाहते हैं तो हमें हमारी कमजोरियों को स्वीकार करना होगा। मूर्तियों के शेरों के दांतों से आर्थिक जगत में शिकार नहीं किया जाता है, वहां एक योजना और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है। आज भारत की अर्थव्यवस्था अधर में लटकी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की कमजोरियां हमारे लिए हमारी समस्याओं से बच निकलने का बहाना नहीं हो सकती हैं। भारत को कुछ नया सोचना ही नहीं, नया करना भी होगा वरना सपनों में भी अच्छे दिन नहीं आने वाले हैं।

-डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

बीटी कपास में रस चूसने वाले कीड़ों, हरा तैला और थ्रिप्स का प्रकोप

श्रीगंगानगर, (निसं)। गत 7-8 दिनों से लगातार बादलवाही रहने व बरसात होने के कारण नमी बढ़ने के साथ-साथ बीटी कपास व अन्य खरीफ फसलों में रस चूसक कीटों का प्रकोप बढ़ने की संभावना बढ़ी है।

कृषि विभाग के उपनिदेशक संयुक्त निदेशकी जी.आर.मटोरिया ने बताया कि इस हेतु रेपिड रोविंग सर्वे के माध्यम से कृषकों को कीट रोग के प्रकोप की सघनता एवं समय पर नियंत्राण के प्रभावी उपायों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है, जिससे उत्पादन में होने वाली कमी से बचा जा सकता है। उक्त उदेश्य की पूर्ति हेतु रेपिड रोविंग सर्वे टीम केशव कालीराना, सहायक निदेशक कृषि (पौ0सं0) कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खण्ड, श्रीगंगानगर के द्वारा गत दिवस को कालूवाला, बनवाली, बुधरवाली, सादुलशहर, करडवाला, मन्नीवाली, लालगढ़ आदि क्षेत्रों में खरीफ फसलों का सर्वे किया गया तथा जिले के अन्य क्षेत्रों के फील्ड स्टाफ से फीडबैक भी लिया गया। सर्वे में बीटी कपास के खेतों में रस चूसने वाले कीड़ों में सफेद मक्खी, जेसिड (हरा तैला), थ्रिप्स का प्रकोप देखा गया। उन्होंने बताया कि बीटी कपास के खेतों में सफेद मक्खी का प्रकोप अपेक्षाकृत अधिक देखा गया, जिसमें लार्वा और व्यस्क पौधों से रस चूसते है तथा पत्तियों की निचली सतह पर शिराओं के पास हनीडयू छोड़ते है तथा पत्तियां विकृत होकर घुमावदार प्याले के आकार की हो जाती है। सफेद मक्खी लीफ कर्ल वायरस जैसे विषाणु फैलाती है। थ्रीप्स द्वारा पत्तियों के निचली सतह पर शिराओं के पास कीट द्वारा रस चूस कर हानि पहुंचाई जाती है। जैसिड (हरा तैला) के अव्यस्क कीट पत्तियों का रस चूसते हैं, जिसके फलस्वरूप पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और रंग पीला हो जाता है। अतः क्षेत्र के कृषकों को सलाह दी जाती है कि नियमति रूप से खेत का निरीक्षण करे तथा आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) सफेद मक्खी के लिए 8-10 व्यस्क अथवा 20 निम्फ प्रति पत्ती थ्रिप्स के लिए 10 थ्रिप्स प्रति पत्ती से अधिक संख्या होने पर रस चूसने वाले कीटों के नियंत्राण हेतु नीम आधारित जैव कीटनाशी 5 एमएल/लीटर, इमिडाक्लोप्रिड 200 प्रतिशत एस.एल. 0.3 मिली/लीटर पानी, थायोमेथोग्जाम 25 प्रतिशत डब्लू.जी. 0.5 ग्राम/लीटर पानी, डाईफेन्थूरान 50 प्रतिशत डब्लूपी 2 ग्राम/लीटर पानी, स्पाईरोमैसिफेन 22.90 प्रतिशत एस.सी. 1.20 मिली./लीटर पानी, फ्लोनिकामिड 50 प्रतिशत डब्लू.जी. 0.30 ग्राम/लीटर पानी में से किसी एक रसायन का छिड़काव कर सकते है। दो या दो से अधिक कीटनाशक दवाओ का मिलाकर या अन्य असंस्तुत कीटनाशकों का छिड़काव ना करें। खेत में पर्याप्त नमी होने की दशा में ही कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें।

सांभर में गिरने के कगार पर जर्जर हवेलियां

सांभरझील, (निसं)। सांभर में जर्जर हवेलियां गिरने के कगार पर हैं। यहां वार्ड 22, चौधरियों की गली, भोजशाला के पास जर्जर हवेलियां झुक कर आपस में मिल गई है। इसी वार्ड में 3 और खंडहर हवेली हैं जिनसे हमेशा हादसे का अंदेशा रहता है। यह दोनों हवेलियां इस कदर आपस में झुक गई है कि उनके छज्जे एक दूसरे से टकरा गए हैं। यहां की पार्षद ज्योति कुमावत

■ हवेलियां इस कदर आपस में झुक गई हैं कि उनके छज्जे एक-दूसरे से टकरा गए हैं

को वार्ड वासियों द्वारा लिखकर इन हवेलियों को गिराने का अनुरोध किया है। पार्षद ज्योति कुमावत ने बताया कि उनकी तरफ से अनेक दफा नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करवाया जा चुका है। लंबे समय से इन खंडहर हवेलियों को गिराने का इंतजार बना हुआ है। जानकारी में आया है कि इनमें से एक हवेली के मालिक को पालिका की ओर से सूचना भी दी गई है। बारिश का मौसम है ऐसे में किसी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता है।

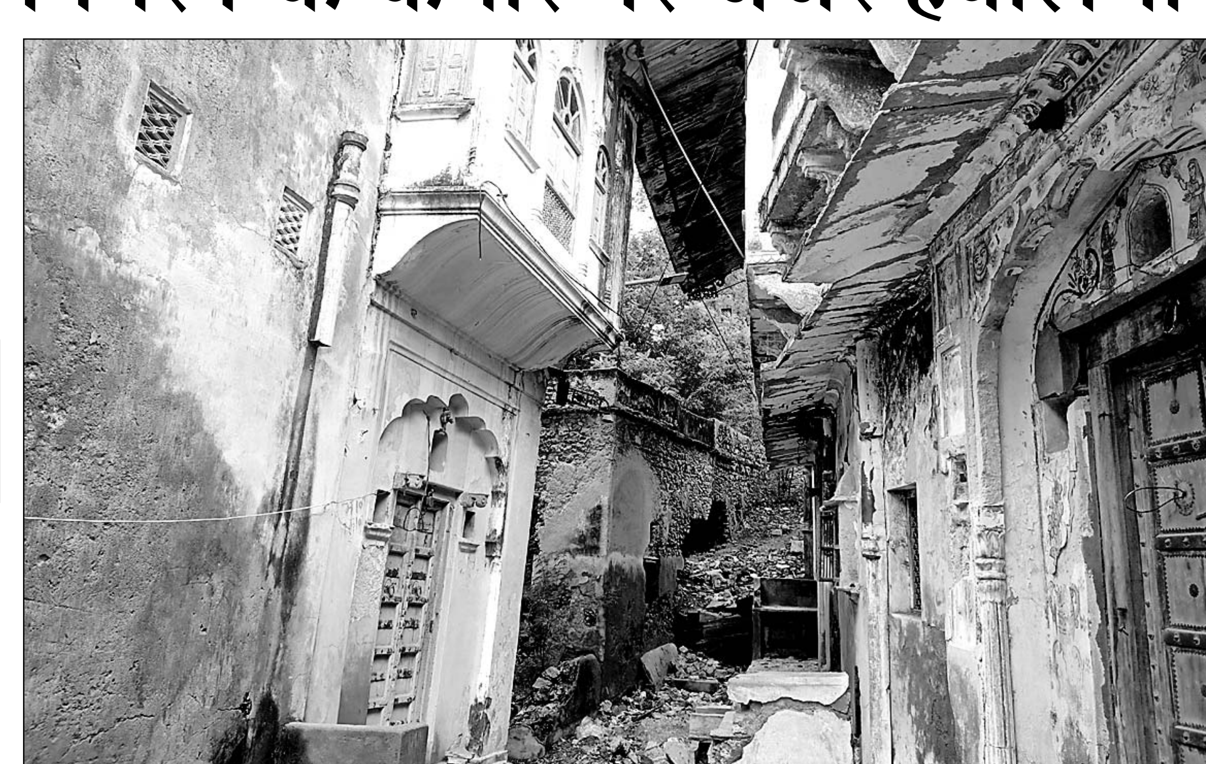

सांभर में भोजनशाला के पास जर्जर अवस्था में झुकी दो हवेलियां।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 23 जुलाई, 2022

सावन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, कृत्तिका नक्षत्र सांय 7:03 तक, गंड योग दिन 1:07 तक, विष्टि करण दिन 11:28 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 7:03 से सूर्योदय तक है। महापात योग प्रातः 8:00 तक है। आज बेर पूजा (त्रिपुरा) है। आज भद्रा दिन 11:28 तक है। आज से राष्ट्रीय सावन मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:31 से 9:12 तक, चर 12:33 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:35 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 7:16

मेष

आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

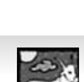

मनःस्थिति में सुधार होगा। परिवार में हर्षोल्लास-प्रसन्नता का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। समय खराब होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह

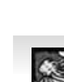

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

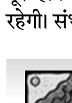

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

मकर

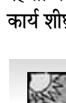

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कुंभ

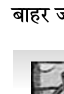

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मीन

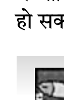

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर में शुक्रवार शाम को करीब घंटे भर झमाझम बारिश हुई। इससे सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी में छह लेन की सड़क दरिया बनकर बहती दिखी। करीब तीन फिट की ऊंचाई तक सड़क पर पानी भर जाने के कारण चौपहिया वाहनों से लेकर पैदल जाने वालों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इस दौरान रोडवेज बस समेत कई वाहन पानी के बीच में ही जाकर फंस गये जिन्हें आसपास के लोगों ने धक्का देकर बाहर निकलवाया। वहीं अंबावाड़ी में देर रात तक लंबा ट्रेफिक जाम लगा रहा। फोटो : दिनेश भारद्वाज

"ढाई आखर" अखिल भारतीय पत्र लेखन प्रतियोगिता

जयपुर, (का.सं.)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय डाक विभाग की ओर से पत्र लेखन प्रतियोगिता का अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी आयु वर्ग के व्यक्ति हिस्सा ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम एवं 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की दो श्रेणियों में परिमंडल स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम तीन स्थानों को पुरस्कृत किया जाएगा।

डाक विभाग के जयपुर नगर मण्डल की प्रवर अधीक्षक प्रियंका गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत सभी आयु वर्ग के व्यक्ति "विजन फॉर इंडिया 2047" विषय पर अंतर्देशीय पत्र एवं लिफाफे के माध्यम से प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। पत्र अंग्रेजी/हिंदी/क्षेत्रीय भाषा में लिखा जा सकता है, जिसे मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के नाम 31 अक्टूबर तक अपने नजदीकी डाकघर में भेजा जाना है।

जयपुर के बाद अब जोधपुर में भी करोना संक्रमण के नए मामलों ने रफ्तार पकड़ी

यहां पिछले कई दिनों से रोजाना 50 से अधिक रोगी सामने आ रहे हैं, शुक्रवार को भी सबसे ज्यादा 77 नए मरीज पाए गए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के बाद अब जोधपुर में भी करोना संक्रमण के नए मामलों ने रफ्तार पकड़ ली है। शुक्रवार को यहां सबसे ज्यादा 77 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं प्रदेश में 263 नए मामले सामने आए हैं। इस बीच राहत की बात यह रही कि नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी अधिक होने से एक्टिव केस घटकर 1568 रह गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 20 जिलों में 263 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 250 रोगी पाए गए थे। इधर जोधपुर जिले में करोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। यहां पिछले कई दिनों से रोजाना पचास से अधिक नए संक्रमित मिल रहे हैं। शुक्रवार भी जिले में सर्वाधिक 77 नए संक्रमित सामने आए हैं।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में गिरावट आई है। इस दौरान जयपुर और अजमेर में 18-18 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 28, बीकानेर में 21, राजसमंद में 20, दौसा व उदयपुर में 12-12,

- **राजधानी जयपुर में केवल 18 नए संक्रमित मिले है।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 263 नए संक्रमित मिले हैं।**

नागौर में 11, भीलवाड़ा में 8, चूरू में 7, चित्तौड़गढ़ में 6, प्रतापगढ़, सिरोही व जैसलमेर में 5-5, सीकर में 4, कोटा व झालावाड़ में 2-2 तथा डूंगरपुर और करौली में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 13 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, धौलपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जालोर, झुंझुनूं, पाली, सवाई माधोपुर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में शुक्रवार को 270 संक्रमित ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 1568 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 84 मरीज स्वस्थ्य होने से एक्टिव केस घटकर 371 रह गए है। हालाकि इस दौरान जोधपुर में इनकी संख्या बढ़कर 346 और बीकानेर में 151 हो गई है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर पिछले एक माह में शुक्रवार को सबसे कम नए संक्रमित मिले है। इनमें वैशाली नगर में 3, दुर्गापुरा, सी स्कीम व बरकत नगर में 2-2 तथा आदर्श नगर, अजमेर रोड, अंबाबाडी, बापू नगर, इमली फाटक, मालवीय नगर, सांगानेर, विद्याधर नगर और एसएमएस में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

पांच आरएएस बने आईएएस

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के पांच अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत हुए हैं। केंद्र सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर पुखराज सैन, श्रुति भारद्वाज, अरुण कुमार पुरोहित, मुकुल शर्मा और अजय सिंह राठौड़ को प्रमोट किया है। ये अधिकारी वर्ष 2021 की वैकेंसी के अंतर्गत प्रमोट हुए हैं।

छात्र संघ चुनाव कराने के निर्देश

जयपुर। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। विद्यार्थी संगठनों की मांग को देखते हुए एवं विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ बढ़ाने के लिए ये निर्देश दिए गए हैं।

'अगस्त में जयपुर में माइनिंग कॉन्क्लेव होगा'

जयपुर, (का.सं.)। अगस्त के पहले सप्ताह में जयपुर में माइनिंग, ऑयल और गैस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया एक दिवसीय कॉन्क्लेव में देश के माइनिंग क्षेत्र के जाने माने विशेषज्ञ और अधिकारी जुटेंगे। उन्होंने बताया कि एक दिवसीय नेशनल कॉन्क्लेव में देश व प्रदेश में विपुल खनि संपदा के खोज, खनन कार्य में आधुनिकतम तकनीक के उपयोग पर मंथन किया जाएगा। इसके साथ ही देश में खनिज खोज व खनन के वर्तमान सिनेरियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी मंथन होगा।

एसीएस माइंस, पेट्रोलियम व जलदाय डॉ. सुबोध अग्रवाल ने शुक्रवार को सचिवालय में कॉन्क्लेव की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने बताया कि जयपुर में आयोजित एक दिवसीय कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़, कर्नाटक, आसाम, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर, उड़ीसा, नागालैण्ड सहित कई प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे, वहीं नीति आयोग, ऑयल इण्डिया, ओएनजीसी, हिन्दुस्तान कॉपर, गैल इण्डिया, आईओसी, बीपीसीएल, एमईसीएल, आईबीएम, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, एचपीसीएल, राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, सीडोस, प्राकृतिक एवं नेचुरल गैस आदि के विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की इस कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने की संभावना है। इसके साथ ही माइनिंग, पेट्रोलियम व गैस क्षेत्र के एक्सप्लोरेशन और दोहन क्षेत्र में जुटे हुए निजी क्षेत्र के दिग्गजों को भी बुलाया जा रहा है। इसके साथ ही जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

अवैध खनन के 36 मुकदमे दर्ज कर 20 लोगों को गिरफ्तार किया

प्रदेश में अवैध खनन रोकने के लिए राज्य स्तरीय अभियान

जयपुर,(कासं)। अवैध खनन के विरुद्ध संचालित प्रदेशव्यापी अभियान में गत 24 घंटों की कार्यवाही में पुलिस ने 36 मुकदमे दर्ज कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 8 हजार 982 टन खनन सामग्री और 70 वाहन जब्त किए गए हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था हवा सिंह घुमरिया ने बताया कि अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे राज्य स्तरीय अभियान में पिछले 24 घंटे के अंदर उदयपुर रेंज में 14 प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को

- **जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा व भरतपुर रेंज में अलग-अलग कार्रवाई की।**
- **8982 टन खनन सामग्री एवं 70 वाहन जप्त किए**

गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में 21 वाहन जिनमें 15 डंपर, तीन पोकलैंड मशीन, दो जेसीबी व एक ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ 6510 टन बजरी जब्त की गई है।

एडीजी ने बताया कि जोधपुर रेंज में 9 प्रकरण दर्ज कर 8 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 8 ट्रैक्टर ट्रॉली व एक डम्पर के साथ 32 टन बजरी और 20 टन स्टोन जब्त किया गया। जयपुर रेंज में 5 मुकदमों में 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 14 ट्रैक्टर ट्रॉली और एक जेसीबी मशीन के साथ 28 टन बजरी और 4 टन पत्थर जब्त किये गए। घुमरिया ने बताया कि अजमेर रेंज में 4 मुकदमों में 2 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया व 3 ट्रैक्टर ट्रॉली और एक ट्रेलर के साथ 87 टन बजरी और 5 टन पत्थर जब्त किए गए। भरतपुर रेंज में दो मुकदमे दर्ज कर दो हाइड्रा डंपर, एक ट्रक व एक एलएनटी के साथ 4 वायर सोप मशीन और एक पत्थर का ब्लॉक कुल 5 टन खनन सामग्री जब्त की गई। उन्होंने बताया कि कोटा रेंज में 2 प्रकरण दर्ज कर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में 9 ट्रक, 7 ट्रैक्टर ट्रॉली और एक मोटरसाइकिल के साथ 2291 टन बजरी जप्त की गई।

एसएचओ के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने का आदेश रद्द

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर प्रथम ने निचली अदालत के गत दो मई के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत मानसरोवर थानाधिकारी व एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर अनुसंधान नतीजा रिपोर्ट अदालत में पेश करने के आदेश दिए गए थे। अदालत ने यह आदेश थानाधिकारी दिलीप कुमार सोनी व एक अन्य मुकेश कुमार की रिवीजन याचिका को मंजूर करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट चाहे तो परिवादी के आग्रह पर उसके परिवाद में सीआरपीसी की धारा 200 व 202 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही जारी रख सकता है।

रिवीजन याचिका में कहा गया कि शिकायतकर्ता की ओर से बताई गई घटना को लेकर पूर्व में भी एफआईआर दर्ज हुई थी।

'जिन वकीलों को मकान नहीं मिले उन्होंने मेरे घर के बाहर प्रदर्शन किया'

जयपुर, (का.सं.)। दी बार एसोसिएशन, जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। समारोह में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास और जस्टिस एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस फरजंद अली शामिल हुए।

वकीलों को संबोधित करते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि उन्होंने कोटा में करीब नौ सो वकीलों को आवास दिलाने का प्रयास किया, लेकिन जिन वकीलों को आवास नहीं मिले, उन्होंने उनके घर के बाहर प्रदर्शन कर दिया। जयपुर में भी वकीलों को आवास दिए जाएंगे, लेकिन जेडीए के अनुसार तय कीमत देनी होगी। इसमें किसी तरह का विवाद ना हो, इसके लिए मंत्री ने वकीलों से सुझाव मांगा। इसके साथ ही धारीवाल ने कहा कि अधिवक्ता कल्याण कोष कानून को विधानसभा से

- **दी बार एसोसिएशन, जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में बोले यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल**

पारित कर राज्यपाल के पास भेजा जा चुका है। एडवोकेट प्रोटेक्शन और वेलफेयर फंड के लिए वकीलों से मीटिंग कर सुझाव लिए जाएंगे। वहीं वकील कम्युनिटी सेंटर के लिए जगह चिन्हित कर बताए, जेडीए से निर्माण करवा दिया जाएगा।

इस मौके पर मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि देश में जहां धर्म के नाम पर हत्या हो रही हैं। वहीं बार में धर्म के नाम पर कोई झगड़ा नहीं है। वकील किसी भी धर्म या जाति का क्यों नहीं हो, यहां सब एक ही हैं। खाचरियावास ने कहा कि दुनिया में सेवा से बडा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने समारोह में अधिवक्ता वेलफेयर फंड में 25 लाख रुपए देने की घोषणा की।

राष्ट्रपति को बधाई

जयपुर। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनुसूचित जनजाति समाज से आने वाले प्रदेश के सांसद और विधायकों ने मिलकर शुक्रवार को बधाई दी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं जो सियासी बातों के अलावा कुछ करते नहीं हैं : डॉ. पूनिया

जयपुर। प्रदेशभर के नगर निकाय जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला का भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजन किया गया। इसमें मेयर, डिप्टी मेयर, सभापति, उपसभापति, चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन इत्यादि शामिल हुए। जिन्हें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद

- **हमें संघर्ष करते हुए जनहित के कार्यों को करना है : चन्द्रशेखर**
- **एक जनप्रतिनिधि अच्छे आचरण से मिसाल पेश कर अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचता है : कटारिया**

कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित किया।

प्रदेशभर के नगर निकाय जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित किया।

डॉ. पूनिया ने उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के जरिए शहरों का जीवन बदलने की कोशिश की, एक आम गरीब शहरी उसका जीवन कैसे बदलें, उसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से लेकर कोरोना की विभीषिका में सहूलियतें देने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने 200 करोड़ फ्री वैक्सीन लगाकर हिंदुस्तान के शहरों और गांवों को सबसे पहले जिंदगी से महफूज किया, यह बड़ा क्रांतिकारी कदम था, कांग्रेस सरकार की नीयत खराब थी तभी वैक्सीनेशन के अभियान पर भी आपके शहर की दीवार पर जो पोस्टर लगाया गया उस पर मुस्कुराते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री की फोटो थी, प्रधानमंत्री की फोटो नदारद थी। यह कांग्रेस सरकार के काम करने का एक छोटा नमूना है, लेकिन हमारे पार्षदों के खिलाफ, हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के खिलाफ, चेयरमैन के खिलाफ वाइस चेयरमैन के खिलाफ बिना बात के केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और प्रतिशोध के मामले, जिसकी संख्या सैकड़ों में हो सकती है, यह दृश्य कभी देखा तो कांग्रेस पार्टी के शासन में देखा। एक राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं जो सियासी बातों के अलावा कुछ करते नहीं हैं, उन्होंने शहरों के विकास, उन्नित और सौन्दर्यकरण के लिए कोई प्रयास नहीं किये।

प्रदेश प्रभारी चंद्रशेखर ने संगठनात्मक योगदान एवं सुशासन विषय पर बोलते हुए कहा कि विपक्ष में रहने के कारण जनहित के विषयों पर कठिनाई जरूर आएगी और किन्तु हमें संघर्ष करते हुए जनहित के कार्यों को करना है, आगामी दिनों में जनप्रतिनिधियों को पांच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर काम करना होगा जिनमें केंद्र सरकार से जुड़े विषयों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना, कांग्रेस सरकार की कुव्यवस्था और भ्रष्टाचार के मामलों पर जन आंदोलन खड़ा करना, तीसरा स्थानीय मुद्दों को नेता प्रतिपक्ष के उपनेता प्रतिपक्ष तक पहुंचाकर विधानसभा में उठवाना महत्वपूर्ण है।

गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि मैं जबसे इस विचारधारा से जुड़ा हूं तभी से जनसंघ का सबसे अधिक प्रभाव शहरों में रहा, पहली बार कोटा नगर पालिका में जनसंघ अध्यक्ष बना। वहीं से नगरपालिका में हमारी विचारधारा का प्रचार प्रसार होना शुरू हुआ, नगर पालिका और नगर निगम के जनप्रतिनिधियों के आचरण के कारण ही हमारी विचारधारा का समाज में सम्मान हुआ। अनेकों जनप्रतिनिधियों के समर्पण से यह पार्टी खड़ी हुई है, एक जनप्रतिनिधि अपने अच्छे आचरण से मिसाल पेश कर समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचता है।

आयकर अधिकारियों की नई वरिष्ठता सूची बनाने पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने डीपीसी मीटिंग के आधार पर आयकर अधिकारियों की नई वरिष्ठता सूची बनाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं अधिकरण ने मुख्य प्रधान आयकर आयुक्त, केन्द्रीय राजस्व सचिव, डीओपीटी सचिव और सीबीडीटी चेयरमैन से 17 अगस्त तक जवाब मांगते हुए प्रार्थियों के मामले में यथास्थिति के आदेश दिए हैं। अधिकरण ने यह आदेश आयकर अधिकारी शैलेश कोटियाल व अन्य की प्रार्थना पत्र पर दिए।

प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता कपिल शर्मा ने बताया कि उनकी सीधी भर्ती के जरिए नियुक्ति हुई थी और वे वर्ष 2014 से काम कर रहे हैं। वहीं विभाग 26 अक्टूबर 2021 के सीबीडीटी के परिपत्र की गलत व्याख्या कर उन्हें रिव्यू डीपीसी के जरिए पदावनत कर रहा है।

नवम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व.श्री द्वारका प्रसाद बैरवा (पूर्व सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, वरिष्ठ कांग्रेसी)

24.12.1948-23.7.2013

आप क्या जाने कैसे जिन्दा है, आपके जाने के बाद। चुप सा खड़ा है आंगन, कुछ भी नहीं रहा आबाद। हर तस्वीर भी धुंधली सी लगती है। अब कुछ नहीं नजर आता आपके जाने के बाद।।

श्रद्धावनत- श्रीमती आशालता (धर्मपत्नी), रमेश बैरवा (भ्राता), प्रशांत बैरवा (पुत्र) (विधायक, निवाई-पीपलू विधानसभा)-सुषमा (पुत्रवधू), उर्वशी बैरवा-डॉ.ताराचन्द (पुत्री-दामाद), डॉ.प्रगति-जितेन्द्र सिंह (पुत्री-दामाद), प्रसिद्धि, प्रख्यात (पौत्री, पौत्र), उत्कर्ष, निष्कर्ष, आदित, प्राप्ति (दोहिते, दोहिती), प्रवीण, मनु, लक्ष्य विजय, जतिन गंगवाल (भतीजे) एवं समस्त गंगवाल परिवार।

नम्बर मिलाइए 9587884433

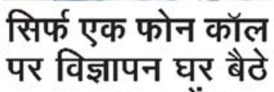

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर

आवश्यक सूचना

मूलतः आवास संख्या 2/397 एस0डब्ल्यू0बी0 योजना, अलवर जो कि श्री सुरेश चन्द शर्मा को आवंटन पत्रांक 1694 दिनांक 27.09.1985 के द्वारा आवंटित किया गया। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाण-पत्र क्रमांक 3544 दिनांक 14.10.1999 को श्री सुरेश चन्द शर्मा को जारी किया जा चुका है। श्री सुरेश चन्द शर्मा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से उप पंजीयक कार्यालय अलवर में दिनांक 29.03.2003 को पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री सुरेश चन्द शर्मा कि मृत्यु दिनांक 17.06.2015 को हो जाने पर मृतक के पुत्र उत्तराधिकारी श्री अरूण कुमार शर्मा पुत्र स्व0 श्री सुरेश चन्द शर्मा ने पंजीकृत हक त्याग एवं शपथ पत्रो के आधार पर स्वयं के नाम मृत्यु उपरान्त आवास का नाम प्रतिस्थापन हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। श्री अरूण कुमार शर्मा ने आवास का अपने नाम मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तान्तरण हेतु प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा दिया गया है।अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2/397 एस.डब्ल्यू.बी. योजना अलवर के संबंध में पिता, पुत्र पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर से अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा श्री अरूण कुमार शर्मा पुत्र स्व0 श्री सुरेश चन्द शर्मा के पक्ष में आवास का नाम प्रतिस्थापन हस्तान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सांभरलेक (जयपुर)

क्रमांक-नपासां/टॉवर/2022/1161 दिनांक-21.7.2022

आपत्ति आमंत्रण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रिलायंस जिओ इंफोकॉम लिमिटेड ने श्रीमति विमला टांक पत्नि स्व. श्री नन्द किशोर टांक निवासी मालवो की गली, छोटा बाजार सांभर लेक के स्वामित्व प्लाट पर रिलायंस जिओ टॉवर लगाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मयाद 7 दिवस मय सबूत पालिका में निम्न हस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद कोई उज्रदारी मान्य नहीं होगा।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका सांभर लेक

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहाडगंज गृ.नि.स.समिति लि.जयपुर पंजीयन क्रमांक 2429 /एल की योजना विजयनगर ए स्थित ग्राम बगराना आगरा रोड जयपुर में भूखण्ड संख्या 696 क्षेत्रफल 100-00 वर्गगज का श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री हरबन्स कोली निवासी 12/4, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर के नाम से आवंटित किया था किन्तु दिनांक 02/03/2018 को श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री हरबन्स कोली का स्वर्गवास हो जाने के कारण उनके द्वारा मनोनित श्रीमती नाथी देवी पत्नि स्व. श्री जगदीश चन्द्र ने समिति कार्यालय में अपने हक के उक्त वर्णित भूखण्ड को अपने नाम से परिवर्तन करवाने हेतु आवेदन किया है इस सम्बन्ध में किसी संस्था व्यक्ति या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के समिति कार्यालय में 15 दिवस के अन्दर सम्पर्क करें अन्यथा मियाद गुजर जाने के बाद उक्त प्रार्थी के हक मे नाम परिवर्तन कर दिये जावेंगे।

मन्त्री-पहाडगंज गृह निर्माण सहकारी, समिति लि. जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्रीमती सीमा पी शर्मा पत्नी श्री पीयूष शर्मा एवं श्री पीयूष शर्मा पुत्र श्री अमरनाथ शर्मा, निवासीगण मकान नम्बर ई-2/454, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर (राज.) ने श्रीमती सरिता आहूजा पत्नी श्री राजीव आहूजा, फ्लेट नम्बर 201, प्लाट नम्बर एसबी-167, एम.जी.रोड़, नियर गांधी सर्किल, बापू नगर, जयपुर (राज.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की अचल सम्पत्ति फ्लेट नम्बर 405, फिफ्थ फ्लोर, क्राउन प्लाजा, नर्सरी सर्किल के पास, वैशाली नगर, जयपुर (राज.) जिसका बिल्टअप एरिया 1360 वर्गफीट है को खरीद करने का इकरार किया हैतथा उक्त सम्पत्ति को खरीदने के लिए मेरे अभिभाष्य एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण प्राप्त करना चाहते है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को उक्त विक्रय से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति मय आपत्ति सम्बन्धित दस्तावेज प्रस्तुत कर सम्पर्क करें, बाद गुजरने मियाद मेरे अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र अपने हित में निष्पादित करवा लेगे तथा कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट, मो.नं.9829218044

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id:dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No.0141-2782772

क्रमांक-DHC-II/1218 दिनांक-22/7/22

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 124/471, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 79.48 वर्ग मीटर/वर्गगज का आवंटन कुमारी अन्जु सिंघल पुत्री श्री राधेश्याम सिंघल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3049 दिनांक 28.04.1992 को जारी किया गया। इसके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 20.05.1992 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1739 दिनांक 18.06.1999 के द्वारा श्री कमल कुमार खूबचन्दानी पुत्र श्री थावरदास खूबचन्दानी के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया। तत्पश्चात श्री कमल कुमार खूबचन्दानी की मृत्यु दिनांक 10.09.2012 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती रितु खूबचन्दानी पत्नी स्व.श्री कमल कुमार खूबचन्दानी ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती रितु खूबचन्दानी पत्नी स्व.श्री कमल खूबचन्दानी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती रितु खूबचन्दानी पत्नी स्व.श्री कमल कुमार खूबचन्दानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

खोया पाया

जेडीए द्वारा जारी पट्टा रविन्द्र नगर ऐ के प्लॉट नंबर 57 का पट्टा खो गया है सूचित करें जितेन्द्र कुमार सैनी मो. 9887217261

NAME CHANGE

My name Jasvinder Singh and Jasvindar Singh both are same. Jasvinder Singh S/o Harjeet Singh 33A Krishna Colony Ramgarh Mode. Jaipur

मैंनें अपना नाम सीता राम शर्मा से बदलकर सीता राम बागडा रख लिया है। भविष्य में मुझे सीता राम बागडा पुत्र श्री बद्री प्रसाद निवासी 68, जगदीश कॉलोनी, निवारू रोड, झोटवाडा जयपुर के नाम से जाना पहचाना जावें।

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाड़ी

क्रमांक-641 दिनांक-18.7.2022

आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 7/265 सैक्टर 4 व 7, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्री भरत सिंह को आवंटन पत्रांक 2512 दिनांक 21.03.2005 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा इनके पक्ष में अदेय प्रमाण पत्र संख्या 481 दिनांक 30.05.2005 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 27.07.2005 को उप पंजीयक भिवाडी में पंजीकृत करवाई जा चुकी हैं। श्री भरत सिंह की मृत्यु दिनांक 05.05.2021 को हो चुकी हैं। श्री ऋषिपाल सिंह ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं श्री भरत सिंह की मृत्यु का प्रमाण पत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रस्तुत कर निवेदन किया है, कि श्री भरत सिंह का स्वर्गवास दिनांक 05.05.2021 को हो जाने के कारण उपरोक्त आवास संख्या 7/265 सैक्टर 4 व 7 भिवाडी जिला अलवर को पंजीकृत हकत्याग के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण उनके नाम किया जावे। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जता है कि उक्त आवास संख्या 7/265 सैक्टर 4 व 7 भिवाडी के संबंन्ध में पिता, पुत्र, पुत्रियों भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाड़ी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत के अन्यथा श्री ऋषिपाल सिंह पुत्र स्व. श्री भरत सिंह के पक्ष में उपरोक्त आवास संख्या 7/265 सैक्टर 4 व 7 भिवाडी जिला अलवर का पंजीकृत, हकत्याग के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।

(पी.एल.मीणा) आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड भिवाड़ी

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 21/22

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम श्रीमती ऊषा शर्मा पत्नी स्व.श्री राम गोपाल शर्मा जाति ब्राह्मण

विवाद स्थान उम्र 64 साल निवासी म.नं.4 शिव नगर मार्ग नं.1 मुरलीपुरा, जयपुर

मृतक स्व.राम गोपाल शर्मा पुत्र स्व.श्री दामोदर प्रसाद शर्मा, बैंक ऑफ इण्डिया एसबी खाता नं. 660010100017027 में जमा शुदा राशि की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक-20/8/22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.श्री रामगोपाल शर्मा पुत्र स्व.श्री दामोदर प्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी 4 शिव नगर मुरलीपुरा सीकर रोड, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 20 माह 8 सन 22 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 21 माह 07 सन् 22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

मोही स्थित बनास नदी पेटे में अवैध खनन पर कार्रवाई

तीन पोकलेन, एक जेसीबी, पांच डंपर और चार ट्रैक्टर जब्त

राजसमंद में अवैध बजरी खनन पर मोही बनास नदी पेटे में की गई कार्यावाही में कांकरोली पुलिस ने डम्पर व फोकलेन मशीन को जब्त कर लिया।

■ अवैध खनन के खिलाफ हुई अचानक कार्रवाई से बजरी माफियों में हडकंप

राजसमंद, (निसं)। मोही स्थित बनास नदी पेटे में अवैध खनन करने वाले बजरी माफियाओं के खिलाफ डीएसटी, डीएसबी की सूचना पर देर रात जिला पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 6 डंपर सहित मशीनरी और कई वाहन को जप्त किया है। अवैध खनन के खिलाफ हुई अचानक कार्रवाई से बजरी माफियों में हडकंप मच गया और डम्पर व टेक्टरों में भरी बजरी को बिखेर कर मौके से भाग निकले।

टीम को सूचना मिली थी कि मोही स्थित बनास नदी पर बडे स्तर पर अवैध बजरी का खनन किया जा रहा है। इस पर पुलिस का भारी जाप्ता मौके पर पहुंचा और कार्रवाई को अंजाम दिया। सूचना पर एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी बेनीप्रसाद मीणा, कांकरोली थानाधिकारी लक्ष्मणराम विश्नोई, डीएसटी प्रभारी संजय गुर्जर, डीएसबी प्रभारी लक्ष्मणसिंह, हैड कांस्टेबल रतन व्यास, गणपत सिंह, पुरण सिंह, कांस्टेबल विक्रम सिंह, हंसराज, जेम्स मसीह, लक्ष्मीलाल, केशरसिंह, चंदन सिंह सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और टीम को देख अवैध बजरी माफिया मौके से फरार हो गए। पुलिस ने 13 अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए प्रयास शुरू कर दिए है। पुलिस की सूचना के बाद खनिज विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पुलिस की मदद से की गई कार्यवाही में पांच डंपर सहित, टेक्टर मय ट्रोली, जेसीबी व फोकलेन मशीनरी के अलावा कई वाहन को जप्त किया है। फिलहाल पुलिस फरार हुए बजरी माफियाओं की तलाश में जुटी है। गौरतलब है कि भरतपुर में संत के आत्मदाह के बाद मुख्यमंत्री से मिले अवैध खनन पर कार्रवाई के निर्देश के बाद जिला पुलिस ने भी खनन विभाग के साथ मिलकर बडी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने नियम विरुद्ध बजरी खनन कर रहे माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए बडी संख्या में बजरी खनन में इस्तेमाल मशीनें और वाहन जप्त किए। अवैध खनन करने वाले माफियों के साथ उपयोग में लिए जा रहे डम्पर, टेक्टर, जेसीबी सहित फोकलने पर खनिज विभाग द्वारा लाखों रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय से मिले निर्देश के बाद मोही क्षेत्र में बनास नदी में अवैध खनन कर रहे लोगों पर दबिश दी। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन पोकलैंड मशीन, एक जेसीबी, पांच डंपर और चार ट्रैक्टर जब्त किए हैं। जिन पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। एसपी ने बताया कि अधिकारियों को जिले में अवैध खनन चिन्हित करने के लिए निर्देश दिए है। चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

श्रद्धालुओं की स्कार्पियो नाले में गिरी, छह लोग घायल

करौली सरमुथरा सड़क मार्ग स्थित कुदन्ना के नाले में श्रृद्धालुओं से भरी स्कॉर्पियों गिरी।

■ कैलामाता के दर्शन कर लौट रहे थे श्रृद्धालु

करौली, (निसं)। कैलादेवी मन्दिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी स्कॉर्पियो कार चालक को नींद आने के कारण हाइवे से नीचे गहरे नाले में गिर गई जिससे स्कार्पियो में सवार 6 लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए करौली हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

करौली सदर थाना एएसआई गंभीर सिंह ने बताया कि दर्शन सिंह निवासी मध्यप्रदेश अपने परिवार सहित कैलादेवी के दर्शन करने आया था। शुक्रवार कैलादेवी के दर्शन करने के बाद परिवार वापस घर लौट रहा था। वापस लौटते समय हरिराम स्कॉर्पियो चला रहा था। करौली-धौलपुर मार्ग स्थित हाइवे पर भिंडपुरा पाटौरन के पास पहुंचते ही चालक को अचानक नींद आ गई। जिससे कार हाइवे से नीचे उतर कर कुदन्ना के गहरे नाले में गिर गई। स्कॉर्पियो के नाले में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को जैसे-तैसे स्कॉर्पियो से बाहर निकाला और सदर थाना पुलिस को सूचना दी। साथ ही घायलों को एंबुलेंस और विभिन्न वाहनों की मदद से करौली हॉस्पिटल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है। सिविल डिफेन्स टीम के तरूण दुबे ने बताया कि कैलामाता के श्रृद्धालुओं के वाहन के गहरे नाले मे गिरने की करौली कलेक्ट्रेट के कन्ट्रोल रूम पर सूचना मिली जहां से टीम इंचार्ज छत्रपाल के नेतृत्व में घायलों का मौके पर ही प्राथमिक उपचार कर हॉस्पिटल पहुंचाया। छत्रपाल ने बताया कि वाहन चालक के पिता ख्यालीराम के अनुसार वह गत चार दिनों से विभिन्न धार्मिक स्थानों की यात्राएं कर रहे थे। इस दौरान झपकी लगने से दुर्घटना घट गई। वाहन में छोटे-बड़े सहित 10 लोग सवार थे। इनमें से भारती पत्नी हरिराम, खुशबू पत्नी दर्शन, रोहिणी पुत्री हरिराम, धनीराम पुत्र परम, नस्पा पुत्री दर्शन एवं दर्शन पुत्र ख्यालीराम घायल हो गये।

रिजवान ने तोड़ी थी महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति

■ रिजवान मूर्ति को तोड़ने के लिए छह फीट की ऊंचाई पर चढ़ा तो मूर्ति तोड़ते गार्ड ने देख लिया था, उसे उतारा और मौके पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था

श्रीगंगानगर, (निसं)। हाल ही नूपुर शर्मा की हत्या के लिए श्रीगंगानगर जिले के खखां के पास घुसपैठ करते पकड़ा गया पाकिस्तानी नागरिक रिजवान अशरफ पाक में भी अपराधी है। उसने वहां लाहौर फोर्ट के बाहर लगी महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति तोड़ी थी। उसने महाराजा रणजीत की घोड़े पर सवार प्रतिमा का ऊपर का हिस्सा तोड़ दिया था। घटना के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

यह मूर्ति लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह की पत्नी रानी जिंदा की हवेली के बाहर लगी है और इसे तोड़ने के प्रयास तीन बार हो चुके हैं। इनमें से एक बार यह प्रयास रिजवान भी कर चुका है। उस समय पाकिस्तान पुलिस ने भी एक विशेष माइंडसेट का आरोपी माना था। यह मूर्ति वॉल्ड सिटी ऑफ लाहौर अथोरिटी (डब्लयूसीएलए) को कनाडा के एक सिख बॉबी सिंह ने भेंट की थी। इसका निर्माण लाहौर के फकीरखाना म्यूजियम की ओर से करवाया गया था। रिजवान इस मूर्ति को तोड़ने के लिए छह फीट की ऊंचाई पर चढ़ा। उसके मूर्ति तोड़ते ही गार्ड ने उसे देख लिया। वह उसके पास गया और उसे उतारा। मौके पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। यह मूर्ति लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह की 180 वीं बरसी पर लगाई गई थी। रिजवान से इन दिनों पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी रिजवान अशरफ ने माना कि इस मूर्ति को तोड़ने में उसका हाथ है। श्रीगंगानगर एसपी आनंद शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि रिजवान पाकिस्तान में भी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहा है। उसने माना है कि महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति उसने ही तोड़ी है।

हाइवे पर चलते ट्रक में लगी आग, एक जिंदा जला

बांदनवाड़ा कस्बे में हाइवे पर ट्रक में आग लगने के बाद केबिन से उठती लपटें।

बांदनवाड़ा, (निसं)। बान्दनवाड़ा कस्बे में गुरुवार रात 10 बजे करीब एक चलते ट्रक की केबिन में भयानक आग लग गई व देखते ही देखते आग ने भयानक रूप ले लिया।

वहीं आग लगने पर ट्रक को ड्राइवर ने सड़क के साइड में खड़ा कर दिया व आग भयानक होने से बाहर नहीं निकल पाया। कुछ देर बाद साइड के फाटक से एक व्यक्ति बाहर गिर गया जिसे बान्दनवाड़ा अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। पुलिस चौकी बान्दनवाड़ा इंचार्ज गिरधारी सिंह ने बताया कि अभी तक एक व्यक्ति के ही ट्रक में होने का पता चला है जो आग में झुलसने से मर गया, वहीं आग बुझने पर ही पूरी वस्तुस्थिति का पता चलेगा। ट्रक ड्राइवर पास ही के गांव खेड़ी का बताया जा रहा है। करीब एक घंटे बाद पहुंची बिजयनगर नगर पालिका की दमकल ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

समर स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी

कोटा, (निसं)। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए कोटा होकर जाने वाली तीन जोड़ी समर स्पेशल 09739/09740, 09621/09622 और 09715/09716 ट्रेनों के 13 फेरे अधिक चलाने का निर्णय लिया गया है पूर्व में ये ट्रेने जुलाई/अगस्त माह के अंतिम तक चलाना प्रस्तावित था जिसको अब बढ़ाकर अक्टूबर तक कर दिया गया है। जिससे यात्रियों को भीड़ से राहत मिलेगी। 09739 ढेहर का बालाजी से साई नगर सिरडी के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार, 09740 साई नगर सिरडी से ढेहर का बालाजी के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक रविवार, 09621 अजमेर से बांद्रा के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक रविवार, 09622 बांद्रा से अजमेर बांद्रा के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक सोमवार, 09715 ढेहर का बालाजी से त्रिरुपति के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक शनिवार तथा 09716 त्रिरुपति से ढेहर का बालाजी के लिए प्रस्थान अपने प्राराम्भिक स्टेशन से प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

पचेवर कस्बे के व्यापारी को मिला धमकी भरा पत्र

15 लाख की फिरोती नहीं देने पर दोनों बेटों को मौत के घाट उतारने की चेतावनी

■ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ दुकान में धमकी भरा पत्र डालने वाला युवक, पुलिस जुटी जांच में

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के पचेवर कस्बे में मिठाई की दुकान करने वाले एक व्यापारी को शुक्रवार की सवेरे दुकान खोलने पर एक धमकी भरा पत्र मिला। जिसमे 15 लाख रूपये की फिरोती नही दिये जाने पर दोनों बेटों को जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

पचेवर थाने के एएसआई दिलिप सिंह ने बताया कि बस स्टेण्ड पर मिठाई की दुकान करने वाला व्यापारी रामस्वरूप साहु ने दी रिपोर्ट मे बताया कि शुक्रवार की सवेरे रोजमर्रा की तरह दुकान का शट्टर खोला तो दुकान मे एक पत्र मिला। जिसे पढते ही वो घबरा गया। व्यापारी ने आसपास के लोगो को धमकी भरे पत्र से अवगत करवाते हुए थाना पुलिस को सुचना दी।

सुचना पर पहुंची थाना पुलिस को व्यापारी ने दुकान मे मिला धमकी भरा पत्र सौंपा जिसमे लिखा हुआ था कि तालाब की पाल पर बने शोचालय के पास 15 लाख रूपये की राशि रखकर आ जाना। यदि समय पर 15 लाख रूपये नही रखकर आया तो दोनो बेटो को मौत के घाट उतार देगें। साथ ही मामले से थाना पुलिस अथवा अन्य किसी को अवगत करवाया तो बेटो की जिन्दगी से हाथ धो बैठेगा।

पुलिस ने व्यापारी द्वारा दी रिपोर्ट व धमकी भरे पत्र के बाद दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो गुरूवार की रात को 3 बजे एक युवक दुकान के शटर में कागज डालता हुआ नजर आया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे मे ले मामले की जांच शुरू की।

राष्ट्रपति मूर्मू का अभिनंदन किया

जोधपुर, (कासं)। मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनको पुष्प गुच्छ भेंट कर जीत की बधाई दी। इस दौरान द्रौपदी ने मंत्री शेखावत को मिठाई खिलाकर बधाई शुभकामना स्वीकार की। द्रौपदी मुर्मू के प्रचार कार्यक्रम का संयोजक होने के नाते केन्द्रीय मंत्री शेखावत प्रचार के दौरान मुर्मू के साथ रहे।

जेईई मेन-2022 : दूसरे अटेम्प्ट के प्रवेश पत्र जारी

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन का जुलाई सेशन 25 से 29 जुलाई के मध्य आयोजित किया जाएगा। यह परीक्षा देश के 500 व विदेश के 17 परीक्षा शहरों में होगी। इस परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए है। पहले यह परीक्षा 21 जुलाई होनी थी। कोटा में इस परीक्षा के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं, जिसमें गुरुकुल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रानपुर में दो, वेदांत कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जाखमुंड बूंदी एवं परीक्षा डेस्क इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया के तीन केंद्र शामिल है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि बीई-बीटेक परीक्षा 10 शिफ्टों में 24 से 29 जून के मध्य होगी जिसके लिए कुल 6 लाख 29 हज़ार 778 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रशन करवाया है। 10 शिफ्टों में से प्रत्येक शिफ्ट में 60 हज़ार के आस-पास स्टूडेंट्स परीक्षा देंगे। सीबीएससी परिणाम जारी होने के बाद वे स्टूडेंट्स परेशानी में दिखाई दे रहे हैं जिनकी 12वीं बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं हुए है और वे वर्ष 2023 में आईआईटी व एनआईटी में प्रवेश लेना चाहते है क्योंकि वर्ष 2020 से 2022 तक आईआईटी व एनआईटी में प्रवेश की बोर्ड योग्यता 12वीं पास राखी गई थी परन्तु वर्ष 2023 में ये योग्यता क्या रहेगी इस सन्दर्भ में कोई बात स्पष्ट नहीं है ऐसे में ये स्टूडेंट्स अगले वर्ष में आईआईटी व एनआईटी में प्रवेश ले पाएंगे या नहीं इस बात से बडी परेशानी में आ गए है एनटीए व जेईई एडवांस्ड को चाहिऐं जल्द से जल्द वर्ष 2023 की 12वी बोर्ड प्रवेश योग्यता को निर्धरित कर जारी करना चाहिए।

1380 परीक्षा केन्द्रों पर 16,96,516 परीक्षार्थी देंगे रीट की परीक्षा

जयपुर जिले में सर्वाधिक 219 केन्द्र

अजमेर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित शनिवार और रविवार को होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2022 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

इस परीक्षा के लिए पूरे राज्य में 1380 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 16,96,516 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट होंगे। प्रथम स्तर की परीक्षा में कुल 4,01,320 और द्वितीय स्तर की परीक्षा में 12,95,196 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत किये गये है। जयपुर जिले में सर्वाधिक 219 परीक्षा केन्द्र बनाये गये जहां साढे तीन लाख से भी अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जैसलमेर में मात्र 10 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जहां 8237 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। अजमेर में 53 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जहां 65309 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र रीट की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध कराये जा चुके है। नकल व अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए कड़े इन्तजाम किये गये है।

रीट परीक्षा की समन्वयक मेघना चौधरी ने बताया कि परीक्षार्थी को फ्रिस्किंग के लिए परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा प्रारम्भ होने से न्यूनतम दो घण्टे पहले पहुंचना होगा। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सुरक्षा की दृष्टि से न्यूनतम दो पुलिस कर्मी, दो महिला पुलिस कर्मी और दो होमगार्ड के जवान तैनात किये गये है। स्तर प्रथम (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा केवल एक पारी में आयोजित की जायेगी। यह परीक्षा 23 जुलाई को प्रथम पारी में सुबह 10 बजे से 12.30 बजे के सत्र में होगी।

स्तर द्वितीय (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा तीन पारियों में 23 जुलाई को द्वितीय पारी दोपहर 3.00 बजे से 5.30 बजे के सत्र में और 24 जुलाई को प्रथम एवं द्वितीय पारी में होगी। परीक्षा आरम्भ होने से एक घण्टा पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बन्द कर दिया जायेगा तथा किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। प्रथम पारी में 9 बजे तथा द्वितीय पारी में दोपहर 2 बजे बाद परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा के समय परीक्षार्थी डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्र के साथ मुख्यतः आधार कार्ड अथवा इसके अनुपलब्ध होने पर ड्राइविंग लाइसेंस/वोटर पहचान कार्ड में से कोई एक तथा स्व प्रमाणित फोटो प्रति आवश्यक रूप से अपने साथ रखें अन्यथा प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, ब्लूटूथ या अन्य कोई भी इलेक्ट्रानिक उपकरण लाना निषेध रहेगा।

करौली में रोडवेज बसों में रही अभ्यर्थियों की भीड़

करौली के रोडवेज बस स्टैण्ड पर बसों मे बैठने की मशक्कत करते रीट परीक्षा के अभ्यार्थी।

करौली, (निसं)। रीट परीक्षा 23 व 24 जुलाई को आयोजित होने वाली है। इस संबंध में करौली जिले से बाहर जाने वाले एवं करौली जिले में आने वाले परीक्षार्थियों के लिए परिवहन, कानून व अन्य समस्त प्रबंधन व्यवस्था परीक्षा संचालन हेतु सुनिश्चित करने के लिये समस्त तैयारियां पूर्ण करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये गये है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों पर आवागमन के लिये रोडवेज व निजी बसों की व्यवस्था की गई है। उन्होने बताया कि 23 व 24 जुलाई को करौली बस स्टैण्ड से करौली हिण्डौन, भरपुर के लिये 15बसे, करौली, महुआ, दौसा, जयपुर के लिए 25, करौली, नादौती, सिकंदरा, जयपुर के लिए 3, करौली, गंगापुर, सवाईमाधोपुर, कोटा के लिए 6, करौली से धौलपुर के लिए 10, करौली से गंगापुर के लिए 1 एवं 6 रिजर्व रोडवेज वाहनों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि 22, 23 एवं 24 जुलाई को अन्य राज्यों में जाने वाली बसों का संचालन बंद रहेगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 23 व 24 जुलाई को हिण्डौन, करौली, मार्ग पर 15 निजी वाहन, नादौती, करौली मार्ग पर 3 निजी वाहन, सपोटरा करौली, मार्ग पर 4 निजी वाहन, टोडाभीम, करौली मार्ग पर 6 निजी वाहनों की व्यवस्था रहेगी। उक्त निजी वाहन प्रातः 5 बजे से सायं 5 बजे बाद संचालित रहेंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट: रिक्त पद को लेकर जिला कलेक्टर से जवाब तलब

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष पद दो माह से अधिक समय से रिक्त होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं करने तथा जोधपुर में राज्य आयोग की चल पीठ को दो सप्ताह की जगह नियमित करने और तीसरा जिला आयोग खोलने की मांग पर राज्य के खाद्य, आपूर्ति एवम उपभोक्ता मामलात के प्रमुख सचिव, केंद्रीय विधि एवं न्याय सचिव,राजस्थान उच्च न्यायालय व जिला कलक्टर को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूसिंह राठौड़ ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से जनहित याचिका दायर कर कहा कि गत 8 मई से राज्य उपभोक्ता आयोग का अध्यक्ष पद रिक्त होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, जबकि उपभोक्ता भर्ती नियम में रिक्त होने वाले पद की भर्ती प्रक्रिया 6 माह पूर्व से प्रारंभ कर नवंबर माह में ही प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया जाना था।

उन्होंने कहा कि जोधपुर में गत 1 जुलाई को राज्य आयोग के 912 प्रकरण लंबित होने के बावजूद यहां पर चल पीठ 2 सप्ताह ही न्यायिक कार्रवाई करती है जबकि जयपुर में 900 प्रकरण होने पर भी 3 पीठ कार्यरत है सो जोधपुर में चल पीठ को नियमित करने के अलावा एक और चल पीठ खोली जाएं,जिससे उपभोक्ताओं को जल्द राहत मिल सके। याचिका में मांग की गई है कि चल पीठ जोधपुर में स्टेनोग्राफर और लेखाधिकारी और जिला आयोग जोधपुर द्वितीय में स्टेनोग्राफर पद स्वीकृत कर और अन्य स्वीकृत पद पर कर्मचारियों की नियुक्तियां की जाएं। जनहित याचिका में मांग की गई है कि राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष 25 अगस्त को जारी वेतन अधिसूचना केंद्रीय सरकार द्वारा जारी 15 जुलाई 2020 की अधिसूचना के अनुरूप नहीं होने से राजस्थान राज्य आयोग और जिला आयोग के सदस्यों को अन्य राज्यों के मुकाबले आधा वेतन भी नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनकी कार्यक्षमता पर असर हो रहा है, सो राज्य की अधिसूचना को रद्द कर राज्य आयोग और जिला आयोग के सदस्य को क्रमशः अतिरिक्त सचिव और उप सचिव की न्यूनतम वेतन श्रंखला और अन्य भत्ते दिए जाएं।

यह भी कहा गया कि अधिवक्ता जो कि जिला न्यायाधीश बनने की योग्यता रखते है, उन्हें भर्ती नियम में संशोधन कर राज्य आयोग का न्यायिक सदस्य बनने के वास्ते योग्य घोषित किया जाएं। याचिका में कहा गया कि जोधपुर में जिला आयोग प्रथम और द्वितीय में क्रमशः 1200 और 1280 मामले लंबित होने से एक और जिला आयोग गठित किया जाएं और इसके वास्ते जिला कलक्टर कचहरी परिसर में जगह और भवन की व्यवस्था करें। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राज्य के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात विभाग के प्रमुख सचिव, केंद्रीय विधि एवं न्याय सचिव, राजस्थान उच्च न्यायालय और जिला कलक्टर को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब तलब किया है।

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंमं/2022-23/841 दिनांक - 21.07.2022

-: ई-निविदा सूचना 2022-23/01 :-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा श्रद्धालुओं हेतु सुरक्षित वाहन पार्किंग स्टेण्ड (सःशुल्क) संचालन कार्य एवं सम्पूर्ण मण्डफिया ग्राम की सफाई एवं कचरा संग्रहण कार्य एवं सी.सी. सड़कों के निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत संवेदकों से (06) ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं की सकल अनुमानित राशि 908.14 लाख है। निविदाएं दिनांक 23.07.2022 प्रातः 09:00 बजे दिनांक 01.08.2022 सायं 6:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। डिमाण्ड ड्राफ्ट दिनांक 02.08.2022 को अपरान्ह 03:00 बजे तक मण्डफिया कार्यालय में प्रस्तुत करने होंगे व तकनिकी निविदाएं दिनांक 03.08.2022 को 12:00 बजे खोली जावेगी। अन्य विस्तृत जानकारी http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

NIB NO.- SMM2223A0002

कड़ी सुरक्षा के बीच आज व कल होगी रीट परीक्षा

परीक्षा सुबह 10 से साढ़े 12 व दोपहर 3 से शाम साढ़े 5 बजे तक दो पारी में करवाई जायेगी

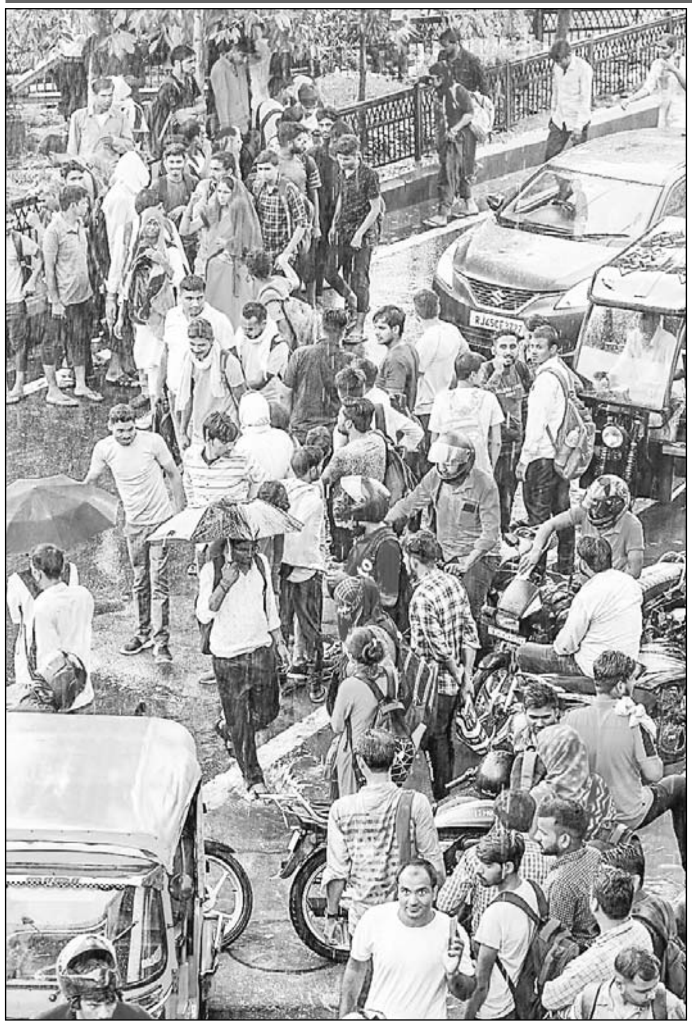

रीट परीक्षा से पहले शुक्रवार को राजधानी जयपुर में युवाओं का रैला उमड़ा। बारिश के कारण लोग एक दिन पहले ही परीक्षा केन्द्रों के नजदीक ठहरने का इंतजाम करते दिखे, ताकि सुबह तय समय पर पहुंच सके। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2022 प्रदेश में शनिवार-रविवार को दो-दो पारी में होगी। परीक्षा को लेकर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। पेपर स्ट्रांग रूम में पहुंचा दिए गए हैं, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा से कुछ देर पहले ही पेपर एक्जाम सेंटर पर पहुंचेंगे। ताकि किसी तरह की पेपर लीक जैसी घटना ना हो। परीक्षा पहली पारी में सुबह 10 से 12.30 और दूसरी पारी में दोपहर 3 से शाम 5.30 बजे तक होगी।

रीट परीक्षा में परीक्षार्थियों के साथ ही रेलवे, रोडवेज, जेसीटीएसएल और पुलिस-प्रशासन का भी कड़ा इम्तिहान होगा। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था से लेकर ट्रेफिक डायवर्जन तक का पूरा इंतजाम कर रखा है। इसके लिए जिलों में उपलब्ध पुलिस बल के अतिरिक्त रिजर्व जाब्ता भी लगाया गया है। उधर बारिश का मौसम

- **पुलिस-प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा से लेकर यातायात व्यवस्था तक का मास्टर प्लान बनाया**
- **बारिश के कारण जयपुर में एक दिन पहले ही उमड़ा परीक्षार्थियों का रैला**

देखते हुए परीक्षार्थी एक दिन पहले ही परीक्षा केन्द्रों के आसपास ठहरने का इंतजाम कर रहे है। शुक्रवार को शहर में जगह-जगह बसों में युवाओं का रैला दिखा।

अतिरिक्त महानिदेशक कानून-व्यवस्था हवा सिंह घुमरिया ने बताया कि 23 और 24 जुलाई को पूरे राजस्थान में रीट परीक्षा होगी। परीक्षार्थियों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग ने पूरी तरह से चाक-चौबंद व्यवस्था की है। यातायात सुगमता के लिये पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत सभी जगह पर पुलिस बल तैनात होगा। परीक्षा केन्द्रों की भी सुरक्षा पुख्ता की है।

एडीजी ने बताया कि इस परीक्षा से पूर्व सभी जिला पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर ने मीटिंग आयोजित कर परीक्षा के सफल आयोजम का प्लान उसी तरीके से बनाया गया है, जैसे चुनाव का प्लान बनाया जाता हैं। मोबाइल पार्टियों का गठन ओर परीक्षा केंद्रों के ऊपर 2 3 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था के काफी अच्छे इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान ना दें। कोई भी व्यक्ति किसी के बहकावे में आकर कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास ना करें, ना ही कानून को अपने हाथ में लेने का प्रयास करें। ऐसा किया गया तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

जयपुर में 2 दिन तक चालान नहीं काटेगी ट्रेफिक पुलिस : डीसीपी

जयपुर (कासं)। प्रदेश में 23 व 24 जुलाई को रीट में शामिल होने वाले युवाओं का रैला उमड़ेगा। इसे लेकर डीसीपी ट्रेफिक प्रहलाद सिंह कृष्णियां ने ट्रेफिक मैनेजमेंट को लेकर अधिकारियों की बैठक बुलाई।

उन्होंने कहा कि 2 दिन तक ट्रेफिक पुलिस किसी प्रकार का चालान न करके सिर्फ यातायात व्यवस्था पर ध्यान देगी। शहर में भारी वाहनों के आने और जाने पर रोक लगाई है। जयपुर में भारी ट्रैफिक न आए, इस के लिए ट्रैफिक को रिंग रोड की ओर डायवर्ट किया है। जयपुर शहर में बस से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए चार सेटेलाइट बस स्टैंड बनाए हैं। चारों दिशाओं के आने वाले परीक्षार्थियों को यहां पर ही छोड़ा जाएगा। आगरा व दिल्ली रोड पर जाने वाली बस का (रोटरी सर्किल टनल) से संचालित होगी। इस रुट की रोडवेज बस की पार्किंग रोडवेज डिपो झालाना रोटरी सर्किल पेट्रोल पम्प के पीछे एवं निजी बसों की पार्किंग आवश्यकतानुसार प्राईवेट बस स्टेण्ड बजरी मंडी तथा आगरा रोड पर होगी। जयपुर से टोंक रोड पर चलने वाली बसे तारों की कूंट एयरपोर्ट के पास टोंक रोड से संचालित होगी।

जयपुर में 219 परीक्षा केन्द्रों पर साढ़े तीन लाख से ज्यादा परीक्षार्थी पहुंचेंगे

कलेक्टर की हिदायत : परीक्षा केन्द्रों पर सभी कर्मचारी सरकारी हो, किसी भी निजी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिले

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने अफसरों की बैठक लेकर साफ हिदायत दी है कि रीट परीक्षा के दौरान कोई भी कार्मिक लापरवाही न बरते। परीक्षा केन्द्रों पर सभी अधिकारी व कार्मिक सरकारी ही होंगे। किसी भी निजी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाये।

कलक्टर ने बताया कि जयपुर में 219 परीक्षा केन्द्रों पर 3 लाख 50 हजार 713 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 219 परीक्षा केंद्रों में 73 सरकारी व 146 निजी शिक्षण संस्थान है। जिनमें 3 लाख 50 हजार 713 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। लेवल प्रथम में 72 हजार 553 और लेवल द्वितीय में 2 लाख 78 हजार 160 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने स्ट्रांग रूम, परीक्षा केन्द्र एवं ओएमआर संग्रहण केन्द्र को सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिये। परीक्षा केन्द्रों के सभी कक्षों की मॉनिटरिंग पुलिस अभय कमाण्ड सेन्टर से की जायेगी।

कलक्टर ने साफ कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर कार्यरत सभी अधिकारी व कार्मिक सरकारी होंगे। परीक्षा केंद्र पर किसी भी स्थिति में निजी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा कार्य में लगे हुए तमाम अधिकारी-कर्मचारियों के परिचय पत्र जिला नोडल अधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा जारी किए गये है। कलक्टर ने बताया कि 219 केन्द्राधीक्षक, 219 पेपर कॉर्डिनेटर, 71 फ्लाइंग कम ओएमआर कॉर्डिनेटर, 22 एरिया अधिकारी, 44 जोनल अधिकारी, 219 पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये है। वहीं कलक्ट्रेट के कमरा नम्बर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जिसका दूरभाष नम्बर 0141-2206699 है। नियंत्रण कक्ष के प्रथम पारी के प्रभारी अधिकारी निजी सहायक सुधीर पारीक होंगे, जिनके मो. नंबर. 8619675690) है। इसी तहर द्वितीय पारी के प्रभारी अधिकारी व्याख्याता उदय सिंह चारण है, इनसे 9664471991 पर संपर्क किया जा सकेगा।

रोडवेज ने जारी किया टोल फ्री नंबर

जयपुर (कासं)। रीट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुये बसों के संचालन के लिए रोडवेज प्रशासन ने चार अस्थाई बस स्टैण्ड बनाये है। 22 जुलाई को दोपहर 2 बजे से 25 जुलाई को 2 बजे तक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिये नियुक्त पारी प्रभारी/अधिकारी के मोबाईल नं. व टोल फ्री नं. जारी किये गये है। जिस पर परीक्षार्थियों को कोई समस्या हो तो सम्बन्धित अधिकारी से बात कर सकते है। जयपुर में अस्थाई बस स्टेण्ड, अजमेर रोड पर नारायण विहार बरदरवास तिराहा, ट्रांसपोर्ट नगर, विद्याधरनगर स्टेडियम और बी-2 बाईपास तारों की कूट पर बनाया है।

25 हजार रुपये पर नीयत बिगड़ी तो बदमाश ने युवक की जान ली

- **बैंक खाते से नकदी निकालते देखा था, सुनसान जगह ले जाकर पत्थर से सिर फोड़कर शव नाले में फेंका था**

जयपुर (कासं)। शहर के विश्वकर्मा इलाके में एक युवक ने 25 हजार रुपयों के लालच में परिचित की हत्या कर दी। सिर पर पत्थर से ताबड़तोड़ वार कर मारने के बाद शव नाले में फेंक दिया। गुमशुदगी दर्ज होने पर विश्वकर्मा थाना पुलिस तलाश में जुटी। आखिरी बार साथ देखे गए परिचित युवक से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो मर्डर का खुलासा हुआ। हत्यारे की निशानदेही पर पुलिस ने शुक्रवार सुबह शव बरामद कर लिया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है। हत्यारे ने रुपयों के लालच में 3 दिन पहले हत्या करना कबूल किया है।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि रोड नंबर-17 मुरलीपुरा निवासी सुभाष यादव (45) की हत्या की गई है। वह विश्वकर्मा इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। पास ही फैक्ट्री में विक्रांत (21) काम करता है। 19 जुलाई को सुभाष बैंक से रुपए निकालने गया था। विक्रांत भी उसके साथ बैंक गया था। सुभाष ने खाते से 25 हजार रुपए निकाले। नकदी देखकर विक्रांत को लालच आ गया। रुपयों को पाने के लिए सुभाष के मर्डर का प्लान बना डाला। शाम करीब 4 बजे बहाना बनाकर सुभाष को विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में सुनसान जगह ले गया। बातचीत के दौरान मौका मिलने पर सुभाष के सिर पर पत्थर से वार कर दिया। लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरने पर पत्थर से ताबड़तोड़ वार कर सुभाष की हत्या कर दी। सुभाष को मारने के बाद जेब में रखे 25 हजार रुपए निकाल लिए। शव को पास ही नाले में धक्का देकर फेंक दिया। शव ठिकाने लगाने के बाद वहां से फरार हो गया। सुभाष के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने तलाशना शुरू किया। काफी ढूंढने के बाद भी सुभाष का कोई पता नहीं लगा। 21 जुलाई को सुभाष के बेटे ने थाने जाकर पिता की गुमशुदगी दर्ज करवाई। लापता सुभाष की तलाश में जुटी पुलिस को पता चला कि आखिरी बार विक्रांत को सुभाष के साथ देखा गया था। गुरुवार रात थाने बुलाकर विक्रांत से पूछताछ की गई। शक होने पर सख्ती से पूछताछ करने पर विक्रांत ने सुभाष की हत्या करना कबूला। पुलिस टीम शुक्रवार सुबह आरोपी विक्रांत को लेकर विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया पहुंची। आरोपी विक्रांत के बताई जगह पर सुभाष का शव पड़ा मिला। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए। नाले से शव को बाहर निकलवाया गया। पिकअप में शव रखकर पोस्टमार्टम के लिए मॉच्यूरी भिजवाया गया। पुलिस ने वारदातस्थल से हत्या में यूज किया 10 किलो वजनी पत्थर भी बरामद कर लिया है।

सार-समाचार

औषधीय पौधों का वितरण किया

जयपुर । मुहाना इलाके में न्यू थॉट फाउंडेशन सोसाइटी की ओर से लक्ष्मी नारायण विहार स्थित ओंकारेश्वर मंदिर प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण और बीमारियों से बचाव के लिए औषधीय पौधे वितरित किए गए। इस दौरान संस्था की सचिव रुकमणी शर्मा ने बताया कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। पिछले दिनों कोविड के दौरान औषधीय पौधों का बड़ा महत्व रहा है। इनके उपयोग से रोगी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने लोगों से बारिश के मौसम में घरों और अपने आसपास औषधीय पौधे लगाने व इनकी देखरेख करने की अपील की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शीतल यादव, पूजा पांडेय, सीमा गुप्ता, अनामिका पाठक, एकता सिंह, आरती खंडेलवाल व मीनू जोशी सहित संस्था के कई सदस्य और अन्य लोग मौजूद रहे।

पीएफ-ग्रेच्युटी पूर्व की भांति देने की मांग

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मो.मुस्तफा ने कुलपति को पत्र लिखकर 30 अप्रैल व 31 मई 2022 को रिटायर्ड हुए कर्मचारियों से की गई रिकवरी राशि लौटाने, रिफिक्सेशन को निरस्त करने और 30 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पूर्व की भांति पी.एफ. व ग्रेच्युटी का भुगतान करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से सेवानिवृत्ति के दिन ही रिटायर्ड कार्मिक को पीएफ व ग्रेच्युटी भुगतान मिल रहा था, जो कि मार्च 2022 तक जारी रहा। इसके बाद 30 अप्रैल व 31 मई को सेवानिवृत्त हुए सहायक व अशैक्षणिक कर्मचारियों का रिफिक्सेशन किया गया, जिससे कर्मचारियों की भारी आर्थिक क्षति हुई है। रिफिक्सेशन कर उनसे 60 हजार रुपये से लेकर 4 लाख से भी ज्यादा की राशि रिकवर की गई है। कुलपति सचिवालय पर धरने के 39 वें दिन सिंडीकेड सदस्य व विधायक गोपाल मीणा, सदस्य प्रो. एस.एल. शर्मा व वित्त नियंत्रक की मौजूदगी में वार्ता हुई थी, जिसमें 7 दिन के भीतर मांगें पूरी करने का आश्वासन मिला था। इस बात को 17 दिन गुजर जाने के बावजूद भी अभी तक एक भी मांग पूरी नहीं हुई है।

'मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करें'

जयपुर । गौतम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, इंडियन साइकेट्रिक सोसायटी, मीडिया रिलेशन सब कमिटी, यंग साइकेट्रिक सब कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 22 जुलाई होटल गोल्डन टयूलिप में किया गया। कार्यक्रम में संजीव श्रीवास्तव (फॉर्मर इंडिया एडिटर बीबीसी वर्ल्ड सर्विस) मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि मनोचिकित्सकों को आगे आकर मीडिया में जनहित में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करनी चाहिए। कोलकाता से डॉक्टर गौतम ने युवा मनोचिकित्सकों को करियर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। मुंबई से डॉक्टर हिना ने प्रिंट मीडिया एवं डिजिटल मीडिया के बारे में परिचर्चा की। अजमेर से डॉक्टर मनीषा ने सीबीटी, औरंगाबाद से डॉक्टर दीपांजलि, डॉक्टर राज ने वर्कशॉप का आयोजन किया। इंडियन साइकेट्रिक सोसायटी के उपाध्यक्ष डॉ.विनय कुमार ने मीडिया एवं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात की। सेमिनार में अध्यक्ष आईपीएस डॉ. एन.राजू, सचिव आईपीएस डॉ.अरविंद ब्रह्मा, एडिटर आई पी एस डॉ.ओ. पी. सिंह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आई पी एस डॉ.शिव गौतम, डॉ.ऐम.एल.गाडा, डॉ.भावेश, डॉ. ध्रुव, डॉ. मिन्हाज जफ़र, डॉ. रूप सिडाना, डॉ.नवेन्दु उपस्थित रहे। संयोजक मनस्वी गौतम एवं डॉ. अनिता गौतम ने बताया कि इस सेमिनार में पूरे भारतवर्ष से 150 से अधिक मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक मौजूद थे।

प्लास्टिक दाना फैक्ट्री में भीषण आग

जयपुर (कासं)। प्लास्टिक दाने की फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। हरमाड़ा थाना पुलिस आग की सूचना पर मौके पर पहुंची। 9 दमकलों ने 6 फेरे लगाकर करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से फैक्ट्री में माल सहित करीब 2 करोड़ का नुकसान हुआ है। पुलिस ने हरमाड़ा निवासी गुलाब सिंह की नांगल पुरोहितान गांव में दिव्या एंटर प्राइजेज के नाम से प्लास्टिक दाने की फैक्ट्री है। सुबह करीब 4 बजे अचानक बंद फैक्ट्री से धुंआ उठने लगा। देखते ही देखते आग की भीषण लपटे उठने लगी। फैक्ट्री से आग की भीषण लपटों को उठता देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग की सूचना पर पुलिस और विश्वकर्मा फायर ब्रिगेड प्रभारी मनोज सिंह की टीम मौके पर पहुंची। 9 दमकलों की मदद से पुलिस ने आग पर काबू पाया। 9 दमकलों ने 6 फेरे लगाकर करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई। आग से फैक्ट्री में रखा करीब 100 टन प्लास्टिक दाने का माल, 7 मशीनें, 3 कम्प्यूटर, ट्रांसफार्मर और बाइक जलकर कबाड़ में बदल गई। फैक्ट्री मालिक ने माल समेत फैक्ट्री में करीब 2 करोड़ रुपए का नुकसान होना बताया है। पुलिस प्रथमदृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना मान रही है।

'बाल कुपोषण घटा, लेकिन सुधार की बहुत गुंजाइश'

जयपुर ।भोजन में पोषक तत्वों की कमी से देश में कुपोषण का शिकार हो रहे लोगों को राहत दिलाने का रास्ता है बायो फोर्टिफिकेशन। इसी विषय पर आज शहर में फिक्की, गेन, हार्वेस्ट प्लस, सिन्जेंटा फाउंडेशन इंडिया और एईजी फाउंडेशन के सहयोग से बायो-फोर्टिफिकेशन पर कार्यशाला हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव दिनेश कुमार यादव ने कहा कि आज देश में पोषण के क्षेत्र में और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। बाल कुपोषण 46 फीसदी से घटकर 26 फीसदी तक आया है लेकिन अब भी इसमें सुधार की बहुत गुंजाइश है। स्तनपान कराने वाली मांओं और छोटे बच्चों तक को फोर्टिफिकेशन के माध्यम से ऐसा फूड उपलब्ध कराया जा सकता है, ताकि वे स्वस्थ नागरिक के रूप में बढ़ सकें।

कॉमर्शियलाइजेशन आफ बायो फोर्टिफाइड क्रॉप्स के मुख्य अधिकारी इशांक गोरला ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के 75वें साल में देश विकासशील से विकसित देश की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है लेकिन आज भी हमारे सामने कुपोषण जैसे हेल्थ चैलेंज सामने खडे हैं।

15 ग्राम स्मैक के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने 15 ग्राम स्मैक और बिक्री की राशि 5700 रुपए के साथ तस्कर को दबोचा है। आरोपी एक महीने पहले ही जमानत पर रिहा होकर बाहर आया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटा रही हैं।

डीसीपी (अपराध) परिस देशमुख ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करों के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान चलाया जा रहा हैं। नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एडिशनल डीसीपी सुलेश चौधरी, थानाधिकारी खलील अहमद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर से सूचना मिलने के बाद आरोपी को दबोच लिया। आरोपी सुरेश बैरवा मूलतः झालाना ग्राम मालवीय नगर का रहने वाला है। जो जयपुर शहर के मालवीय नगर में चाय की थड़ी की आड़ में नवयुवकों को मादक पदार्थ स्मैक बेचता है। आरोपी स्मैक के टोकन बनाकर रखता है जो प्रति टोकन 300 रुपए में बेचता है। पुलिस पूछताछ में सामने

- **एक माह पहले ही जेल से जमानत पर रिहा हुआ था**
- **चाय की थड़ी की आड़ में युवाओं को 300 रुपये के टोकन पर बेचता था ड्रग्स**

आया कि आरोपी स्मैक का सप्लायर है। आरोपी के खिलाफ मालवीय नगर में दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी से अवैध मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायर और खरीददार के नेटवर्क के संबंध में जांच की जा रही हैं।

पुलिस पूछताछ में आरोपी सुरेश बैरवा ने बताया कि वह पहले भी अवैध मादक पदार्थ की तस्करी किया करता था। एक महीने पहले ही वह जमानत पर जेल से बाहर आया है। बाहर आते ही उसने स्मैक की सप्लाई शुरु कर दी। लेकिन पुलिस ने उसे कुछ दिन बाद ही पकड़ लिया। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि तस्करी में उसका कोई साथी तो नहीं हैं।

ठेकेदार से 17 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले पकड़े

जयपुर । राजधानी जयपुर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर की ओर से रोड कंस्ट्रक्शन कांट्रेक्टर को धमकी देकर 17 करोड़ की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में शिप्रा पथ थाना पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

थानाधिकारी महावीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुस्ताक खा, शंकर सिंह राठौड़, संदीप सिंह और शिवराज सिंह राठौड़ हैं। इस संबंध में वैशाली नगर में रहने वाले कांट्रेक्टर नरेंद्र शर्मा ने 11 मई को शिप्रा पथ थाने में मामला दर्ज कराया था कि विदेशी नंबरों से व्हाट्सएप कॉल के जरिए कॉल कर लॉरेंस गैंग के सदस्य रोहित गोदारा बीकानेर ने 17 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। रोहित ने 17 करोड़ रुपए मुस्ताक खा, शंकर सिंह, संदीप सिंह और शिवराज सिंह समेत अन्य बदमाशों को देने की बात कही। धमकी के बाद यह चारों बदमाश, परिवादी के मानसरोवर स्थित कार्यालय में पहुंचे और कर्मचारियों के साथ मारपीट कर तोड़फोड़ की थी।

बदमाश के फ्लैट से पिस्टल और चार कारतूस बरामद

जयपुर (कासं)। भांकरोटा पुलिस ने हत्या के प्रयास में गिरफ्तार किए बदमाश दिगपाल से पिस्टल और 4 कारतूस बरामद किए। जयपुर में हत्या के प्रयास में गिरफ्तार हुए बदमाश के फ्लैट की गुरुवार को तलाश ली गई। भांकरोटा पुलिस ने फ्लैट से एक पिस्टल और 4 कारतूस बरामद किए है।

सर्च में फ्लैट में अफीम मिलने पर चित्रकूट नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी ने अफीम यूज करने के साथ तस्करी करना कबूला है। पुलिस ने बताया कि हत्या के प्रयास में आरोपी दिगपाल उर्फ दीपू उर्फ दिपुडा (38) पुत्र योगेन्द्र सिंह निवासी झरेली पिलानी झुंझुनूं को भांकरोटा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर राजगढ़ चूरू निवासी देवेन्द्र सिंह पर जानलेवा किया था। करीब एक साल पहले शराब दुकान की बोली लगने की बात पर उसका देवेन्द्र सिंह से विवाद हो गया था। आरोपी दीपू के बार-बार जान से मारने की धमकी देने पर देवेन्द्र सिंह जयपुर में जयसिंहपुरा भांकरोटा आकर रहने लगा। 14 जुलाई को आरोपी दीपू ने अपने दोस्त महावीर,

- **हत्या के प्रयास में भांकरोटा थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था**

अंकित यादव, दिनेश बसावत और अमित राठौड़ उर्फ भाणंजा बढा के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया। हाथ में पिस्टल देकर उसके पीछे दौड़े। जान बचाकर देवेन्द्र के भागने पर लोहे के पाइपों से उसकी फॉरर्च्यून गाड़ी में तोड़फोड़ की। हत्या के प्रयास में गिरफ्तार आरोपी दिगपाल उर्फ दीपू से भांकरोटा पुलिस ने पूछताछ की। पूछताछ में अवैध पिस्टल उसके चित्रकूट नगर सेक्टर-5 स्थित फ्लैट में होना बताया। पुलिस टीम गुरुवार शाम उसे लेकर फ्लैट पर आई। अलमारी में काले रंग के बैग में रखी पिस्टल और 4 कारतूस मिले। पुलिस को तलाशी के दौरान बैग में अफीम भी रखी मिली। पूछताछ में अफीम को खुद यूज करना और तस्करी करना कबूला। सूचना पर पहुंची चित्रकूट नगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। बैग में मिली करीब 55 ग्राम अफीम जब्त की है।

बिल्डर का 'अवैध तहखाना' 24 घंटे में बंद करवाना था, एक महीना बीतने के बाद भी नहीं जागे अफसर

- **ग्रेटर निगम मुख्यालय के सामने बापू नगर में धड़ल्ले से बिना परमिशन हो रहा अवैध निर्माण, पडौसी महिला के मकान में दरारें आने के साथ नींव की मिट्टी भी धंसी**
- **खुद बिल्डिंग के चेयरमैन जितेन्द्र श्रीमाली भी मालवीय नगर उपायुक्त मुकेश मूण्ड पर अवैध निर्माणों को शह देने का आरोप लगा चुके, महापौर-कमिश्नर ने फिर भी नहीं की कार्यवाही**

जयपुर (कासं)। बापू नगर में सुखानी बिल्डर द्वारा 1114 वर्गमीटर जमीन पर बिना परमिशन बनाया जा रहा 'अवैध तहखाना' ग्रेटर निगम प्रशासन ने 22 जून को नोटिस देकर 24 घंटे में बंद करने को कहा था, लेकिन एक महीने का वक्त बीतने के बाद भी उपायुक्त मुकेश कुमार मूण्ड ने बिल्डर पर कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई। तहखाना खुदाई के कारण प्लॉट सी-33 निवासी महिला सुशीला राजवंशी के मकान में दरारें तो पहले ही आ गई थी, अब बारिश में उनके मकान की नींव की मिट्टी भी कटने लगी है। इससे उनके मकान को खतरा बढ़ गया है। पीड़िता पिछले 3 महीनों से ग्रेटर निगम कमिश्नर से लेकर मुख्यमंत्री के पोर्टल तक शिकायत कर चुकी है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

गत 12 जुलाई को खुद बिल्डिंग समिति के चेयरमैन जितेन्द्र श्रीमाली ने कमिश्नर महेन्द्र सोनी को नोटशीट लिखकर मालवीय नगर जोन क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माणों के पीछे उपायुक्त मुकेश कुमार मूण्ड की शह होने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपनी नोटशीट में सुखानी बिल्डर्स द्वारा ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय की बिल्डिंग के सामने बापू नगर में भूखंड संख्या एस.बी.-56 की 1114.80 वर्गमीटर जमीन पर बिना परमिशन 45 फीट का तहखाना खोदने का मुद्दा उठाते हुए इसे नगर निगम के लिए शर्मनाक बताया था। उन्होंने कहा कि बिल्डर ने पडौसी बुजुर्ग महिला का पूरा मकान डैमेज कर दिया, पीड़िता कई बार उपायुक्त के ऑफिस से लेकर कमिश्नर तक चक्कर काट चुकी है, इसके बावजूद उसकी सुनवाई नहीं होना शर्मनाक बात है। कमिश्नर से अपेक्षा है कि पूरे प्रकरण की जांच करके दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। मजेदार बात यह है कि बिल्डिंग समिति चेयरमैन जितेन्द्र श्रीमाली की नोटशीट को भी 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अफसरों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। सबसे ज्यादा ताज्जुब की बात है कि मानसून के दौरान तहखाना खुदाई के काम पर जिला कलेक्टर की रोक रहती है, उसके बावजूद बिल्डरों पर ग्रेटर निगम की यह मेहरबानी हैरतअंगेज है।

उधर सुखानी बिल्डर्स ने टोंक रोड पर लोहे का गेट लगाकर और उसके सामने ट्रक व जेसीबी मशीन खड़ी करके यहां धड़ल्ले से तहखाना निर्माण किया जा रहा है।

> **सुखानी बिल्डर्स द्वारा मानसून के दौरान लोगों की जान को खतरे में डालकर बापू नगर में बनाये जा रहे 45 फीट गहरे अवैध बेसमेंट की जानकारी होने के बावजूद ग्रेटर नगर निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं करना शर्मनाक बात है, इससे अफसरों व अवैध निर्माणकर्ताओं की मिलीभगत उजागर होती है। जो कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार की अफसरशाही का हावी होने का खुला उदाहरण है।**
>
> संजीव शर्मा, पूर्व पार्षद
> नगर निगम जयपुर

> **पार्षदों और आमजन से ग्रेटर निगम के अफसरों की मिलीभगत से अवैध निर्माण की शिकायतें लगातार मिल रही है। मैंने कमिश्नर महेन्द्र सोनी को नोटशीट लिखकर कार्रवाई के लिए कहा था। इसके बाद मालवीय नगर उपायुक्त मुकेश कुमार मूण्ड ने 7 दिन में सुखानी बिल्डर्स पर कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया था, अगर सोमवार-मंगलवार तक बिल्डर पर कार्रवाई नहीं की तो पुनः कमिश्नर को पत्र लिखूंगा।**
>
> जितेन्द्र श्रीमाली, चेयरमैन
> ग्रेटर नगर निगम जयपुर

Sprinkle Day

If there's anything, a child can tell you it's that no matter how bad life is, it can always be improved with the addition of sprinkles. These delightful confectionery decorations bring a bright splash of joy to whatever you put them on and they're most popularly added to cupcakes, cakes, and ice cream. It doesn't end there though sprinkles are used in all sorts of things all over the world and Sprinkles Day is all about learning about these variations and trying them out at home.

#MIND&BODY

Long-term Risk Of Stroke

The adverse effects of shift work can be long-lasting even after returning to a normal schedule, researchers report.

As most Americans wind down for bed, 15 million people are just clocking into work. These hospital workers, emergency responders, factory operators and others are among the 20% of the world's population who do shift work.

Their different sleep-wake cycle elevates their risk for numerous health disorders including diabetes, heart attacks, cancer and strokes.

"Shift work, especially rotating shift work, confuses our body clocks and that has important ramifications in terms of our health and well-being and connection to human disease," says David Earnest, professor in the neuroscience and experimental therapeutics department at the Texas A&M University College of Medicine.

"When our internal body clocks are synchronized properly, they coordinate all our biological processes to occur at the right time of day or night. When our body clocks are misaligned, whether through shift work or other disruptions, that provides for changes in physiology, biochemical processes and various behaviours."

A previous study from Earnest and colleagues found animal models on rotating shift work schedules had more severe stroke outcomes in terms of both brain damage and functional deficits than those on regular 24-hour cycles of day and night. Males were distinguished by worse outcomes in which mortality rates were much higher.

The new study published in Neurobiology of Sleep and Circadian Rhythms took a different approach. Rather than examining immediate effects of shift work on strokes, the researchers returned all subjects to regular 24-hour cycles and waited until their midlife equivalent when humans are most likely to experience a stroke-to evaluate stroke severity and outcomes.

"What was already born out in epidemiological studies is that most people only experience shift work for five to eight years and then presumably go back to normal work schedules," Earnest says. "We wanted to determine is that enough to erase any problems that these circadian rhythm disruptions have or do these effects carry over even after returning to normal work schedules?"

They found that the health impacts of shift work do persist over time. The sleep-wake cycles of subjects on shift work schedules never truly returned to normal even after subsequent exposure to a regular schedule.

Compared to controls maintained on a regular day-night cycle throughout the study, they displayed persistent alterations of their sleep-wake rhythms, with periods of abnormal activity when sleep would have normally occurred. When they suffered strokes their outcomes were again much worse than the control group. Females had more severe functional deficits and higher mortality than the males.

"The data from this study take on added health related significance especially in females because stroke is a risk factor for dementia and disproportionately affects older women," says Farida Sohrabji, professor in the neuroscience and experimental therapeutics department and director of the Women's Health in Neuroscience Program.

The researchers also observed increased levels of inflammatory mediators from the gut in subjects exposed to a shift work schedule. "We now think that part of the underlying mechanism for what we're seeing in terms of circadian rhythm disruption causing more severe strokes may involve altered interactions between the brain and gut," Earnest says.

The results of the study could eventually lead to the development of interventions that block adverse effects of disrupted circadian rhythms. In the meantime shift workers can improve care of their internal body clocks by trying to maintain a regular schedule as much as possible and avoiding a diet high in fat which can cause inflammation and also alter the timing of circadian rhythms.

This research has clear implications for shift workers, but it could extend to many other people who keep schedules that differ greatly from day to day.

"Because of the computer age many more of us are no longer working from nine to five. We take our work home and sometimes work late at night," Earnest says. "Even those of us who do work regular schedules have a tendency to stay up late on the weekends producing what is known as 'social jet lag' which similarly unwinds our body clocks so they no longer keep accurate time. All this can lead to the same effects on human health as shift work."

To avoid some of these health hazards Earnest says the best approach is to maintain a regular schedule of awake time, sleep time, and mealtimes that doesn't vary drastically from day to day. In addition avoid the usual cardiovascular risk behaviours like eating a high-fat diet, not getting enough physical activity, drinking too much alcohol and smoking.

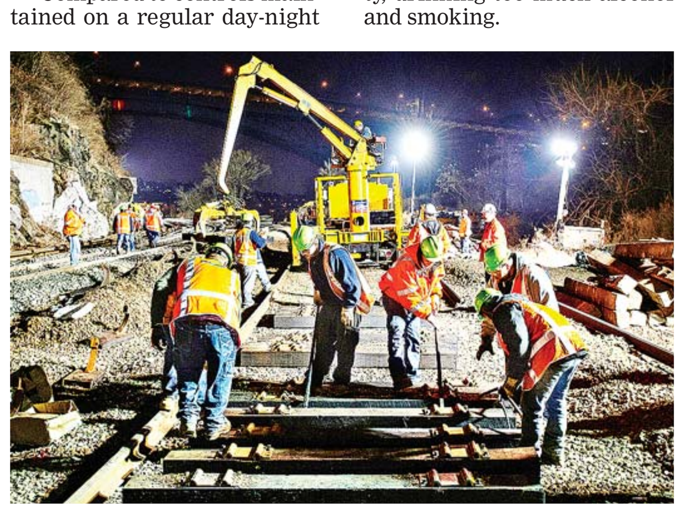

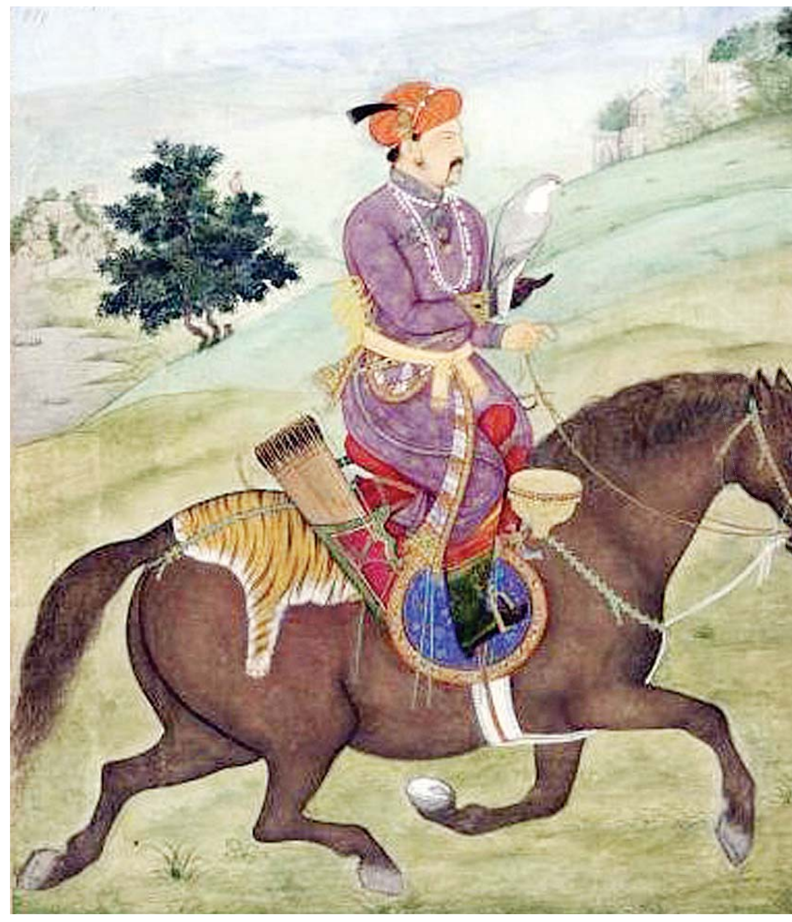

A Lion In The Durbar

Once someone told Jahangir that lion and tigers cannot change their true nature and will kill any human if given an opportunity. So Jahangir kept his home bred lions and tigers in his bedroom for many months and even in his Deewan-e-Khas and none tried to kill him. Another incident mentioned about Jahangir's pet love is about his pet lion. Once Jahangir was away from Agra for few days and when he came back one of his pet lion saw him and ran to meet his owner escaping clutches of caretakers into the Deewan-e-Aam. Soon chaos ensured as commoners and ministers alike were running helter shelter afraid of a huge lion running in Deewan-e-Aam during a crowded court time. Finally Jahangir had to get down from his Emperor's seat and calm the lion. Thus Jahangir and the courtiers had another royal company by their side through the days court proceedings as the lion refused to be coaxed back from Deewan-e-Aam leaving his owner and thus the proceedings were stopped to allow Jahangir to go back to his palace taking his lion along. It was common for Jahangir to take his pet lion/tiger for meetings with the ambassadors and other emperors.

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

Once someone told Jahangir that lion and tigers cannot change their true nature and will kill any human if given an opportunity. So Jahangir kept his home bred lions and tigers in his bedroom for many months and even in his Deewan-e-Khas none tried to kill him.

Another incident mentioned about Jahangir's pet love is about his pet lion. Once Jahangir was away from Agra for few days and when he came back one of his pet lion saw him and ran to meet his owner escaping clutches of care takers into the Deewan-e-Aam. Soon chaos ensured as the commoners and ministers alike were running helter shelter afraid of a huge lion running in Deewan-e-Aam during a crowded court time. Finally Jahangir had to get down from his Emperor's seat and calm the lion. Thus Jahangir and the courtiers had another royal company by their side through the day's court proceedings as the lion refused to be coaxed back from Deewan-e-Aam leaving his owner and the proceedings were stopped to allow Jahangir to go back to his palace taking his lion along with him.

It was common for Jahangir to take his pet lion/tiger for meetings with ambassadors and other emperors. But having a lion perched on emperor's seat next to its owner Jahangir in Deewan-e-Aam was an uncommon sight for Agra citizens and nobles. The Christian priests recorded this incident in their letters. Many Mughal paintings depict Jahangir with lion on stroll while meeting Persian ambassador etc.

Jahangir was a curious naturalist and had keen sense of observation. ***Jahangirnama is filled with observations about animals.***

> During a hunt he had spotted a deer and tried to kill it but accidentally killed his own favourite, Mansraj. The emperor becomes so sad that he ordered to bury deer in the ground where it died and build a tower called Hiran Minar. This is a very rare example of love towards wildlife in a time when the western world was not even familiar with such intentions.

#AKBARNAMA

On this day Salbahan arrived from Burhanpur and exhibited to my view my late brother Danyal's horses and elephants. One of the elephants he had brought was named Mast-i-Alast. I liked its looks, so I named it Nur Gaj. An amazing thing was witnessed in this elephant. Beside both ears were bumps the size of small watermelons and there was also a bump on the place where fluid drips out from elephants when they are in rut. The bump on its forehead was larger than has been seen in other elephants. I thought it looked very handsome and awe-inspiring.

He was a keen and expert hunter too as noted in Jaghangirnama

On Monday the fourteenth [February 20], while on the road, it was heard that two lions were menacing travellers between Panipat and Karnal, I got my elephants together and set out. When I reached the place they had been spotted, I got on a female elephant and ordered the other elephants to encircle the lions as a qamargha. By God's grace I shot them both and eliminated the evil of these two which had blocked the people's way.

This is what he wrote about his pet turkey that he got as gift

Although His Majesty Firdaws-Makani [Babur] wrote in his memoirs of the shapes and forms of some animals, apparently he did not order the artists to depict them. Since these animals looked so extremely strange to me, I both wrote of them and ordered the artists to draw their likenesses for me, the Jabanginuvna so that the astonishment one has at hearing of them would increase by seeing them in form. One of the animals was larger in body than a peahen and significantly smaller than a peacock. Sometimes when it displays itself during mating it spreads its tail and its other feathers like a peacock and dances. Its beak and legs are like a rooster's. Its head, neck, and wattle constantly change colour. When it is mating they are as red as can be - you'd think it had all been set with coral. After a while these same places become white and look like cotton.

Sometimes they look turquoise. It keeps changing colour like a chameleon. The piece of flesh it has on its head resembles a cock's comb. The strange part about it is that when it is mating, the piece of flesh hangs down a span from its head like an elephant's trunk but then when it pulls it up, it stands erect a distance of two fingers like a rhinoceros' horn. The area around its eyes is always turquoise coloured and never changes. Its feathers appear to be of different colours, unlike a peacock's feathers.

He even made his elephant caretaker a Raja; quote from Jahangirnama

Kishan Das, the overseer of the elephant department and stable who had held the two offices since His Majesty Arsh-Ashyani's time, and who had been hoping for a long, long time to be made a raja, was awarded the title of raja and given a rank.

Jahangir's elephants bitten by mad dog; quote from Jahangirnama

I knew that any animal bitten by a mad dog would certainly die but until now it wasn't known to be true of elephants. One night during my reign however a mad dog got into the area in which one of my personal elephants, Kachhi by name, was tied and bit the leg of the female elephant that was my elephant's companion. The female elephant immediately roared and the elephant keeper came running to drove the dog away into a thorn brake in the vicinity. A little later it came back, went to my elephant, and bit it again on the leg. The elephant stepped on the dog and killed it. One cloudy day a month and five days later, a clap of thunder hit the female's ear while it was grazing. All at once it bellowed, its limbs began to tremble and it threw itself on the ground. It got up again but it drooled for seven days until suddenly it bellowed in distress. No treatment, the elephant keepers tried, did any good. On the seventh day it fell down dead. One month after the female elephant's death they were taking the male to the fields by the river bank, and it was cloudy and thundering again. In a rage the elephant began trembling and sat down on the ground. The keepers brought it home showing every sort of kindness and concern, but after the same period of time and in the same way the female had died this one died too. Such an occurrence was astonishing. It is truly amazing that an animal with a body so large and big could be affected so by a wound inflicted by an animal so small.

Jahangir loved being with his pet animals when they gave birth to baby animals and observed it closely

On the eve of Sunday the eleventh of Tir [circa June 22], a female elephant from my personal stable gave birth in my presence. I had repeatedly ordered investigation made into the length of an elephant's gestation. Finally, it was learned that a female was in the mother's womb for one year and six months, while a male was there for nineteen months. In contrast to human babies which usually come from the mother's womb head first, an elephant calf usually comes out feet first. When the calf was separated from the mother, the mother kicked dust on it with her feet and began to show love and reassure it. The calf remained down for an instant and then it got up and went for the mother's udders.

Jahangir's tribute to his pet a tomb to rival Taj Mahal in middle of the river in Lahore

Hiran Minar was built at the site of a game reserve in honour of Mughal Emperor Jahangir's pet antelope, due to his fondness of nature and relationship between human's pets and hunting. Therefore, Hiran Minar was built during the reign of the Mughal Emperor Jahangir in a hunting reserve used by the Mughal royals. During the region of Emperor Salim from 1605 to 1627, Sheikhupura had the status of a royal hunting ground. The minaret itself was built in 1606 as a monument to Emperor Jahangir's beloved pet antelope, Mansiraj or 'Light of the Mind'. Who had been trained to lure wild animals to the tank in order to be hunted? The practice of building such tomb-markers over the skulls of game animals is an ancient Persian custom. Mughal Emperor Jahangir ordered a tower and a grave to be made for his deer, Mansraj. During a hunt he had spotted a deer and tried to kill it but accidentally killed his own favourite, Mansraj. The emperor becomes so sad that he ordered to bury deer in the ground where it died and build a tower called Hiran Minar. This is a very rare example of love towards a pet, a gesture of love towards wildlife in a time when the western world was not even familiar with such intentions.

writetoarbit@rashtradoot.com

Jahangir & Abbas I.

Hiran Minar near Lahore.

#LIFESTYLE

Pretty Fluffy

That's right, doggy raincoats can be both practical and stylish.

A little rain in the forecast doesn't mean you have to postpone your pup's walk, at least not if you have the right doggy raincoat for the occasion. And when it's time to upgrade your dog's raincoat keep in mind the two F's: Is it functional? (In other words, will it help keep your dog from turning your home into a water park?) And is it fashionable? (Because why wouldn't you want your pup to look as good as you do?)

That's right, doggy raincoats can be both practical and stylish. And this year fashion trends are as exciting as ever embracing bright, bold hues and celebrating the return of some of our favourite nostalgic prints.

So without further ado, ahead are the best raincoats for dogs that'll not only keep your best friend dry but also help your pup show off the latest in dog and pet parent fashion.

Summer Stripes

One of the biggest style trends of the year is Stripes! According to Vogue, stripes was predicted to capture the attention of fashion forward folks this spring and monsoon. A classic print with ties to the '90s, stripes are having a serious moment this year. Have some fun with the design this summer by mixing and matching with different prints and various colours.

Transparent Raincoat

If you want to go for a transparent raincoat for dogs here is an affordable choice that you can consider for your pet. This raincoat is made of polyester and has a webbed pattern to ensure proper fitting for your pet. The poncho design of this raincoat makes it easy to put on your pet. So you will not have a hard time convincing your beloved pet to wear a raincoat.

Make the next wet walk around the neighbourhood or park a dry and stylish one with the perfect doggy raincoat, whether it boasts a classic, nostalgic print or embraces one of spring and summer's edgiest fashion trends. But remember, your dog's comfort comes first, so when it comes time to finally making the purchase make sure your dog loves it as much as you do.

Cut-out Culture

Peekaboo! No, we're not referring to the game you might play with your puppy when they're feeling particularly restless. This spring it's all about cut-outs seen in everything from swimwear to dresses. But it isn't just the pet parents who can rock this daring trend. Dogs can too and we found just the doggy raincoat that embraces the style.

Double Layered Water Proof Rain Gear

This double-layered raincoat can be fastened on your pet with the help of a buckle and velcro straps to prevent the fur from getting wet. The raincoat is harnessed or leash-friendly making it apt for walk sessions. You can choose from different colours and multiple sizes allowing you to shop the one that is apt for your pet dog.

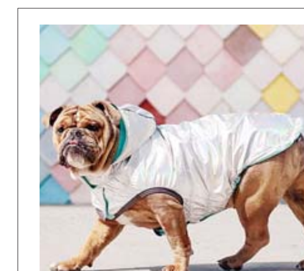

Splish-Splashing in White

White might always be in rotation over the summer months for many of us but this particular summer you're bound to see more of it especially in the form of a white tank. Plus Pantone included a shade of white to their Spring/Monsoon 2022 colours: Snow White. The hue is described as a 'clean and pure white'.

Colours for Spring/Monsoon 2022 bring together our competing desires for comforting familiarity and joyful adventure through a range of soothing and timeless colours, along with joyous hues that celebrate playfulness.

Big, Bold Hues

This year, let your dog go big with bold hues, another spring/monsoon trend. And when we say 'big, bold hues', we mean the brightest, most eye-catching colours possible, from summery tangerine, sun-bright yellow and hot, hot pink to saturated sky blue and, a personal favourite, chartreuse.

THE WALL

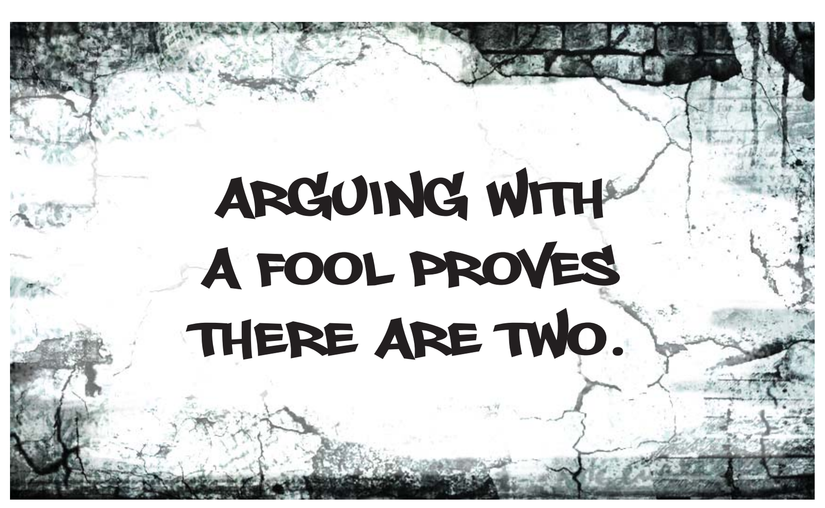

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

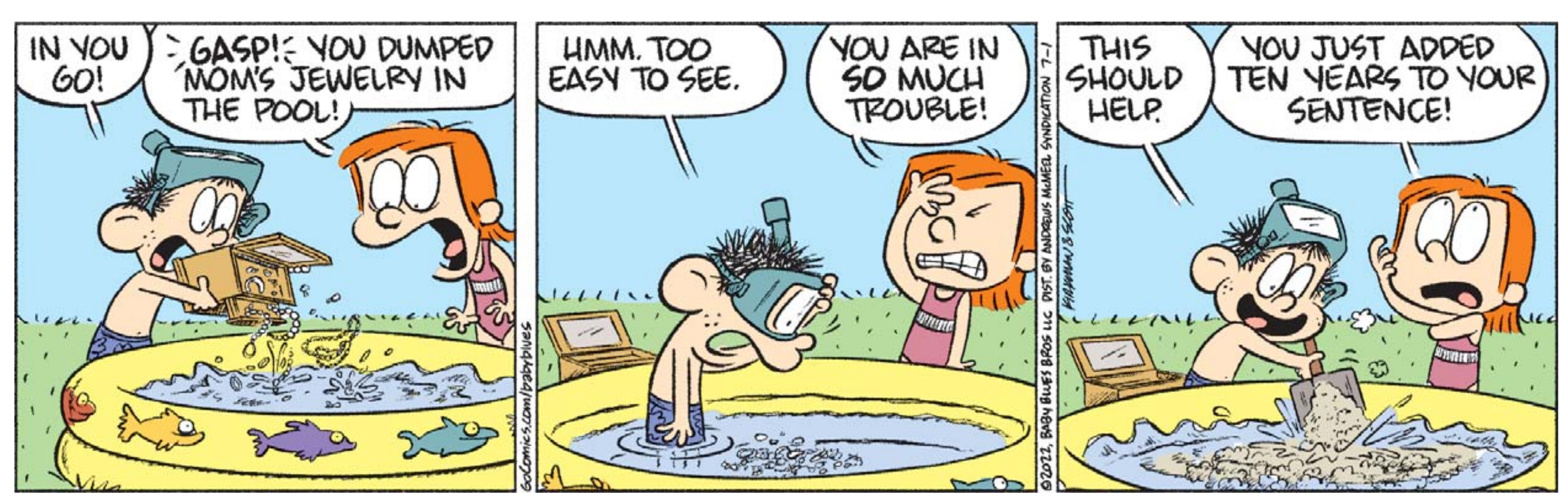

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

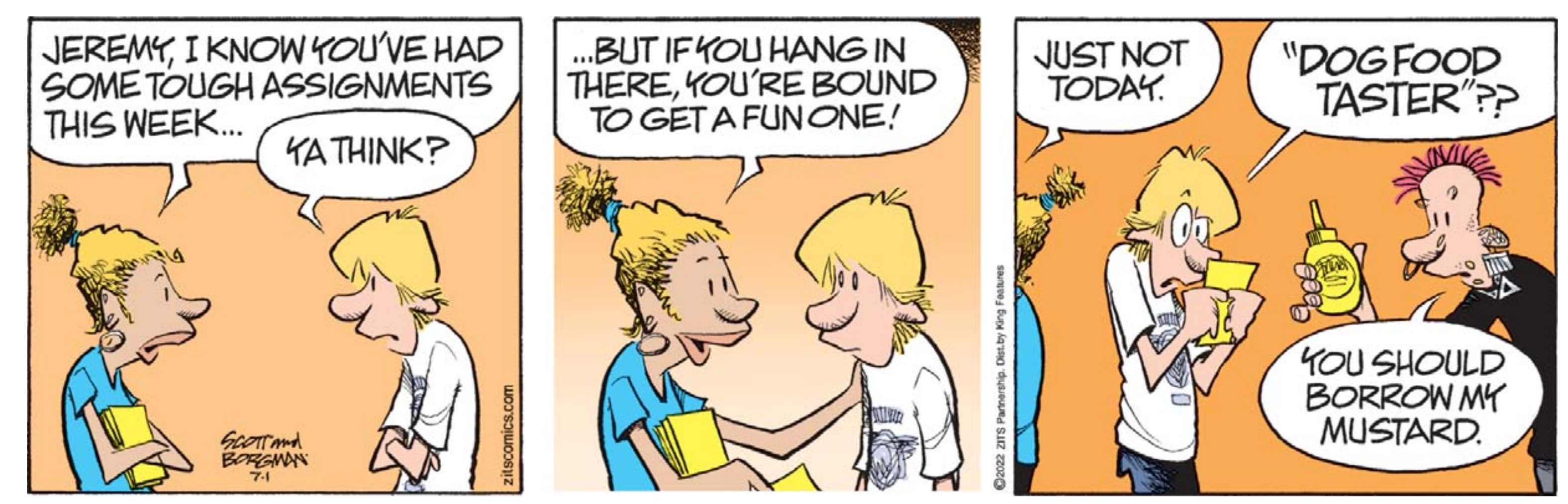

भाजपा का मिशन 2023 के लिए निकाली जा रही है वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा

यात्रा के समापन के बाद पूनिया राष्ट्रपति मुर्मू का देखेंगे लाइव शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर। प्रदेश भाजपा अब चुनावी मोड में आ गई है, इसके लिए प्रदेश में सियासी यात्राओं का दौर भी शुरू हो गया है। अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा निकालेंगे। इस यात्रा के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निर्वाचन के लिए आभार जताया जाएगा, लेकिन फोकस में मिशन 2023 ही होगा। यही कारण है कि इससे पूनिया विरोधी खेमे के नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया यात्रा की शुरुआत 24 जुलाई को सुबह बांसवाड़ा में मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन के साथ शुरू करेंगे। वहीं 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे यह पदयात्रा बेणेश्वर धाम डूंगरपुर पहुंचकर समाप्त होगी। यहां पर जनजाति समाज के लोगों के साथ पूनिया राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह को लाइव देखेंगे। पदयात्रा के दौरान करीब 41 किलोमीटर की पैदल यात्रा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पूनियां आदिवासी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मे रहकर निकलेंगे। दो दिवसीय वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा के दौरान डॉ. पूनियां जनजाति समाज के लोगों के साथ संवाद करेंगे, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जनजाति समाज के लिए चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा करेंगे। इस दौरान जनजाति समाज द्वारा आदिवासी संस्कृति, ढोल नगाडों के साथ विभिन्न स्थानों पर स्वागत एवं अभिनंदन के कार्यक्रम रखे गए हैं।

■ **दो दिनों की यात्रा में 41 किमी निकालेंगे यात्रा, यात्रा त्रिपुरा सुंदरी से वैणेश्वर धाम तक होगी**

वही भाजपा प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पहले भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने 550 किलोमीटर की यात्रा 1998 में जब भी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तब निकाली थी। तब तारागढ़ से लोहागढ़ तक यात्रा निकाली थी। द्रोपति मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर आदिवासी समाज में एक कुर्सी है इसके लिए आदिवासी समाज यात्रा निकाल रहा है। शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में 2 और ज्यादा मिले हैं कांग्रेस के खेमे से क्रॉसवोटिग हुई है। शर्मा ने कहा कि भाजपा हर वक्त चुनाव के लिए तैयार रहती है विपक्ष में रहते हुए भी भाजपा ने नगर निकाय पंचायतों में अपनी जीत हासिल की है। वही इससे पहले डॉ. पूनियां 23 जुलाई को दोपहर 1 बजे उदयपुर में सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यसमिति कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

गौरतलब है कि भाजपा के नेता अब सियासी यात्राओं में जुट गए हैं। अब तक पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की यात्राएं चर्चाओं में रहती थीं, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में पूनिया की जनजाति गौरव पदयात्रा इन दिनों चर्चाओं में है। चर्चा यह भी है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जिस तरह प्रदेश के अलग-अलग जिलों और संभागों में पूर्व में यात्रा निकाल चुकी हैं, अब उसी के काउंटर में कुछ नेता इस पदयात्रा को देख रहे हैं, हालांकि पूनिया समर्थक नेता इस पदयात्रा को किसी अन्य नेता की यात्रा का काउंटर मानने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के नाते प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर यात्राएं कर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी पूनिया की ही है और वो इस काम को बखूबी कर रहे हैं। वहीं मुर्मू के राष्ट्रपति पद पर निर्वाचन का सियासी मैसेज भी जनजाति क्षेत्रों में पहुंचकर आम आदिवासी तक पहुंचाना भी जरूरी है। इसी कड़ी में इस पदयात्रा को देखा जाना चाहिए। यहां आपको बता दें कि पूनिया लगातार प्रदेश के विभिन्न जिलों और संभागों में संगठनात्मक कार्यक्रम के लिहाज से लगातार दौरे कर रहे हैं और पूनिया के इन्हीं दौरों को लेकर इन दिनों सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म भी है।

केसरपुरा गांव में क्वाट्र्ज पत्थर के अवैध खनन पर कार्रवाई

डंपर, पोकलेन जब्त, 3 लोगों को हिरासत में लिया

प्रशासन ने केसरपुरा गांव में दबिश देकर अवैध खनन से भरा डम्पर जब्त किया।

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिला प्रशासन व खनिज विभाग की टीम ने अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी। खनिज विभाग ने 5 थानों की पुलिस के साथ मिलकर केसरपुरा गांव में दबिश देकर क्वाट्र्ज पत्थर के अवैध खनन पर कार्रवाई की है।

टीम ने मौके से एक डम्पर व एक पोकलेन मशीन को जब्त करने के साथ लौटते समय एक चुनाई पत्थर से भरे डम्पर को जब्त किया। 3 लोगों को हिरासत में लिया है। कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव व एसपी राशि डोगरा ने निर्देश पर खनिज विभाग ने 5 थानों की टीम के साथ सागवाडा थाना क्षेत्र के केसरपुरा गांव में गुरुवार रात दबिश दी। इस दौरान खनिज विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने क्वाट्र्ज पत्थर के अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने मौके पर क्वाट्र्ज पत्थर का अवैध खनन करते हुए एक पोकलेन मशीन व एक डम्पर को जब्त किया। वहीं दो लोगों को हिरासत में लिया। कार्रवाई के बाद जब टीम लौट रही थी तो रास्ते में चुनाई पत्थर से भरा डम्पर भी मिला, जिसे भी टीम ने जब्त करते हुए चालक को हिरासत में लिया है।

■ **5 थानों की पुलिस के साथ माइनिंग विभाग की कार्रवाई**

कार्रवाई के बाद खनिज विभाग व पुलिस विभाग की टीम ने 2 डम्पर व एक पोकलेन मशीन को सरोदा पुलिस चौकी में रखवाया है। डूंगरपुर खनिज विभाग के एमई दिलीप सुथार ने बताया कि खनिज विभाग जुर्माना वसूलने की कार्रवाई करेगा। साथ ही कौन लोग इस अवैध खनन को करवा रहे थे उन लोगो के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी।

दसवीं बार फिर टूटे कटकेश्वर महादेव मंदिर के ताले

आसपुर क्षेत्र के कतिसौर स्थित कटकेश्वर महादेव में चोरी के बाद पुजारी ने जानकारी दी।

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर पुलिस थाना क्षेत्र के कतिसौर कस्बे में स्थित कटकेश्वर महादेव मंदिर के दसवीं बार शुक्रवार फिर ताले टूटे, लेकिन इस बार दानपेटी के ताले नहीं टूटने से चोरी को अंजाम नहीं दे सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ताले टूटने की सूचना सवेरे 5 बजे हुई। जब पुजारी मणिलाल उपाध्याय पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचा तो मंदिर प्रवेश के तीन दरवाजों के ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाकर देखा तो दो दान पेटी के ताले तोड़ने की कोशिश की लेकिन ताले नहीं टूट सके। जिस से बडी चोरी को अंजाम नहीं दे सके, लेकिन अंदर सामान बिखेर दिया। बाद इस पर पुजारी ने मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गट्टूसिंह चौहान को जानकारी दी, लेकिन इस बार चोर दानपेटी के ताले नहीं टूटने से बडी चोरी को अंजाम नहीं दे सके। अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में भी कई बार चोरी भी हो चुकी है, लेकिन एक भी बार चोरों को नहीं ढूंढ पाई है। कार्यवाही नहीं होने के कारण करीब 3 बार हमने मामला भी दर्ज नहीं करवाया है। इधर बार-बार कटकेश्वर महादेव मंदिर के ताले टूटने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। जानकारी पर ईश्वर लाल पंचाल, महेंद्र जैन, शिव सिंह कुंडलियां, गमिरसिंह, लक्ष्मणसिंह चौहान सहित कई लोग मंदिर पहुंचे।

■ **चोरों को अभी तक नहीं खोज पाई पुलिस**

15 वर्ष पूर्व हुई साधु की हत्या का राज भी नहीं खुल पाया कटकेश्वर महादेव मंदिर में 15 वर्ष पूर्व मंदिर के महंत अर्जुनगिरी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। जिसको लेकर मामला भी दर्ज हुआ। जिसे लेकर डीआईजी सहित आला अधिकारी मौके पर भी पहुंचे थे। कार्यवाही का आश्वासन भी दिया था लेकिन अब तक यह हत्या राज ही बना हुआ है।

लूट का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने जेवरात लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 18 जुलाई 2022 को पीड़िता आरएसीबी कॉलोनी,पॉवर हाउस, देबारी, प्रतापनगर निवासी चन्दा पत्नी नाथु रावत ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि सांय गुडली निवासी नवलराम पुत्र हेमा घर आया। जिसने मुझसे उधार एक लाख रूपये मांगे। इनकार करने पर मेरे गले में पहना सोने का मादलिया चुरा ले गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह के नेतृत्व में एएसआई पर्वतसिंह, हेड कांस्टेबल गोविन्दसिंह, कांस्टैबल नवलराम मय टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी नवलराम पुत्र हेमा को गिरफ्तार किया।

पथराव व फायरिंग में युवक घायल

हिण्डौन सिटी, (कासं)। शहर के बयान या पाड़ा में गत दिवस देर रात एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच आपसी कहासुनी के बाद पथराव हो गया और फायरिंग भी हो गई। जिसमें एक युवक घायल हो गए। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराए गया। शहर के बयानिया पाड़ा में एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच आपसी कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के लोगों ने एक दूसरे पर पत्थर एक कांच की बोतल में फेंकी। आरोप लगाया जा रहा है कि इस दौरान एक पक्ष की ओर से फायरिंग भी की गई । जिसमें दूसरे पक्ष का एक युवक सकरूद्दीन घायल हो गया। घायल युवक को परिजनों ने राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया। इधर सूचना के बाद कोतवाली थाना पुलिस तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर दोनों पक्षों के लोग तितर-बितर हो गए।

'अवैध खनन को रोकने के लिये स्वयं को आग लगानी पड़े तो मैं करूंगा'

■ **अवैध खनन को लेकर विधायक भरत सिंह ने फिर लिखा मुख्यमंत्री को पत्र**

■ **भाया ने दावा किया कि मेरे कार्यकाल में सारसन में कोई भी अवैध खनन नहीं हुआ**

जयपुर, (का.प्र.)। भरतपुर के पहाड़ी इलाकों में अवैध खनन को लेकर साधु-संत आंदोलन के बीच एक साधु के आत्मदाह का प्रयास के बाद सरकार ने त्वरित एक्शन लेते हुए अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। दूसरी ओर हमेशा की तरह कोटा जिले के सांगोद विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भरत सिंह ने फिर पत्र लिखकर चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने अवैध खनन का मुद्दा उठाते हुए इसके लिए प्रदेश के खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया को जिम्मेदार बताया है।

भरत सिंह ने पत्र में मंत्री भाया पर आरोप लगाते हुए उन्हें सबसे बड़ा खनन माफिया भी कहा है। भरत सिंह पहले भी कई बार इस तरह के पत्र मुख्यमंत्री को लिख चुके हैं। विधायक भरत सिंह ने पत्र में लिखा है कि अवैध खनन का सीधा संबंध गुंडागर्दी से है। शासन के संरक्षण के बिना यह संभव नहीं हो सकता है। साधु के आत्महत्या के प्रयास के बाद आपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिला कलेक्टर व प्रशासन ने खनन माफिया को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के खनिज मंत्री प्रमोद जैन भाया भी मौजूद थे। विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा है कि प्रदेश के सबसे बड़े खनन माफिया खनिज मंत्री ही हैं। इन्होंने अवैध खनन में अपने गृह जिले बारां में ही रिकॉर्ड कायम किया है। बारां में छांट कर सभी भ्रष्ट अधिकारी कलेक्टर, मंडल वन अधिकारी और अन्य उच्च पदों पर नियुक्त किए जाते हैं। जंगल, जमीन, नदी व नालों पर अवैध खनन करवाकर भ्रष्टाचार किया गया है। बारां में अवैध खनन के कारण कई लोग जान गंवा चुके हैं। उन्होंने सीएम को यह भी लिखा है कि इसके पहले सोरसन और गोडावण संरक्षण को लेकर भी पत्र लिख चुका हूं। अवैध खनन को रोकने का एकमात्र मार्ग अगर भरतपुर के साधु वाला ही है, तो मुझे इस कारगर मार्ग पर चलकर आप तक बात पहुंचानी न पड़े तो बेहतर होगा।

वहीं कांग्रेस विधायक भरत सिंह की ओर से लगातार खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए भाया ने कहा है कि बहस का विषय यह नहीं है की हमारी पार्टी के सीनियर सांगोद विधायक भरतसिंह द्वारा मुझ पर आरोप लगाए गए। वह तो हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, जिनकी बात या आपत्ति का बुरा नहीं मानना सीख लिया। बड़ी उल्लेखनीय बात यह है कि प्रदेश भर में अवैध खनन से लेकर अन्य समस्त कोर गतिविधियों सहित राजस्व वसूली में हमारी सरकार ने आलोच्य कार्यकाल में जो प्रतिमान स्थापित कर दिए, वैसा पिछली भाजपा सरकार से नहीं हो सका और तभी तो भारत सरकार ने हमारे खनिज विभाग को राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा, जिससे हमारे मुख्यमंत्री को मिल रही अनुमोदना तथा बधाईयों से विपक्ष बौखला गया।

तीन शराब तस्कर गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान आज सुबह शराब से भरा कंटेनर पकडा। आरोपी बिजली सामान की आड़ में शराब भरकर लेकर जा रहे थे। कंटेनर और कार को जब्त कर 3 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पाली एसपी डॉ. गगनदीप सिंगला ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार सुबह हेमावास तिराहे पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान सोजत की तरफ से आ रहे कंटेनर को रोका था। पूछताछ में ड्राइवर ने बिजली का सामान होने की बात कही थी। उसने बिल्टी भी दिखा दी। पुलिस ने कंटेनर की सील तोड़कर देखा तो चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब के 1055 कार्टन मिले। कंटेनर ड्राइवर जम्मू कश्मीर के सुचेतगढ़ (आरएसपुरा) के रहने वाले 50 साल के दलबीर सिंह पुत्र राज सिंह जट सिक्ख, स्कोर्टिंग कर रहे जम्मू कश्मीर के डेरा बाबा बंदा काजली रियासी (उधमपुर) निवासी 29 साल के रणजीत सिंह पुत्र सन्दोक सिंह राजपूत और हरियाणा के बड़ी रसोर नारायणगढ़ (अम्बाला) निवासी 22 साल के हरवेन्द्र सिंह पुत्र रघुवीर सिंह जट सिक्ख को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से शराब से भरा कंटेनर और कार जब्त की।

कन्हैयालाल के बेटों ने जॉइन की नौकरी

उदयपुर, (कासं)। नृशंस हत्याकांड में दिवंगत कन्हैयालाल साहू के दोनों पुत्रो ने शुक्रवार को यहाँ कलेक्ट्रेट में सरकारी नौकरी जॉइन कर ली है। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित कन्हैयालाल साहू हत्याकांड के मामले में राज्य सरकार ने तुरंत निर्णय लेकर मंत्रिमंडल की बैठक में भर्ती को लेकर कन्हैयालाल के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया था तथा इसके लिए नियमो में भी शिथिलता दी गई थी। दिवंगत कन्हैयालाल दोनों पुत्रों को कनिष्ठ सहायक के पद पर नौकरी दी गई।

36 घंटे बाद भी नहीं निकला शव

बहरोड़/अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बहरोड तहसील के नारनौल रोड पर स्थित जखराना गांव के कुएं में 19 जुलाई को 180 फिट नीचे कुएं के अन्दर जिसकी चौडाई लगभग 10 से 12 इंची होल में गिरे व्यक्ति के शव को निकालने में बहरोड पुलिस तथा प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया।

इसकी वजह से दूसरे दिन 22 जुलाई को फिर से उच्च स्तरीय अधिकारियों को मामले को गंभीरता से नहीं लेते हुए अवगत नहीं कराया तथा बहरोड उपखंड अधिकारी सचिन यादव व वृताधिकारी आनन्द राव तथा एसडीआरएफ की टीम की मौजूदगी में शव को निकालने के लिए क्षेत्र के स्थानीय संसाधनों के जुगाडों के माध्यम से कैमरे, बैटरी तथा स्पेशल हुक रूपी जुगाडों के माध्यम से प्रशासन व स्थानीय लोगों की मदद से शव को निकालने के प्रयास करने के दौरान कुएं के बोरवेल में कैमरे की सहायता से फंसा शव दिखाई देने के बाद लोरिंग मशीन से पाइप व रस्सी व कैमरा डालकर शव निकालने के प्रयास में शव के हाथ पैर में कुंदा सही जगह नहीं फंसने की वजह से सारे प्रयास असफल साबित हुए।

मूसेवाला जैसा हाल करने की धमकी मिलने पर युवक पहुंचा थाने

जैसलमेर, (नि.सं.)। नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर जैसलमेर के बीजेपी आईटी सेल के नीरज को करीब एक महीन पहले धमकी मिली थी। इंटरनेशनल नंबरों से जान से मारने की धमकी के बाद अब तक पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है। युवक की सुरक्षा में एक सुरक्षा गार्ड भी लगाया गया है।

आईटी सेल के नीरज आचार्य ने बताया कि उसने 12 जून को नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट की थी। 13 जून को उसके पास इंटरनेशनल नंबर से व्हाट्सऐप पर एक धमकी भरा मैसेज आया। अंजान शख्स ने धमकी दी कि, उसका हाल भी सिद्धू मुसेवाला जैसा करेंगे।

नीरज ने उन दिनों मैसेज को तवजो नही दिया। मगर 28 जून को उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के बाद वह डर गया और 29 जून को ही मामला दर्ज करवाया।

नीरज आचार्य ने बताया कि जब 28 जून को कन्हैया लाल की हत्या हुई तब उसने अंजान नंबरों से जान से मारने की धमकी का मामला सदर थाने में करवाया। पुलिस ने उदयपुर जैसी घटना न हो इसलिए मेरे साथ एक कॉन्स्टेबल लगा दिया। उस दिन से लेकर अब तक गार्ड 24 घंटे सुरक्षा के लिए साथ रहता है। नीरज ने बताया कि उसका मोबाइल फोन भी पुलिस ने जांच के लिए अपने पास रखा है पुलिस उन इंटरनेशनल नंबरों की पड़ताल कर रही है।

बारिश के बाद चूरू में सड़कों पर पानी भरा

नगर परिषद क्षेत्र चूरू में 29.1 एम.एम बारिश होने से सड़कों पर भारी मात्रा में पानी एकत्रित हो गया।

चूरू, (कासं)। नगर परिषद क्षेत्र चूरू में शुक्रवार को एक बार फिर इन्द्र देवता मेहरबान हो गये।

मौसम विभाग के मुताबिक चूरू में 29.1 एम.एम बारिश हुई है। इससे यहां सड़कों पर भारी मात्रा में पानी एकत्रित हो गया है। सड़कों पर पड़े गहरे गड्ढे दुर्घटना के अड्डे बन चुके हैं। बारिश का पानी कई घरों व प्रतिष्ठानों में भी घुस गया है। मुख्य रास्ते बंद हो चुके हैं। यहां बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। प्रशासन अभी तक हरकत में ही नहीं आया है। शायद गहरी नींद में सो रहे हैं। उन्हें जगाने वाला भी कोई नहीं है। ऐसे में यहां आमजन की दुर्दशा ही होनी है।

एनसीसी कैडेट्स के लिए बनी राजस्थान की पहली स्मॉल फायरिंग रेंज का शुभारंभ

एनसीसी सेना में जाने की पहली सीढ़ी है : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं) । राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू विवि के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साईसेंस के परिसर में एनसीसी कैडेट्स के लिए बनी राजस्थान की पहली स्मॉल फायरिंग रेंज का शुभारंभ शुक्रवार को कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, 10 राज बटालियन एनसीसी के कमांडिंग आफिसर कर्नल इन्द्रजीत सिंह घोषल, डीन प्रो. गजेन्द्र माथुर ने फायरिंग रेंज पर फायर करके किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि एनसीसी सेना में जाने की पहली सीढी है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के लिए जिम्मेदार नागरिक तैयार करना।

उन्होंने कहा कि ईश्वर ने सभी को 24 घंटे दिये है इसका उपयोग किस प्रकार करना है यह आपको तय करना है। युवाओं से आव्हान किया कि देश सेवा से कोई बडी सेवा हो नहीं सकती, युवा वर्ग इसमें आगे आयें। डबोक परिसर में विद्यापीठ द्वारा मिलिट्री अकादमी की स्थापना की जायेगी जिससे केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई अग्निवीर योजना के तहत सेना में जाने वाले विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दी जायेगी। फायरिंग रेंज बनने से तैयारी करने में सुविधा रहेगी। 10 राज बटालियन एनसीसी का 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर डबोक परिसर में चल रहा है जिसमें 650 कैडेट्स भाग ले रहे है जिन्हें भी इस फायरिंग रेंज पर अभ्यास कराया जायेगा। एसएम अजय कुमार, सुबेदार शीशराम, जमुना प्रसाद, बीएचएम करण सिंह, हवलदार धर्मवीर सिंह, अलकेन्द्र सिंह, नरेन्द्र, हवा सिंह ने केडेट्स को फायरिंग के गुण सिखाये। इस अवसर पर इस अवसर पर डॉ. आनंद सिंह जोधा, डॉ. अरूणा परिहार, सौरभ सिंह राठौड, कृष्णकांत कुमावत, डॉ. रोहित कुमावत सहित एनसीसी अधिकारी एवं विद्यापीठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उदयपुर में एनसीसी कैडेट्स के लिए राजस्थान की पहली अन्तराष्ट्रीय स्तर की स्मॉल फायरिंग रेंज का प्रो.सारंदेवोत (बीच में) व कमांडिंग ऑफिसर्स ने शुभारंभ किया।

■ **10 राज बटालियन एनसीसी का 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर डबोक परिसर में चल रहा है जिसमें 650 कैडेट्स भाग ले रहे है**

संक्षिप्त

औद्योगिक भूखण्डों की होगी नीलामी

अलवर, (निसं)। रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में निगम द्वारा एमनेस्टी योजना एवं व्यापार संवर्धन औद्योगिक शिविर का आयोजन 28 जुलाई को प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक फेनियर कम्पनी भूखण्ड संख्या एफ-9 औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ के परिसर में किया जाएगा।
रीको लि. घीलोठ के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने बताया कि शिविर में औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ के सामान्य जोन में 12 औद्योगिक भूखण्ड व ग्लास एवं सिरामिक जोन के 10 औद्योगिक भूखण्ड की नीलामी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इन भूखण्डों के लिए 2 अगस्त सांय 6 बजे तक अमानत राशि जमा कराई जा सकती है तथा 3 अगस्त से 5 अगस्त तक बोली लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर में रीको के अधिकारियों द्वारा वर्तमान में चल रहे औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु ई-नीलामी एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी एवं एमनेस्टी स्कीम के तहत विभिन्न मदों में छूट दी जायेगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक उद्यमी रीको की वेबसाइट के माध्यम से नीलामी में भाग ले सकते हैं।

ग्राम पंचायत पनियाला सम्मानित

कोटपूतली, (निसं)। जनसंख्या नियंत्रण व स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने पर कोटपूतली पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत पनियाला को परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरूस्कार 2021-22 से सम्मानित किया गया है। शुक्रवार को राजधानी जयपुर में उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आयोजित हुए जिला स्तरीय समारोह में निदेशक आरसीएच डॉ. के एल मीणा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरोत्तम शर्मा, उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण झारवाल ने ग्राम पंचायत पनियाला के सरपंच लक्ष्मण रावत व पनियाला उपस्वास्थ्य केन्द्र की एएनएम मुन्नी कुमारी को 50 हजार रूपये प्रशस्ती पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप

रामगढ पचवारा, (निसं)। थाना पुलिस को स्थानीय छात्राओं व महिलाओं द्वारा रास्ते में घूमने वाले आवारा एवं असामाजिक तत्वों द्वारा गलत तरीके से व अभद्रता करते हुए परेशान करने की शिकायत थाना अधिकारी दिनेश मीणा को की गई थी। इसके बाद रामगढ पचवारा थाना पुलिस द्वारा सख्ती बरतने के बाद हुई पुलिस कार्रवाई से असामाजिक तत्व एवं आवारा घूमने वाले ऐसे तत्व जो महिलाओं एवं छात्राओं से छेडखानी करते थे उनमें भय का माहौल एवं हडकंप मचा हुआ है। थाना अधिकारी ने कहा कि कोई भी असामाजिक तत्व या अन्य कोई व्यक्ति महिलाओं व छात्राओं के साथ गलत व्यवहार करें तो बिना हिचकिचाहट के संबंधित की सूचना समय रहते पुलिस को दे ताकि ऐसे लोगों पर कडी कार्रवाई हो सके।

मंत्री परसादी लाल तीन दिवसीय दौरे पर

लालसोट, (निसं)। स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा शनिवार से तीन दिवसीय लालसोट विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री मीणा के निजी सहायक श्यामसुंदर मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि चिकित्सा मंत्री शनिवार को करीब 5 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्दावा में आरओ प्लांट व वाटर कूलर का उद्घाटन करेंगे। उसी दिन इंदावा ग्राम में ही रोड लाइट का लोकार्पण भी करेंगे। वहीं रविवार 24 जुलाई को चिकित्सा मंत्री मीणा मंडावरी स्थित निवास पर सुबह जन सुनवाई करेंगे। चिकित्सा मंत्री मीणा 25 जुलाई सोमवार को मंडावरी एवं लालसोट स्थित नगर पालिका में चल रहे प्रशासन शहरों के संग तृतीय चरण के अभियान का निरीक्षण भी करेंगे।

युवाओं ने पौधरोपण एवं रक्तदान किया

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा नेता मुकेश गोयल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा सप्ताह के अन्तर्गत ग्राम छारदडा में कार्यकर्ताओं ने कन्या विद्यालय में पौधरोपण किया। इसमें ग्रामीणों ने अलग अलग प्रकार के 11 पौधों का पौधरोपण किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लेकर उनका पालन पोषण करने का आग्रह किया। वहीं दूसरी और ग्राम फतेहपुरा कलां निवासी जितेन्द्र यादव पुत्र रामजीलाल यादव ने भाजपा नेता मुकेश गोयल के सेवा सप्ताह के अन्तर्गत स्थानीय कृष्णा अस्तपाल स्थित श्री कृष्णा ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान किया।

चबराना पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी ने फांसी लगाई, पुलिस जांच में जुटी

मालपुरा, (निसं)। चबराना ग्राम पंचायत में पदस्थापित ग्राम विकास अधिकारी भैरूलाल गुर्जर ने शुक्रवार की दोपहर को मालपुरा शहर के सांवरकर सर्किल के पास बिलायती बम्बूल से फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को फंदे से उतार मालपुरा अस्पताल में मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया।

मामले के अनुसार शुक्रवार की शाम जरिए दूरभाष के मालपुरा थाना पुलिस को अज्ञात व्यक्ति की सूचना देते हुए बताया कि सांवरकर सर्किल के पास बम्बूलों में एक युवक पेड पर फांसी के फंदे से लटका हुआ है। सूचना पर थानाधिकारी कैलाश विश्नोई मय जाप्ते के मौके पर पहुंच शव को पुलिस सुरक्षा में ले जेब में मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजनों व मालपुरा पंचायत समिति विकास अधिकारी महेन्द्र गुप्ता को सुचना दी। सुचना पर घटना स्थल पर पहुंचे गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को पंचायत समिति के ग्राम विकास अधिकारियों की आवश्यक बैठक बुलाई गई थी तथा एसडीएम कार्यालय मे भी एसडीएम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक होनी थी जिसके लिए चबराना ग्राम विकास अधिकारी भैरूलाल गुर्जर पुत्र लादू गुर्जर निवासी नयाटीला थाना पीपलू को अनुमानित 10-11 बजे दूरभाष पर सूचना दी गई तो उसने स्वंय को तनाव में होने की बात कहकर फोन बंद कर लिया। तकरीबन शाम को 6 बजे सांवरकर सर्किल के पास बम्बूलों मे भैरू गुर्जर का शव पेड से लटका मिला। मृतक भैरू गुर्जर 2 साल पूर्व अपने पिता की मौत के बाद मृत राज्य कर्मचारी कोठे से राजकीय सेवा मे ग्राम विकास अधिकारी का पद सम्भाला था। सुचना पर पहुंचे परिजनो की उपस्थिति मे शव को फांसी के फंदे से उतार मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी मे रखवाया गया। फिलहाल युवक द्वारा आत्महत्या किये जाने के कारणो की जांच की जा रही है।

■ सांवरकर सर्किल के पास बिलायती बम्बूलों में पेड़ से लटका मिला शव

थाना पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव फंदे से उतार मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

स्कूल भवन की व्यवस्था के आदेश पारित

बहरोड/नीमराना, (निसं)। नीमराणा के नवघोषित महाविद्यालय के लिए काफी प्रयासों के बाद भी अस्थाई भवन की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। जिसको प्राथमिकता से संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रदूत समाचार पत्र में निरंतर खबरें चलाई गई।

जिसके परिणामस्वरूप 20 जुलाई को नीमराणा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सरिता यादव ने मीटिंग में नीमराणा एसडीएम मुकुट सिंह को मामले से अवगत करा नीमराना के नजदीकी राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल माजरी कलां के भवन में अस्थाई रूप से राजकीय महाविद्यालय नीमराणा के लिए भवन की व्यवस्था के आदेश पारित किए गए। माजरी कलां के सीनियर सैकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल ने भवन उपलब्ध करवाने का पूरा सहयोग किया जिसके तहत 22 जुलाई को नोडल प्रभारी विनय सिंह यादव ने मौके पर पहुंचकर 5 कमरों का निरीक्षण कर बानसूर महाविद्यालय के प्रिंसिपल तथा आयुक्त आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर को नव घोषित राजकीय महाविद्यालय नीमराणा के लिए अस्थाई भवन उपलब्ध होने की सूचना प्रेषित करते हुए जानकारी दी।

खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के लिए शिविर 26 जुलाई को

टोंक, (निसं)। फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं खुदरा विक्रेता संघ उनियारा के तत्वाधान में 26 जुलाई को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार यादव ने बताया कि खाद्य पदार्थ लाइसेंस बनवाने, नवीनीकरण एवं उससे संबंधित समस्याओं के बारे में एक दिवसीय कैम्प का आयोजन रघुनाथ जी का मन्दिर, उनियारा में रखा गया है, जिसमें सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार यादव एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर की उपस्थिति रहेगी। शिविर का समय प्रात: 10 से 5 बजे तक रहेगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर ने बताया कि षिविर मे सभी आवश्यक दस्तावेज अवश्य साथ लावें। आवश्यक दस्तावेज 1 किराया नामा (यदि दुकान किराये की है तौ), नक्शा, फोटो, पहचान पत्र, दुकान खुद की है तो बिजली का बिल, आयकर रिटर्न विगत तीन वर्ष का, पचास रुपए का स्टाम्प फर्म के नाम आदि एवं रजिस्ट्रेशन में रिटर्न के अलावा सभी दस्तावेज लाना अनिवार्य है। शिविर में लाइसेंस से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जायेगा, जैसे लाईसैंस नवीनीकरण, कोई संशोधन और मोडिफिकेशन, प्रोपराइटर का नाम परिवर्तन, टर्न ओवर से संबंधित समस्या, जिसका लाइसेंस रिनीवल मैं 6 माह तक समय शेष है, उनका नवीनीकरण भी शिविर में किया जायेगा। उनकी वेलीडिटी में कोई परिवर्तन नहीं होगा पहले वाली तारीख रहेगी।

In The Court of II Additional Principal Judge Family Court, District Court, Jabalpur
Presiding Officer : श्रीमती विधि सक्सेना
आदेश 5 नियम 20व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु
RCS HM/0000433/2022
अजय कुमार गुप्ता.....वादी
Vs
श्रीमती पूजा कुमारी गुप्ता पटवा......प्रतिवादी
Process Id/2022
पेशी दिनांक 13/-9/2022
प्रेषिती-
(1) श्रीमती पूजा कुमारी गुप्ता पटवा पति अजय कुमार गुप्ता पता-4 एच 24
गांधी कुटीर भिवाड़ी, तहसील तिजारा, जिला अलवर, राजस्थान 301019
यह की प्रार्थी अजय कुमार गुप्ता ने आपके विरूद्ध धारा 13(1)(i क)(i ख) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीटासीन अधिकारी को अवगत करायें।
आज तारीख 19 जुलाई 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा न्यायाधीश
टिप्पणी:उपस्थिति हेतु (श्रीमती विधि सक्सेना)
साधारण एवं रजिस्टर्ड द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायालय
नोटिस जारी कुटुंब न्यायालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश

46 साल बाद वास्तविक मालिक को दुकान का कब्जा मिला

सांभरझील,(निसं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय को सही ठहराते हुए 46 साल से लंबित चले आ रहे एक मामले का निस्तारण कर उसके वास्तविक मालिक को संपत्ति सुपुर्द करने के आदेश दिये। पीडित पक्ष के वकील योगेश चावला ने बताया कि किशनगढ रेनवाल निवासी मदनलाल से दुलीचंद सोनी ने वर्ष 1976 में एक मकान खरीदा था। मकान के बाहर तीन दुकानें निर्मित थी।

इन दुकानों में से एक दुकान पर लुकमान नाम के किराएदार ने अवैध कब्जा कर रखा था, जिसे उसकी ओर से दुकान को खाली नहीं किया जाने पर सांभर न्यायालय में एक वाद पेश किया गया था। दुलीचंद के एक्स पार्टी होने के बाद लुकमान ने रातों-रात दुकान का पजेशन अन्यत्र व्यक्ति को सौंप दिया। इसके बाद दुलीचंद की तरफ से सांभर विचारण न्यायालय में रामदयाल के विरुद्ध दावा पेश किया। इसी बीच रामदयाल की मृत्यु हो गई और उसका वारिस बन ओमप्रकाश मुकदमा लडने लगा। विचरण न्यायालय ने समस्त तथ्यों और दस्तावेजों को मद्देनजर रखते हुए दुलीचंद के पक्ष में आदेश कर दावा उसके पक्ष में डिक्री कर दिया। इस आदेश के खिलाफ ओमप्रकाश ने अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सांभर में अपील पेश की। उक्त अपील को भी एडीजे ने 5 फरवरी 2020 को खारिज करते हुए अधीनस्थ न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। उक्त अपील के विरुद्ध ओमप्रकाश ने राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में द्वितीय अपील पेश की। इस अपील पर दोनों पक्षों की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट जयपुर ने 46 साल से चले आ रही विवादित बिंदु को समाप्त करते हुए ओमप्रकाश द्वारा अपने पक्ष में पेश किए गए दावे दस्तावेजों को झूठा करार देते हुए विचारण न्यायालय तथा अपीलीय न्यायालय के निर्णय को सही मानते हुए दुकान को उसके वास्तविक मालिक को सुपुर्द करने के आदेश दिये। दुलीचंद सोनी की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय में सांभर के युवा अधिवक्ता योगेश चावला की ओर से पैरवी की गई।

स्कूल भवन का विधायक ने लोकार्पण किया

खैरथल, (निसं)। समीपवर्ती वल्लभग्राम में पहाडी की तलहटी में शिक्षिका के संकल्प से निर्मित स्वामी लीलाशाह राप्रा विद्यालय भवन का शनिवार को किसान आयोग के उपाध्यक्ष एवं विधायक दीपचंद खैरिया द्वारा लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किशनगढबास पंचायत समिति के प्रधान बीपी सुमन ने की। इस अवसर पर संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, सरपंच प्रतिनिधि डा फारुक खान, मुखी अशोक गुरनानी, मुखी वासदेव दासवानी, धीरज गुरनानी जसवंत सिंह आर्य, शिवचरण गुप्ता, हीरालाल चौधरी, दीपक गूरनानी, पार्षद करणसिंह चौधरी, मनोज बुराहडिया, कामरेड रामचन्द्र जाटव, पार्षद नारायण छंगाणी, रिंकी प्रजापत, राकेश कुमार एवं स्टाफ मौजूद रहे। संयोजक पार्षद जाजन मूलानी ने बताया कि स्वामी लीला शाह कुटिया के पास हरिजन बस्ती में श्रीराम जी के मकान के एक कमरे में संचालित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में सेवारत शिक्षिका ऊषा शर्मा ने दलित परिवारों के बच्चों को पक्का स्कूल भवन दिलाने का संकल्प लेकर प्रयास शुरू किए जिसमें पहली सफलता तब मिली जब समाजसेवी हेमराज मूलानी जाजन की धर्मपत्नी गंगा मूलानी द्वारा अपनी बहन स्वर्गीय निशा मूलानी की स्मृति में स्कूल भवन के लिए पर्याप्त भूमि दान में दी। भूमि होने पर सरकार द्वारा साठ लाख रुपए की लागत से भवन निर्माण कराने में भी सफलता हासिल की।

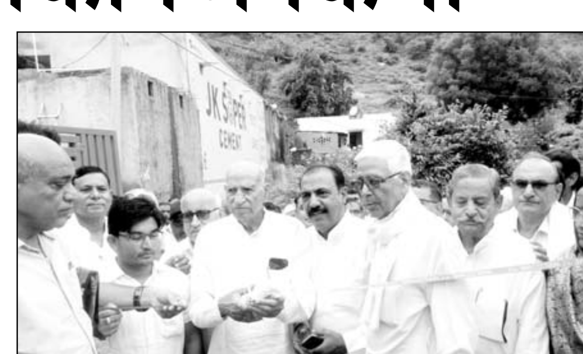

स्वामी लीलाशाह राप्रा स्कूल भवन का विधायक दीपचंद खैरिया द्वारा फीता काटकर लोकार्पण किया गया।

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/1859-60 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-21.07.2022
श्री लालचन्द पंजाबी पुत्र स्व.श्री खेमचन्द पंजाबी निवासी वार्ड नम्बर 30 पंजाबी मोहल्ला कस्बा श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 30 पंजाबी मोहल्ला श्रीमाधोपुर	चर्तुसीमाऐं निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में मकान व बाडा खेमचन्द का, पश्चिम दिशा में आम रास्ता, उत्तर दिशा में गली व दक्षिण दिशा में मकान रोशन तेली का मकान अवस्थित है।	मकान आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 42 फुट 6 इंच व उत्तर से दक्षिण 32 फुट 6 कल क्षैत्रफल 153.47 वर्गगज या 128.32 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 21.07.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी (दौसा)
क्रमांकः-नपाय/2022/1504 दिनांक 22-7-22
आपत्ति आमंत्रण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रशासन शहरो के संग अभियान 2021 के तृतीय चरण के दौरान 69-ए पट्टे/ नवीनीकरण/ पट्टा स्थानान्तरण/ पूर्ण स्वामित्व पट्टा प्राप्त करने के लिए पत्रावलिया प्राप्त हुई है उक्त पत्रावलियों में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अंदर मियाद 7 दिवस में मय लिखित सबूत पालिका में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें अन्यथा वाद मियाद कोई उज्रदारी मान्य नहीं होगी।
अतः सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक 22.7.22 को जारी की है।

क्र. स.	आवेदक का नाम नाम	मौहल्ला /वार्ड	क्षेत्रफल वर्गगज में
1.	श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री श्याम सुंदर शर्मा	सब्जी मंडी	100.09
2.	श्री जगराम मीना पुत्र श्री रामचन्द्र मीना	कच्ची सड़क	80
3.	श्री रामचरन राना पुत्र श्री बंसीलाल राना	नाईयों का मौहल्ला	99.54
4.	श्री रामबाबू गोयल पुत्र श्री लोढू राम गोयल	सोनी मौहल्ला	150
5.	श्री रामावतार शर्मा पुत्रश्री काशीराम मिश्र	सोनी मौहल्ला	24.44
6.	श्री कैलाश, कमलेश बैरवा पुत्रश्री भौरी लाल बैरवा	बैरवा मौहल्ला	109.32
7.	श्रीमती धापा देवी पत्नी श्री छोटा लाल रैगर	रैगर मौहल्ला	187.66
8.	श्रीमती धाखा देवी पत्नी श्री छीतरमल रैगर	रैगर मौहल्ला	31.66
9.	श्री छीतरमल रैगर पुत्र श्री भौरया रैगर	रैगर मौहल्ला	128.07
10.	श्री चिरंजी लाल बैरवा पुत्र श्री सीताराम बैरवा	बैरवा मौहल्ला	83.95
11.	श्री गंगा विशन माली पुत्र श्री रामसहाय माली	पीर पाछला माली की ढाणी	113.33
12.	श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री लोडूराम महाजन	बजाज मौहल्ला	118.62
13.	श्री पप्पू खान पुत्री श्री उल्ली खान	कचहरी मौहल्ला	165.38

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, मण्डावरी

पुलिस जाब्ते को देखकर खनन माफिया भागे, मौके से जेसीबी जप्त

बस्सी, (निसं)। बस्सी इलाके में भी लम्बे समय से चल रहे अवैध खनन के संदर्भ में लोगों की शिकायतों एवं हाईकोर्ट में जनहित याचिका की सुनवाई के बाद अवैध खनन को रोकने के लिए शुक्रवार सुबह पुलिस व प्रशासन सख्त मोड में दिखा। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर अवनीश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस व खनन विभाग ने संयुक्त रूप से अवैध खनन रोकने के लिए अभियान चलाया है।

अभियान के तहत टीम ने घाटा, बैनाडा, हरडी, कुथाडा गांव के पहाडी क्षेत्र में होने वाले अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस व खनन विभाग की टीम को देखकर खनन माफियाओं में हडकंप मच गया। पुलिस टीम को देखकर खनन माफिया मौके से भाग छूटे। सर्च अभियान के तहत टीम को केवल एक जेसीबी मशीन ही हाथ लगी जिसे टीम ने मौके से जब्त कर लिया है। अवनीश शर्मा ने बताया कि पुलिस व खनन विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र में पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए हैं ताकि खनन माफिया के खिलाफ कार्यवाही की जा सके। इस दौरान बस्सी एसीपी मेघचन्द मीणा के साथ बस्सी, कानोता, खो नागोरिया समेत अन्य थानो का पुलिस जाब्ता भारी संख्या मौजूद रहा।

सर्च अभियान के तहत टीम को केवल एक जेसीबी मशीन ही हाथ लगी जिसे टीम ने मौके से जब्त कर लिया है।

जेसीबी से केबिन में फंसे चालक-परिचालक को निकाला

जयपुर/कानोता, (निसं)। कानोता थाना इलाके के शहीद की पुलिया के पास खडे ट्रक में पीछे से दूसरा ट्रक जा घुसा। हादसे में ट्रक के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षितठास्त हो गया तथा ट्रक के चालक-परिचालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गए। दुर्घटना में चालक और परिचालक बुरी तरह से घायल हो गए।

जानकारी मिलने पर जेसीबी को मौके पर बुलाकर ट्रक के केबिन को सही किया गया। जिसके बाद दोनों घायलों को बाहर निकाला गया। 108 की सहायता से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घायलों ने अपना नाम लाहोरी निवासी चालक शिवपाल यादव और खलासी मुकेश बताया। ये दोनों ट्रक लेकर जयपुर से कानपुर की ओर जा रहे थे। यहां कानोता इलाके में पहुंचने पर खडे ट्रक में उनका ट्रक पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों केबिन में फंस गए। हाइवे पेट्रोलिंग टीम के देरी से पहुंचने पर ग्रामीणों ने रोष जताया। वहीं दो घंटे बाद मौके पर पहुंची कानोता थाना पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को रोड के साइड में लगाकर ट्रैफिक सुचारू करवाया।

सी-डैक CDAC | प्रगत संगणन विकास केंद्र
CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING
प्रवेश सूचना पूर्णकालिक(फुल टाइम) एम.टैक 2022
स्पेशलाइजेशन (विशेषज्ञता)
❖ साइबर सुरक्षा
❖ एम्बेडिड सिस्टम
❖ आर्टिफिशल इन्टेलिजन्स
❖ वीएलएसआई डिजाइन
• गेट क्वालिफाइड और एससी/ एसटी /ओबीसी के लिए नियमानुसार स्कॉलरशिप उपलब्ध है
• लड़कियों और लड़कों के लिए नाम मात्र शुल्क पर छात्रावास (होस्टल) में रहने के लिए सुविधा उपलब्ध है
• लाइव प्रोजेक्ट्स : सरकार द्वारा वित्त पोषित लाइव परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं
प्रवेश सहायता लाइनें : 0172-6619072, 0172-6619078, 0172-6619082
हेड: शैक्षणिक परामर्श और सेवा विभाग | मोबाइल: +91- 9888000646
ईमेल: acsdcofficial@gmail.com, mtech-mohali@cdac.in
पंजीकरण, पात्रता, फीस और अन्य जानकारी के लिए www.acsd.ac.in पर जाएं
(संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वैज्ञानिक संस्था, भारत सरकार)
ए-34, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-8, मोहाली, भारत-160071 | फैक्स: +91-172-2237050-51 | www.cdac.in
CBC 06134/12/0001/2223

जायज काम के लिए अनावश्यक चक्कर लगवाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी : मंत्री रावत

अलवर, (निसं)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत ने शुक्रवार को सर्किट हाउस अलवर में जनसुनवाई की। मंत्री रावत ने जनसुनवाई में जिलेभर से आए आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने निर्देश दिये कि लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन को जायज काम के लिए अनावश्यक चक्कर लगवाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जनसुनवाई में आए आमजन से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पट्टों का हक देने के लिए प्रशासन शहरों के संग अभियान चलाया हुआ है। इसके तहत लगाए जा रहे शिविरों में जाकर लाभ उठाए। मंत्री रावत सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर रही थी। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि दिव्यांग नेहा खत्री अपनी परिवेदना लेकर आई है। इस पर मंत्री ने सर्किट हाउस से बाहर आकर दिव्यांग नेहा की परिवेदना को सुना।

दिव्यांग नेहा ने रावत को अवगत कराया कि वह रा.उ.मा.वि अचलपुरी में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है तथा पिछले 5 माह से उसे वेतन नहीं मिला है। फरियादी ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान पति की मृत्यु कोविड संक्रमण के कारण हो गई थी जिसके चलते परिवार की समस्त जिम्मेदारियां उस पर आ गई है। वेतन नहीं मिलने से काफी परेशानी हो रही है।

इस पर मंत्री रावत ने मौके पर ही जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक राकेश शर्मा को फोन कर नाराजगी जाहिर करते हुए फरियादी का बकाया 5 माह का वेतन अधिकतम 5 दिन में जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि स्थायीकरण की कार्यवाही भी शीघ्र पूर्ण करावे। उन्होंने दिव्यांग नेहा को विश्वास दिलाया कि उनका इच्छित स्थान पर स्थानांतरण करवाया जाएगा। इस दौरान गेंदाराम गुर्जर, भौरेलाल बागडी, भवानी सैनी, रमेश अम्बावत, सुरेश मीणा, मुकेश सैनी, रणबीर डोई, पवन योगी, सरजीत यादव, पूर्ण भूमला, रमेश जुनेजा सहित आमजन एवं प्रबुद्ध व्यक्ति उपस्थित थे।

■ आमजन की परिवेदनाओं को सुन संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मंत्री शकुंतला रावत ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई की।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)
चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आई डी एफ सी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 17.04.2021 को एक मांग नोटिस कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. कनिष्क बुटीक एण्ड साडी, अजय गोयल, 2. श्री अजय गोयल, 3. श्री नुपुर अग्रवाल को जारी किया गया था, जिसमें 12.04.2021 की तिथी को एक मांग नोटिस उल्लेखित राशी रूपये 57,00,186.67/- (रूपये सत्तावन लाख एक सौ छियासी और पैसे सडसठ मात्र) का भुगतान उपर्युक्त निर्दिष्ट नोटिस प्राप्ती से 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।
चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज जुलाई 2022 के 21वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।
विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशि रूपये 57,00,186.67/- (रूपये सत्तावन लाख एक सौ छियासी और पैसे सडसठ मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।
कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।
अचल सम्पत्तियों का विवरण
सम्पत्ति कमरा नं.201, क्षेत्रफल 385 वर्गफिट, दूसरी मंजिल विमल चैम्बर्स काम्पलेक्स, प्लाट नं. 176, मेहन्दियों का चौक, रास्ता हल्दियान नगर, हवाली घाट दरवाजा, जयपुर, राजस्थान-302003 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- उत्तर-मेहन्दी वालों का चौक, दक्षिण-रोड और प्रवेश द्वारा, पूर्व-गन्दी गली, पश्चिम-गन्दी गली
दिनांक- 21.07.2022
स्थान- जयपुर
ऋण खाता संख्या- 14042384
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व नाम केपिटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित)

संक्षिप्त

राघवी को मिले 93.8 प्रतिशत अंक

सांभरझील, (निसं)। यहां चारभुजा मंदिर के नजदीक रहने वाली छात्रा राघवी उपाध्याय पुत्री एडवोकेट गौरव

कुमार उपाध्याय ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ सैकेंडरी एजुकेशन में 93.8 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। छात्रा ने सर्वाधिक सोशल साइंस में 98, साइंस में 95, हिंदी में 94 एवं गणित व अंग्रेजी में प्रत्येक में 91 अंक हासिल किए है। इनकी माता राखी त्रिपाठी सरकारी टीचर है छात्रा ने अपनी उपलब्धि पर अपने माता-पिता, गुरुजनों का मार्गदर्शन व आशीर्वाद बताया है।

सुरपुरा गौशाला का निरीक्षण

बोराज, (निसं)। कस्बे की वीर तेजाजी गोशाला सुरपुरा का नायब तहसीलदार बिचून उम्मेद सिंह शेखावत पशु चिकित्सक डॉक्टर सुनील कुमावत एव हल्का पटवारी विकास शर्मा ने आकस्मिक निरीक्षण कर गौशाला की व्यवस्थाओं को जांचा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गौशाला में गोवंश की संख्या चारा एवं पशु आहार टेक रजिस्टर व कैश बुक आदि को चेक कर जानकारी ली गौशाला सचिव बन्ना लाल वर्मा ने बताया कि निरीक्षण में सभी जांचे सही पाई गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर गोशाला परिसर में पौधारोपण भी किया गया इस मौके पर गौशाला अध्यक्ष मदन सिंह शेखावत, गौशाला संरक्षक पूर्व सरपंच प्रेमचंद टेलर, उपाध्यक्ष भैरूलाल चौधरी सहित समिति सदस्य गण उपस्थित रहे।

जिला संयोजक व सह-संयोजक बनाये

टोंक, (निसं)। प्रधानमंत्री का हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर जिला संयोजक व सह-संयोजक बनाए गए। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा ने बताया कि जिला संयोजक भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, सह-जिला संयोजक पूर्व मंडल महामंत्री निवाई शहर मनोज पाटनी एवं मंडल महामंत्री देहात मेहन्दवास टोंक महेंद्र सिंह सोलंकी को बनाया गया है।

धर्मसभा का आयोजन

निवाई, (निसं)। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में पदार्थ के साथ जीने वालों के लिए धन ही सब कुछ नहीं होता है। उनके लिए चरित्र का भी मूल्य रहता है। उन्होंने कहा कि सच्चाई को बहुमत की नहीं नैतिकता व करुणा की आवश्यकता रहती है। जो जितना संवेदनशील होता है उसमें उतनी ही अधिक करुणा जागती है। मनुष्य गुणों से महान बनता है। जो गुण सामाजिक मूल्य नहीं बनते वे दोष हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सत्य और सिद्धांत पर दृढ रहना ही चरित्र है। सदाचरण जीने की कला सिखाता है।

युवा संवाद कार्यशाला आयोजित

मालपुरा, (निसं)। जिला पुलिस विभाग की और से शुक्रवार को रेखा देवी मेमोरियाल नर्सिंग स्कूल अविकानगर में युवा संवाद कार्यशाला का आयोजन हुआ। एएसपी राकेश कुमार बैरवा ने कार्यशाला मे युवाओं को नशे व अपराध से दूर रहकर जीवन का लक्ष्य अर्जित करने का संदेश दिया। निदेशक डॉ. अंकित जैन सहित शाला परिवार ने एएसपी का स्वागत कर आभार जताया।

अधिकारी जनता की समस्याओं का समाधान करे व दवाब में कार्य नहीं करे : इंद्राज गुर्जर

- प्रशासन शहरों के संग अभियान चढ़ा हंगामे की भेंट, विधायक ने किया निरीक्षण
- आयुर्वेदिक चिकित्सालय व कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल का किया पट्टा जारी

पावटा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा प्रशासन शहरों संग अभियान के दौरान पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में वार्ड वाइज कैंप लगाए जा रहे हैं। परंतु नगरपालिका पावटा प्रागपुरा द्वारा पट्टों का आयोजित होने वाला कैंप मात्र खानापूर्ति साबित हो रहा है। जहाँ केवल मुहं देखकर टीका कर सिर्फ अपने चहेतों को ही पट्टे बांटे जा रहे हैं। इस दौरान पावटा प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा पट्टा वितरण में अनियमितताओं की शिकायत पर शुक्रवार को विधायक इंद्राज गुर्जर पावटा रामलीला मैदान में आयोजित कैंप में पहुँचे जहाँ ग्रामीणों ने नगर पालिका प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहाँ कि पट्टों की बनने वाली फाइल से लेकर अधिकारियों की रिपोर्ट में मनमर्जी की जा रही है।

पट्टा वितरण में अनियमितताओं की शिकायत पर विधायक इंद्राज गुर्जर कैंप में पहुँचे जहाँ ग्रामीणों ने नगर पालिका प्रशासन पर आरोप लगाये।

वही लोगों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि जेईएन द्वारा एक ही जगह से पहले से ही चुनी फाइलों पर मौका देख रिपोर्ट करने की बात कहीं। वही ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा आयोजित होने वाले पट्टों के कैंपों में सभी अधिकारी मौजूद रहे साथ ही पट्टे वितरण के दौरान किसी भी प्रतिनिधि का हस्तक्षेप ना रहे। जिससे आम आदमी को इस कैंप का लाभ मिल सके। वही ग्रामीणों ने चेयरमेन प्रतिनिधि पर उल्टे सीधे जवाब देने, मनमानी व मनमर्जी करने का आरोप लगाया।

वही ग्रामीणों ने बताया कि चेयरमैन पति द्वारा मनमानी व मनमर्जी करते हुए रास्तों के विवादों में उलझाकर उन्हे गुमराह कर रहे है। अपने लोगों के लिए कोई नियम नहीं व आमजन को नियमों की दुहाई दी जा रही है। वही सरकार के नियमानुसार ज्यों जितनी भूमि पर काबिज है व उसके सामने जितना रास्ता है पट्टा बनाकर दिया जाए। वही विधायक इंद्राज गुर्जर ने अधिकारियों को सरकार के नियमानुसार जनता की समस्याओं का समाधान करने व किसी के दवाब में आकर कार्य नहीं करने की बात कहीं। वही अभियान के दौरान बन रहे पट्टों की एवज में एक हजार एक रुपए का शुल्क देय है इसके अलावा अगर और कोई शुल्क लिया जाता है तो शिकायत करे। वही वार्ड न. 6 मे जल भराव की समस्या को देखते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा रोड के लिए टेंडर पास हो गया था लेकिन चेयरमेन प्रतिनिधि ने मनमर्जी करते हुए उसे निरस्त कर दिया। जिससे वहा पानी भरने से तालाब बन गया जिसका खामियाजा वार्डवासियों व राहगीरों को भुगतना पड रहा है। वही चेयरमेन प्रतिनिधि का कहना है कि कोई भी किसी पर आरोप लगा सकता है। लेकिन कार्य नियमानुसार व चेयरमेन, वार्ड पार्षद एवं अधिकारियों की देखरेख में हो रहे है। यदि सहयोग करना मनमर्जी है तो गलत है। आयुर्वेदिक चिकित्सालय व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिए सीबीईओ कार्यालय के पीछे व पंचायत समिति के पीछे की भूमि का पट्टा जारी कर सीबीईओ मुरलीधर यादव व चिकित्सक नाहरमल को सौपा।

इंदिरा रसोई को सीएचसी स्थित धर्मशाला में संचालित करने की मांग

मंडावरी, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा में नई स्वीकृत इंदिरा रसोई को पहले तय किए गए स्थान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावरी की धर्मशाला में ही संचालित करने की मांग शहरवासियों द्वारा की गई है। शहर वासियों द्वारा इंदिरा रसोई के लिए स्वीकृत जगह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को वहां आने वाले मरीजों सहित आमजन के लिए बहुत उपयोगी जगह बताया गया है। इसी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से इंदिरा रसोई को अन्यत्र जगह स्थानांतरित करने के बाद शहरवासियों द्वारा कडी नाराजगी जताई गई है।

शहर वासियों द्वारा कहा गया कि अगर इंदिरा रसोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित धर्मशाला में चलती है तो उसका लाभ बडे स्तर पर सभी को मिलेगा साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा जिस सोच को लेकर इंदिरा रसोई को धरातल पर उतारा गया है वास्तव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही इस इंदिरा रसोई का जरूरतमंदों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल पाएगा। लोगों द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित धर्मशाला में इंदिरा रसोई संचालन की सूचना के सहारे अनियमितता बरतने वाले चिकित्सा कर्मियों में बेचैनी पैदा हुई है। ऐसे में कुछ चिकित्सा कर्मी जो कि खुद की सेवाओं के दौरान अनियमितता बरतते हैं वे नहीं चाहते कि यहां इंदिरा रसोई का संचालन होने के बाद वहां आने जाने वाली स्थानीय लोगों द्वारा उनकी गतिविधियों पर लोगों की नजर पडे। इसी सोच को लेकर कुछ चिकित्सा कर्मियों द्वारा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी धीरज शर्मा के साथ मिलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित धर्मशाला जैसी बेहतरीन जगह स्थान परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

राजगढ के पंचायत समिति सभागार में एसडीएम ओमप्रकाश मीणा की अध्यक्षता में ग्रामीण ओलंपिक को लेकर बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में मौजूद पीईओ एवं शारीरिक शिक्षकों को खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन, विद्यालय में खेल मैदान की उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर आयोजित बैठक में सीपीओ रामेश्वर दयाल मीणा ने भी ग्रामीण ओलंपिक को लेकर बैठक में मौजूद ब्लॉक लेवल के प्रतिनिधियों को व्यवस्था समय से पूर्व करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम ओम प्रकाश मीणा, सीबीईओ रामेश्वर दयाल मीणा एवं ब्लॉक के शारीरिक शिक्षक, पीईईओ एवं ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे।

सी.बी.एस.ई परीक्षा परिणामों में मालपुरा मॉडल स्कूल का परचम

मालपुरा, (निसं)। कक्षा 12 विज्ञान वर्ग के शुक्रवार को जारी हुए सीबीएसई परीक्षा परिणामों में मालपुरा के स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल ने परचम लहराते हुए विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। प्रधानाचार्य जगमोहन मीणा ने बताया कि जीव विज्ञान वर्ग में छात्रा खुशी धर्मदासानी ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। कावेरी विजय ने 92.4 प्रतिशत, अर्चित जैन ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये है तो गणित वर्ग मे वर्षा शर्मा ने 93.8 प्रतिशत प्राप्त किये।

पायस विजय ने 91.2 व सुहानी सोनी ने 90 प्रतिशत व दर्शन विजय पुत्र सत्यनारायण विजय ने 95 प्रतिशत, अभीश्री विजय पुत्री जगदीश विजय डूंगरी वाले 93 प्रतिशत, वंशिका पुत्र राहुल सिंघी ने कॉमर्स मे 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। शिक्षक अरविन्द त्रिपाठी व गजेन्द्र ने बताया कि कक्षा 10 के परीक्षा परिणामों में पुरानी तहसील निवासी सबइंस्पेक्टर शरद कुमार शर्मा पुत्र रामनारायण कुमार शर्मा के बेटे अभय शर्मा ने 94.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपना परचम लहराया तो संभव जैन ने 93.6, आदित्य राजगौतम ने 91.6 व रामू शर्मा ने 94.4 प्रतिशत अंक अर्जित किये। इस प्रकार 46 विधार्थी प्रथम श्रेणी से उर्तीण हुए। होनहार विधार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय परिवारजनों के साथ-साथ गुरूजनों को दिया। मॉडल विद्यालय के उत्कृष्ट परिणामों पर शिक्षाविदों ने विधार्थियों को बधाई दे उज्जवल भविष्य की कामना की।

मॉडल विद्यालय के उत्कृष्ट परिणामों पर शिक्षाविदों ने विधार्थियों को बधाई दे उज्जवल भविष्य की कामना की।

जन्मदिन पार्टी के दौरान होटलकर्मियों से मारपीट, दोनों पक्षों ने मामले दर्ज कराये

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल हाईवे कांजी में जन्मदिन की पार्टी के दौरान होटलकर्मियों से हुई मारपीट में अनेक लोगों के चोटे आई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नगदी राशि, सोने की चैन, अंगूठी व घडी छीनने तथा दो लैपटॉप व फर्नीचर को तोडने के आरोप लगाते हुए मामले दर्ज कराये है।

पुलिस के अनुसार योगेश कुमार पुत्र ग्यारसीलाल गुर्जर निवासी मौहल्ला बड्डाबास ने दर्ज कराया कि मेरे रिश्तेदार ओमप्रकाश पूतली का 21 जुलाई को जन्मदिन था। जिसके उपलक्ष्य में खाना खाने के लिए होटल हाईवे कांजी कंवरपुरा में गये थे। जहां बेसमेन्ट में खाने का ऑर्डर दिया। इसी दौरान योगेश ने रिसेपशन पर मोबाईल चार्ज करने के लिए लगा दिया। मालिक बिन्टु यादव ने मोबाईल हाथ में लेकर गाली-गलौच की, मना करने पर बिन्टु, राजेश व इनके पिता हरिसिंह यादव होटल स्टॉफ के साथ मारपीट की व दो तोले की सोने की चौन व 7600 रूपये नगदी छीनकर लूटपाट की। होहल्ला सुनकर बेसमेन्ट में बैठे सरपंच प्रतिनिधि यादराम, ओमप्रकाश, विक्रम यादव, नरेश यादव ने बीच-बचाव किया। जहां लाठी, सरिया, डंडो व फर्सी से वार किया। जिससे हमारे सभी के चोटें आई। विक्रम यादव के सिर में लगने से अचेत हो गया जिसकी जेब में रखे 47 हजार 600 रूपये व चैन लुट ली व ओमप्रकाश की राडो की 27 हजार की घड़ी तथा नरेश की अंगुठी छीन ली। योगेश के गंभीर चोटें आने पर राजकीय बीडीएम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार जारी है।

वहीं दुसरी ओर बिन्टु पुत्र हरिसिंह यादव ने दर्ज कराया कि मैं होटल हाईवे कांजी का मालिक हूँ। विगत गुरूवार रात्रि को अपने होटल पर था। उस समय नरेश यादव कंवरपुरा, विक्रम यादव भालोजी व उनके 15-16 आदमी ओर थे जो सभी खाना खा रहे थे। खाना खाने के बाद होटल का वेटर जलेसिंह बिल लेकर उनके पास गया तो उसको जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया व मारपीट की। प्रार्थी ने जाकर पुछा तो उक्त लोग गाड़ी से चाकु, लाठी, डंडा आदि निकाल कर लाये और मेरे व मेरे पिता हरिसिंह के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पर होटल स्टॉफ के साथ भी मारपीट की। होटल के दो लैपटॉप व शीशों को भी तोड़ दिया तथा गल्ले में रखे 9500 रूपये भी लूट ले गये।

केंद्र सरकार मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रही हैं : महेन्द्र खेड़ी

- केन्द्र सरकार के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

टोंक, (निसं)। भाजपा की केन्द्र सरकार प्रर्वतन निदेशालय के माध्यम से कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से की गई बिना तथ्य निराधार राजनैतिक प्रतिषोध से प्रेरित पूछताछ के विरोध में प्रदेश भर में होने वाले धरने प्रदर्शन के अन्तर्गत जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में प्रदेश सचिव जिला प्रभारी संगठन महेन्द्र सिंह खेडी निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता के नेतृत्व में गांधी पार्क टोंक में धरना देकर घंटाघर चौराहे तक पैदल मार्च निकाला तथा केन्द्र सरकार के विरूद्व प्रदर्शन किया।

धरने को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी ने कहा कि केन्द्र सरकार मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष के नेताओं को निराधार निषाना बना रही हैं। नेशनल हेराल्ड सात वर्ष पूर्व बन्द कर दिया गया था। इसमें किसी प्रकार का कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं। उन्होनें आगे कहा कि हमारे देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति सही नहीं हैं, युवाओं में भी बेरोजगारी तथा अग्निपथ योजना को लेकर काफी रोष व्याप्त हैं।

उन्होनें कहा कि केन्द्र की गलत नितियों का विरोध जारी रहेगा, कांग्रेस कार्यकर्त्ता डरने वाला नहीं हैं। निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में अब तक की गई कार्यवाही राजनैतिक प्रतिषोध से प्रेरित हैं। उन्होनें कहा कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही हैं।

केन्द्र सरकार मनगढत, बिना सबूत आरोप लगाकर विपक्ष के नेताओं की एकजुटता कुचलने का कार्य कर रही हैं जो कभी सफल नहीं होगा। पूर्व विधायक कमल बैरवा, षिवजी राम मीणा, अवधेश कुमार शर्मा, शब्बीर अहमद, किशन फगोडिया, नईमुद्दीन अपोलो, धर्मेन्द्र सालोदिया, एहसान बाबा, सेवादल जिलाध्यक्ष अब्दुल खालिक, रशीद इंटक, मासूल अली, मणिन्द्र बैरवा, शिवपाल खण्डवा आदि ने सम्बोधित कर केन्द्र सरकार के गलत नीतियों का विरोध किया। जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि ब्लॉक अध्यक्ष अजीज कुरैशी, राजीव बंसल, हनुमान यादव, हकीम रामलाल सैनी, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष आतिफ नकवी, सुरेश शर्मा, दीनदयाल सिंह, शंकर दादिया, विकास विजयवर्गीय, विनोद मराठा, जसराम मीणा, गिर्राज किराड, नवीन त्रिपाठी, राधेश्याम एडवोकेट, तुलसीराम चांवला, धन्नालाल बैरवा, कमल सरपंच लावां, मो. उमर रोडवेज, पूर्व पार्षद शकील मियां, आमिर फारूख, जावेद चिश्ती, शौकत हुसैन, इरशाद खांन, मुराद गांधी, पार्षद अशरफ गुज, मोहन लाल मीणा, रामलाल सण्डीला, एडवोकेट सलमान मियां, अकबर मो. मियां, आसिम पठान के अलावा बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

गांधी पार्क टोंक में धरना देकर घंटाघर चौराहे तक पैदल मार्च निकाला तथा केन्द्र सरकार के विरूद्ध प्रदर्शन किया।

सार-समाचार

सी.बी.एस.ई. परीक्षा में 'द राजस्थान स्कूल' के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

कोटपूतली, (निसं)। दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित द राजस्थान स्कूल के विद्यार्थियों का सी.बी.एस.ई. का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। प्रधानाचार्या शालिनी चौधरी ने जानकारी देते हूए बताया कि विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा परिणामों में हर वर्ष की भांति इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कला वर्ग में छात्रा साक्षी कंसल पुत्री पवन कंसल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, साक्षी यादव पुत्री सुभाष चंद यादव ने द्वितीय एवं जलधि बंसल पुत्री विनीत बंसल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वाणिज्य संकाय में छात्र आदित्य गोयल पुत्र योगेश गोयल ने 96.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, पलक अग्रवाल पुत्री मनीष अग्रवाल व विधान अरोडा पुत्र हिमांशु अरोडा क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। विज्ञान वर्ग में छात्रा पूनम पुत्री कैलाश सिंह शेखावत ने 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम एवं छात्र पारस कुमार स्वामी पुत्र अशोक कुमार स्वामी व हर्ष पुत्र अजय कुमार ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। उप प्रधानाचार्य रमेश सकलानी के अनुसार वाणिज्य व विज्ञान वर्ग के सराहनीय परिणाम के साथ ही कला वर्ग का परिणाम उत्कृष्ट रहा जिसमें 13 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। छात्रा साक्षी यादव व साक्षी कंसल ने क्रमशः भूगोल व शारीरिक शिक्षा में शत प्रतिशत अंक अर्जित किए। 12वीं के नतीजों के साथ ही जारी 10 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में भी विद्यार्थियों ने नए कीर्तिमान स्थापित किए है। छात्र तनिष्क पुत्र दिनेश अग्रवाल ने सर्वाधिक 98 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रा अदिति पुत्री करणसिंह यादव व पार्थ पुत्र गोविंद शरण बंसल ने 97.60 अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान और छात्र अनुभव पुत्र अंजनी गोयल ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रहे।

असंगठित कामगार हेतु शिविर आयोजित

अलवर, (निसं)। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार असंगठित क्षेत्र के कामगारों हेतु माह के दूसरे और चौथे शनिवार को शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी श्याम लाल साटोलिया ने बताया कि शिविर में मनरेगा श्रमिक, आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा सहयोगिनी, मिड डे मील वर्कर, स्ट्रीट वेंडर हेतु मोबाइल नम्बर से लिंक आधार कार्ड एवं बैक पास बुक की प्रति लाना आवश्यक होगा। इच्छुक कामगार जिला रोजगार कार्यालय स्कीम नं. 5 मंगल विहार में कार्यालय कार्य दिवस में 9:30 बजे से 11:30 बजे तक उपस्थित होकर श्री सुरेन्द्र कुमार मो.नं. 7905661228 से सम्पर्क कर सकते हैं।

आवेदकों को पट्टे वितरण किये

फुलेरा, (निसं)। राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत चलाये जा रहे प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत लगाए जा रहे शिविर के दौरान आवेदकों को पट्टे वितरण किए गए है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शिकेश कांकरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन को भरपूर लाभ लेना चाहिए। वहीं आगे बताया कि शुक्रवार को वार्ड नम्बर 2 में आयोजित दो दिवसीय शिविर के दौरान आवेदकों को 16 पट्टे, 4 नामांतरण, 2 निर्माण आज्ञा जारी कर वितरण किये गये। इस अवसर पर नगरपालिका का स्टाफ एवं जनप्रतिनिधियों सहित आमजन उपस्थित रहे।

कावड़ियों के लिए लगाया शिविर

बहरोड/मुण्डावर, (निसं)। नीमराना कस्बे के नजदीकी मुंडावर उपखण्ड के ग्राम पंचायत जसाई सरपंच व सरपंच संघ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा के कार्यालय पर श्रावण माह के चलते कावडियों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इसके पश्चात 26 जुलाई को अमावस्या पर्व को श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। वीरेंद्र उर्फ वीरू सरपंच ने ग्रामीणों के साथ शिविर का प्रातः विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ शुभारंभ किया। वहीं शिव भक्तों ने बताया कि यह शिविर श्रावण माह में शिवरात्रि कावड चढने तक रहेगा। जसाई गांव के शिव भक्त सरपंच वीरेंद्र ने बताया कि शिवभक्तों को हरिद्वार, गंगोत्री आदि स्थानों से कावड लाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पडता है। उनकी प्राथमिक जरूरी सुख सुविधाओं का ध्यान रखते हुए सेवा करने से पुण्यार्जन का मौका मिलेगा। इस अवसर पर पंडित वीरेंद्र सरपंच, सुरेन्द्र सिंह, मिंटू चौधरी, जसवीर, सुभाष चौधरी, महेश मीणा, संजय, रामनिवास चौधरी, यशवंत,चौधरी, जीतू, मोनु चौधरी, राजू चौधरी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिला कलक्टर के निर्देशन में खनिज विभाग, परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा अभियान के अन्तर्गत संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न स्थानों टहला, टपूकडा, भिवाडी में अवैध रूप से खनिज बजरी, स्टोन डस्ट, चिनाई पत्थर का परिवहन करने पर 6 खनिज वाहन (1 ट्रैक्टर-ट्रॉली व 5 डम्पर) को जब्त कर पुलिस थाना टहला, किशनगढ बास, टपूकडा व भिवाडी फेज-3 की सुपुर्दगी में दिये जाकर पेनल्टी कुल 7 लाख 42 हजार 560 रूपये की राशि आरोपित की गई तथा परिवहन विभाग द्वारा अलग से ओवरलोड की 2 लाख रूपये की शास्ति आरोपित की गई। इन 6 वाहनों में से एक वाहन खनिज बजरी से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक एवं मालिक के विरूद्ध पुलिस थाना टहला में मुकदमा दर्ज कराया गया।

31 तक सत्यापन कराना जरूरी

उनियारा, (निसं)। उनियारा तहसील क्षेत्र उनियारा के सभी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना के तहत तहसील क्षेत्र उनियारा के सभी लाभार्थी कृषकों को 31 जुलाई 2022 तक ई- केवाईसी (सत्यापन)कराना अनिवार्य है। तहसीलदार उनियारा कैलाश मीना ने बताया कि प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधी योजना में पात्र तहसील उनियारा के सभी लाभार्थी कृषक 31 जुलाई 2022 तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी पोर्टल पर ई-केवाईसी (सत्यापन जरूर करवा ले। ई-केवाईसी के अभाव में कृषकों को योजना की आगामी किस्त नहीं मिलेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित कृषक की होगी

भव्य जागरण व मेला आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के स्टेशन रोड स्थित श्री शनि मंदिर में श्री शनिदेव भगवान के जन्मोत्सव पर भव्य जागरण व मेले का आयोजन 23 जुलाई शनिवार को किया जाएगा। आयोजक मंगल चंद भार्गव, गिरधारी लाल भार्गव व पंडित हरी कृष्ण शास्त्री, विकास भार्गव से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को प्रातः 5:15 बजे दुग्ध व तेल अभिषेक, 5:30 बजे पुष्प श्रृंगार, सायकाल 6 बजे जन्मोत्सव, 7 बजे भव्य आरती तथा रात्रि 9 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। बताया गया है कि जागरण में बंटी तिलकधारी एंड पार्टी द्वारा कला का प्रदर्शन किया जाएगा।

जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में एसी ब्लास्ट से दो मैकेनिक झुलसे

चाकसू, (निसं)। कस्बे के ग्राम रामपुरा के नजदीक 12 बाईपास स्थित जगन्नाथ यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में एसी की रिपेयरिंग के दौरान ब्लास्ट होने के कारण दो मैकेनिक बुरी तरीके से झुलस गए। घटना के बाद यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने तत्काल घायल मैकेनिकों को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में लगी एसी की रिपेयरिंग करने के लिए जयपुर से दो मिस्त्री आए हुए थे। सुधारने के दौरान अचानक एसी का कंप्रेसर धमाके के साथ फट गया। धमाका इतनी जोर से हुआ कि आसपास में अफरा-तफरी मच गई। उसकी चपेट में आने से दोनों मैकेनिक झुलस गए जिन्हें तत्काल चाकसू स्थित जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया जहां उनकी हालत अब सुधार है और स्थिति स्थिर बनी हुई है। गनीमत रही कि बडा हादसा टल गया खबर मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

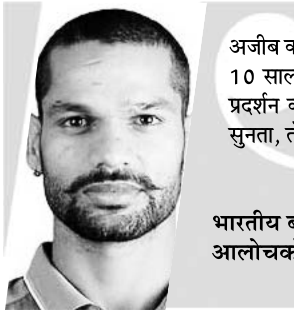

अजीब क्या लगेगा, अब तो (ऐसा सुनते हुए) 10 साल हो गये हैं। लोग बोलते रहते हैं, मैं प्रदर्शन करता रहता हूं। अगर मैं उनकी बात सुनता, तो मैं आज यहां नहीं होता।

– शिखर धवन

भारतीय बल्लेबाज, अपनी आलोचकों पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **स्मृति मंधाना**

राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल किये गये महिला क्रिकेट के शुरुआती मुकाबले में भारतीय टीम के सामने पांच बार की टी20 विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी लेकिन अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इस प्रतिद्वंद्वी को मजबूत मानने से इनकार कर दिया। मंधाना ने कहा कि टीम ने अपने हर प्रतिद्वंद्वी के लिए योजनाएं बनायी है। हमने कई टूर्नामेंटों के शुरूआती मैचों में ऑस्ट्रेलिया का सामना किया है।'' भारतीय उपकप्तान ने कहा, '' टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी भी को मात दे सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेदु ताएब ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

जडेजा घुटने में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन, 22 जुलाई। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा शुक्रवार को घुटने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले उनकी फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक,

''रविंद्र जडेजा के दाहिने घुटने में चोट लगी है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे से बाहर हो गए हैं।'' उन्होंने बताया, ''बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है और तीसरे एकदिवसीय में उनके भाग लेने पर फैसला उसी के अनुसार लिया जाएगा। वेस्टइंडीज टीम में वापसी करने वाले दिग्गज हरफनमौला जेसन होल्डर भी कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस मैच में चयन के लिये उपलब्ध नहीं थे।

36वें राष्ट्रीय खेलों का प्रतीक चिन्ह लॉन्च

गांधीनगर, 22 जुलाई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में आयोजित होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन को राज्य भव्य सफलता के साथ संपन्न करेगा। पटेल ने इस संदर्भ में कहा कि गुजरात को सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 36वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का सौभाग्य मिला है। राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने के लिए गुजरात आने वाले देश भर के खिलाड़ियों के स्वागत के लिए राज्य के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और विभिन्न संगठनों सहित नागरिकों में भी अदम्य उत्साह है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आज गांधीनगर में 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल के लोगो यानी प्रतीक चिह्न को लॉन्च किया गया तथा इस स्पर्धा के सफल आयोजन के लिए गुजरात सरकार, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और गुजरात राज्य ओलंपिक संघ के बीच त्रिपक्षीय समझौता करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह एमओयू राष्ट्रीय खेलों के शानदार आयोजन को निर्विघ्न पूरा करने के लिए आधार स्तंभ साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से भारत में खेल क्षेत्र के स्वर्णिम युग का सूत्रपात हो चुका है। भारत में खेल संस्कृति, खेल समुदाय और अनुशासन विकसित हो रहा है। 'फिट इंडिया' जैसा अभियान चलाकर प्रधानमंत्री ने देश में खेल और फिटनेस को लेकर एक जोश और जुनून पैदा किया है। श्री मादी के मार्गदर्शन में गुजरात ने व्यापक फलक पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है। गुजरात अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पर्धाओं और ओलंपिक जैसे मेगा स्पोर्ट्स इवेंट के आयोजन के लिए तैयारी कर रहा है और 36वें राष्ट्रीय खेल इसमें पूरक साबित होगा।

ऑस्ट्रिया को हराकर जर्मनी महिला यूरो के सेमीफाइनल में

लंदन, 22 जुलाई। जर्मनी ने अलेक्सांद्रा पोप के गोल की मदद से आस्ट्रिया को 2-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चोटिल होने के कारण पिछली दो चैंपियनशिप में नहीं खेल पाने वाली पोप का यह चार मैचों में चौथा गोल है। आस्ट्रिया के खिलाफ टीम की कप्तानी कर रही पोप ने 90वें मिनट में जर्मनी के लिये दूसरा गोल करके उसकी जीत सुनिश्चित की। इससे पहले उन्होंने 25वें मिनट में लिना मैगुल को गोल करने में मदद पहुंचाई थी। आठ बार के यूरोपीय चैंपियन जर्मनी ने 2016 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। जर्मनी सेमीफाइनल में फ्रांस या नीदरलैंड से भिड़ेगा।

अब तक के दूसरे सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 200 मीटर दौड़ जीती जमैका की जैकसन ने

यूजीन, 22 जुलाई। शेरिका जैक्सन ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ 21.45 सेकंड में पूरी करके अब तक का दूसरा सबसे तेज समय निकाला और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जमैका को महिलाओं की फर्राटा दौड़ में एक और स्वर्ण पदक दिलाया। जैक्सन ने हमवतन शेली एन फ्रेजर प्राइस से 0.16 सेकेंड बेहतर समय निकाला। फ्रेजर प्राइस ने इससे 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। ब्रिटेन की मौजूदा चैंपियन डीना आशेर स्मिथ ने कांस्य पदक जीता। जमैका ने इस तरह से महिलाओं की फर्राटा दौड़ में दांव पर लगे छह में से पांच पदक जीते। जैक्सन का समय सियोल में 1988 के ओलंपिक में फ्लोरेंस ग्रिफिथ जॉयनर 21.34 सेकेंड के समय के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ समय है। उन्होंने इस तरह से नीदरलैंड की डैफने शिपर्स के 21.63 के विश्व चैम्पियनशिप के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेहर ने आखिरी होल में बर्डी के साथ जीता डब्ल्यूपीजीटी के 10वें चरण का खिताब

बेंगलुरु, 22 जुलाई। सेहर अटवाल ने दबाव की परिस्थितियों में आखिरी होल में बर्डी लगाकर शुक्रवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 10वें चरण में सत्र का अपना पहला खिताब जीता। सेहर अपने पिछले दो टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी। यहां के 'प्रेस्टिज गोल्फशर' में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन खिताब के चार दावेदार थे लेकिन सेहर ने आखिरी होल में बर्डी लगाकर पार 72 के कार्ड के साथ जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 का रहा। नयनिका सांगा (70) और नेहा त्रिपाठी (72) एक समान तीन अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे जबकि स्नेहा सिंह (72) दो अंडर 214 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रही।

नीरज चोपड़ा पहली बार विश्व एथलेटिक्स के फाइनल में

यूजीन 22 जुलाई। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा ने गुरुवार (भारत में शुक्रवार सुबह) को अपने पहले विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। क्वालीफिकेशन ग्रुप-ए में, टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के लिये पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले एथलीट 24 वर्षीय नीरज ने फाइनल में पहुंचने के अपने पहले प्रयास में 88.39 मीटर का थ्रो रिकॉर्ड किया।

अमेरिका के यूजीन में हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए स्वत: योग्यता चिह्न 83.50 मीटर आंका गया है। नीरज के अलावा, चेक गणराज्य के टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज ने ग्रुप-ए में 85.23 मीटर के थ्रो के साथ स्वचालित योग्यता अंक को तोड़ दिया।

नीरज दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। लंदन में 2017 संस्करण में, 24 वर्षीय फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे थे। तब नीरज ने 82.26 मीटर थ्रो रिकॉर्ड किया था और फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे थे। वह कोहनी की सर्जरी के कारण 2019 में हिस्सा नहीं ले पाये थे।

भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एकलौता पदक 2003 में जीता था, जब अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया था। अब शीर्ष जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 19 साल बाद भारत के पदक की उम्मीद बनकर प्रतियोगिता में उतरे हैं।

नीरज अपने स्वर्णिम करियर में ओलंपिक, एशियाई खेल, अंडर-20 विश्व, राष्ट्रमंडल खेल और डायमंड लीग में पदक जीत चुके हैं। विश्व चैंपियनशिप एकलौता महत्वपूर्ण आयोजन है जहां उन्होंने अब तक पदक नहीं जीता। इस बार उनसे यह उपलब्धि भी हासिल करने की उम्मीद की जा रही है।

वनडे धीमी मौत मर रहा है लेकिन टेस्ट क्रिकेट अभी भी मजबूत : उस्मान ख्वाजा

यह मेरी अपनी निजी राय है। मुझे पता है कि बहुत सारे लोगों का भी यही दृष्टिकोण है। आपके पास टेस्ट क्रिकेट है, जो शिखर पर है। आपके पास टी 20 क्रिकेट है, जिसमें स्पष्ट रूप से दुनिया भर में लीग हैं। हर कोई इसे देखना पसंद करता है। इन दोनों के बाद वनडे क्रिकेट है, जिसका प्रभाव कम हो रहा है। शायद यह इन तीनों फ़ॉर्मेट में अंतिम पायदान पर है।

मेलबोर्न, 22 जुलाई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख़्वाजा के अनुसार वनडे क्रिकेट ''एक धीमी मौत'' मर रहा है। उनके लिए बेन स्टोक्स का वनडे क्रिकेट से संन्यास लेना कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है।

31 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेन स्टोक्स ने क्रिकेट अधिकारियों को खिलाड़ियों के साथ ''गाड़ी'' जैसा व्यवहार ना करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई है कि उनके वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के निर्णय से सब सचेत होंगे। स्टोक्स के अनुसार अभी काफ़ी ज़्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है, इससे किसी भी खिलाड़ी के लिए तीनों फ़ॉर्मेट में खेलना काफ़ी मुश्किल हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज़ उस्मान ख़्वाजा 2019 के बाद से सीमित ओवर के क्रिकेट में शामिल नहीं हुए हैं। उनके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के परिमाण को देखते हुए आगे चल कर 50 ओवर क्रिकेट में भारी कटौती होगी।

यह मेरी अपनी निजी राय है। मुझे पता है कि बहुत सारे लोगों का भी यही दृष्टिकोण है। आपके पास टेस्ट क्रिकेट है, जो शिखर पर है। आपके पास टी 20 क्रिकेट है, जिसमें स्पष्ट रूप से दुनिया भर में लीग हैं। हर कोई इसे देखना पसंद करता है। इन दोनों के बाद वनडे क्रिकेट है, जिसका प्रभाव कम हो रहा है। शायद यह इन तीनों फ़ॉर्मेट में अंतिम पायदान पर है।

व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा लग रहा है कि वनडे क्रिकेट धीमी मौत मर रहा है। अभी भी विश्व कप है, जो मुझे लगता है कि वास्तव में मज़ेदार है और यह देखना सुखद है लेकिन इसके अलावा व्यक्तिगत रूप से मुझे वनडे क्रिकेट उतना पसंद नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को अपने गर्मियों के सीज़न का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी कर दिया। इसके बाद ख़्वाजा ने वनडे क्रिकेट पर अपने विचार रखे। ख़्वाजा ने कहा कि मौजूदा समय में ऐसा नहीं है कि तीनों फ़ॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ी नहीं बनाए जा सकते लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है।

भारत ने विंडीज को दिया 309 रनों का लक्ष्य, शतक से चूके शिखर धवन

पोर्ट ऑफ स्पेन, 22 जुलाई। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल, में खेले जा रहे पहले वनडे मैच में 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 308 रन बनाए हैं। भारत के कप्तान शिखर धवन शतक बनाने से चूक गए। उन्होंने सर्वाधिक 97 रन बनाए। वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। शुभमन गिल और धवन ने भारत को दमदार शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। गिल 64 रन बनाकर आउट हुए। धवन 97 रन बनाकर आउट हुए और शतक पूरा करने से तीन रन चूक गए। श्रेयस अय्यर ने 54 रन का योगदान दिया। सूर्यकुमार सिर्फ 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर संजू सैमसन ने 12 रन बनाए। दीपक हुड्डा ने 32 गेंद में 27 रन का योगदान दिया। पटेल ने 21 रन बनाए।

चोट के कारण आफरीदी श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

कराची, 22 जुलाई। पाकिस्तान के तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह आफरीदी श्रीलंका के ख़िलाफ़ गॉल में रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पीसीबी ने एक बयान में कहा कि आफरीदी को पहले टेस्ट के चौथे दिन घुटने में चोट लग गई थी। आफरीदी ने पहले टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें 14.1 ओवर में 58 रन पर चार विकेट लेकर मेज़बान टीम को 222 रन पर ढेर कर दिया था, लेकिन उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में केवल सात ओवर फेंके और तीसरे दिन दर्द में रहने के बाद मैदान छोड़ दिया था। हालांकि, वह टेस्ट अंत तक श्रीलंका में पाकिस्तान दल के साथ रहेंगे, ''जहां उनका प्रारंभिक रिहैबिलिटेशन और प्रबंधन, टीम के मेडिकल स्टाफ़ की देखरेख में जारी रहेगा।'' अफ़रीदी को शुरू में डाइव लगाने के प्रयास के बाद मैदान में घूमते देखा गया था और उसके बाद उनके घुटने के चारों ओर लिपटे एक आइस पैक के साथ पाया गया था।

कश्यप और तनीषा ताइपे ओपन में हारे

ताइपे, 22 जुलाई। तीसरे वरीय पारूपल्ली कश्यप और तनीषा क्रास्टो के शुक्रवार को यहां क्रमश: एकल और युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में करीबी हार से ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय अभियान खत्म हो गया। कश्यप का सुपर 200 टूर्नामेंट में शानदार सफर मलेशिया के सूंग जू वेन से 55 मिनट तक चले मुकाबले में 12-21 21-12 17-21 की हार से समाप्त हो गया।

बीसीसीआई ने अंपायरों के लिए शुरू की ए प्लस श्रेणी

मुम्बई, 22 जुलाई। आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य नितिन मेनन उन दस अधिकारिक लोगों में शामिल हैं जिन्हें बीसीसीआई के अंपायरों की नई शुरू की गई ए प्लस श्रेणी में शामिल किया गया है। अन्य में जो चार अंतर्राष्ट्रीय अंपायर शामिल हैं वह हैं अनिल चौधरी, मदनगोपाल जयरामन, वीरेंद्र शर्मा और केएन अनंतापद्मनाभन। रोहन पंडित, निखिल पटवर्धन, सदाशिव अय्यर, उल्हास गांधे और नवदीप सिंह सिद्धू भी ए प्लस श्रेणी का हिस्सा हैं।

सी शमशुद्दीन सहित 20 अंपायर ए ग्रुप में हैं, जबकि ग्रुप बी में 60, ग्रुप सी में 46 और ग्रुप डी में 11 अंपायर हैं, जो 60-65 आयु वर्ग में आता है। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अंपायर के हरिहरन, सुधीर आसनानी और अमीश साहेबा और बीसीसीआई अंपायरों की उप-समिति के सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों के बाद गुरुवार को एपेक्स काउंसिल की बैठक में पूरी सूची पेश की गई।

ए प्लस और ए श्रेणी वाले अंपायरों को प्रथम श्रेणी मैच के लिए प्रतिदिन 40,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि बी और सी श्रेणी वाले अंपायरों को प्रति दिन 30,000 रुपये मिलेंगे। हालांकि सूची को ''अंपायरों के उन्नयन'' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बोर्ड ने ग्रुप्स बनाए हैं। अधिकारी ने कहा, ''यह ग्रेडिंग नहीं है। ए प्लस नई श्रेणी का समूह है। कोई कह सकता है, ए प्लस और ए में सर्वश्रेष्ठ भारतीय अंपायर होंगे। बी और सी श्रेणी के अंपायर भी अच्छे हैं।''

गावस्कर के नाम पर इंग्लैंड में स्टेडियम

लंदन, 22 जुलाई। भारत के महान बल्लेबाजसुनील गावस्करविश्व क्रिकेट में एक बड़ा चेहरा हैं। अमेरिका के कैंटकी और तंजानिया के जांसीबार के बाद अब इंग्लैंड में भी उन्हें एक बड़ा सम्मान मिला है। इंग्लैंड में एक स्टेडियम के नाम को बदलकर सुनील गावस्कर किया जा रहा है। 23 जुलाई को लीसेस्टर क्रिकेट ग्राउंड के एक समारोह में इस स्टेडियम को नया नाम मिलेगा। यह पहली बार है जब इंग्लैंड में किसी क्रिकेट स्टेडियम का भारतीय क्रिकेटर के नाम पर रखा जाएगा।

दरअसल लीसेस्टर क्रिकेट के नाम को बदलने की मुहिम भारतीय मूल के सांसद रहे कीथ वाज ने शुरू किया था। कीथ वाज इंग्लैंड में लंबे समय तक सांसद के रूप में लीसेस्टर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने ही इस मैदान के नाम को बदलकर सुनील गावस्कर करने की कवायद शुरू की। इस सम्मान पर गावस्कर ने कहा, मैं बहुत ही खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि लीसेस्टर में एक मैदान का नाम मेरे नाम पर रखा जा रहा है। लीसेस्टर संभवत: खेल के सबसे मजबूत समर्थकों वाला शहर है, विशेष रूप से भारतीय क्रिकेट, और इसलिए यह वास्तव में एक बड़ा सम्मान है।

वहीं स्टेडियम के नाम में बदलाव को लेकर लीसेस्टर के सांसद रह चुके कीथ ने कहा, हम बेहद ही सम्मानित और रोमांचित महसूस कर रहे हैं कि सुनील गावस्कर ने अपने नाम पर हमें पिच और ग्राउंड का नाम रखने की अनुमति दे दी। वह दुनिया के महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने सालों से अपनी रिकॉर्ड ब्रेकिंग प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमियों को खुश करते रहे। वह केवल लिटिल मास्टर नहीं बल्कि इस खेल के ग्रेट मास्टर भी हैं।

गावस्कर भारत के लिए कुल 125 टेस्ट मैच खेल जिसमें उन्होंने 34 शतक के साथ 10122 रन बनाए। इस फॉर्मेट में रन बनाने का उनका औसत 51.12 रहा। वहीं उन्होंने 108 वनडे मैच खेले जिसमें उनके नाम 3092 रन दर्ज है।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिये महिला क्रिकेट टीम के छह सदस्यों को वीजा का इंतजार

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिये रवाना होने में 48 घंटे से कम समय रह गया है लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट दल की छह सदस्यों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। महिला क्रिकेट राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहा है। भारतीय टीम इस समय बेंगलुरू में ट्रेनिंग कर रही है और उसे रविवार को बर्मिंघम के लिये रवाना होना है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) इस मुद्दे पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से संपर्क में है। आईओए सूत्र ने कहा, ''कुछ वीजा आज मिल गये लेकिन अभी छह वीजा मिलने बाकी हैं जिसमें तीन खिलाड़ियों और तीन खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के हैं। '' उन्होंने कहा, ''बाकी वीजा कल तक आ जाने चाहिए। वैसे भी हमारा इस प्रक्रिया में कोई नियंत्रण नहीं है।

मैकुलम ने स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया

लंदन, 22 जुलाई। इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रेंडन मैकुलम ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने के फैसले को पूरी तरह सकारात्मक नजरिए से देखते हैं लेकिन वह इसको लेकर सुनिश्चित नहीं है कि क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए कहीं यह चलन नहीं बन जाए। विश्व कप 2019 के फाइनल के नायक स्टोक्स ने सोमवार को वनडे से संन्यास लेने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने कहा था कि तीनों प्रारूपों में खेलना उनके लिए असंभव है। मैकुलम से जब पूछा गया कि क्या वह स्टोक्स के फैसले से खुश हैं तो उन्होंने कहा, ''हां मैं उनके फैसले से खुश हूं।''

मैकुलम से यह भी पूछा गया कि क्या स्टोक्स का कदम दुनिया के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी चलन बन जाएगा। इस पर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या कम है। वह (स्टोक्स) ऐसा फैसला कर सकता था लेकिन यह व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए समय की मांग भी थी और उन्होंने टेस्ट कप्तान की अपनी भूमिका को प्राथमिकता में रखा।'' उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि यह पूरे विश्व भर में चलन बन जाएगा लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसे पूरी तरह से सकारात्मक रूप से देखता हूं। मैं अब स्टोक्स के साथ अधिक समय बिताने को लेकर उत्साहित हूं।'' स्टोक्स का फैसला कई के लिये चौंकाने वाला रहा क्योंकि वह अभी केवल 31 साल के हैं लेकिन मैकुलम इसके दूसरे पहलू पर गौर करते हैं।

भवानी देवी प्रथम खेलो इंडिया फेंसिंग विमेंस लीग का हिस्सा बनेगी

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। प्रथम खेलो इंडिया फेंसिंग विमेंस लीग 25 जुलाई से नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में शुरू होने वाली है। महिलाओं के लिए अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता तीन चरणों में 29 जुलाई तक आयोजित होगी। कैडेट (अंडर-17), जूनियर (अंडर-20) और सीनियर (13 और ऊपर) श्रेणियों में 20 राज्यों में 300 से अधिक महिलाओं ने इसमें भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। टोक्यो ओलंपियन और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) की एथलीट भवानी देवी तलवारबाजी के आयोजन में सीनियर वर्ग की लीग में प्रतिभागी होंगी। वह तमिलनाडु राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इसके अलावा, लीग में भाग लेने वाले अन्य टॉप्स एथलीटों में श्रेया गुप्ता (जम्मू-कश्मीर) - तलवारबाजी, वेदिका खुशी (छत्तीसगढ़) - तलवारबाजी, तनिक्षा खत्री (हरियाणा) - एपी और शीतल दलाल (हरियाणा)- एपी शामिल हैं।

डेब्यू पर सुंदर ने लंकाशायर को बल्ले से रोमांचक जीत दिलाई

लंदन,22 जुलाई। वॉशिंगटन सुंदर ने लंकाशायर के लिए पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद नॉर्थेम्प्टनशायर के विरुद्ध काउंटी चैंपियनशिप मैच में चौथी पारी में 34 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए मेहमान टीम को चार विकेट से एक बहुमूल्य जीत दिलाने में मदद की। नॉर्थैम्प्टन में इस जीत के साथ लंकाशायर फ़िलहाल हैंपशायर से केवल एक अंक पीछे काउंटी चैंपियनशिप के पहले डिवीज़न के तीसरे स्थान पर है, हालांकि हैंट्स और ग्लॉस्टरशायर के मैच का चौथा दिन अब तक पूरा नहीं हुआ है।

प्रो. कबड्डी सीजन 9 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 5-6 अगस्त को मुंबई में

मुंबई, 22 जुलाई। वीवो प्रो कबड्डी लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने सीजन नौ के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 5-6 अगस्त को मुम्बई में आयोजित करने की घोषणा की है। घरेलू, विदेशी और नए युवा खिलाड़ियों को चार वर्गों ए, बी, सी और डी में बांटा गया है। खिलाड़ियों को हर वर्ग में आलराउंडर, डिफेंडर और रेडर में बांटा जाएगा। हर वर्ग में आधार मूल्य इस प्रकार है वर्ग ए-30 लाख रुपये, वर्ग बी-20 लाख रुपये, वर्ग सी-10 लाख रुपये और वर्ग डी छह लाख रुपये। हर फ्रेंचाइजी के लिए उपलब्ध कुल सैलरी पर्स चार करोड़ 40 लाख रुपये है। सीजन नौ के लिए खिलाड़ियों का पूल बढ़ाकर 500 कर दिया गया है जिसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स बेंगलूर की शीर्ष दो टीमों के 24 खिलाड़ी शामिल हैं। प्रो कबड्डी लीग की टीमों के पास सीजन आठ की अपनी टीमों के खिलाड़ियों को रिटेन करने का अधिकार है।

सितंबर-अक्टूबर में टी-20 विश्व कप से पहले भारत का दौरा करेंगे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई, 22 जुलाई। भारत 20 सितंबर से 11 अक्टूबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ तीन टी20 और साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज़ खेलेगा। 16 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप में जाने से पहले तीनों टीमों के लिए ये आख़िरी सीरीज़ होगी। ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ तीन टी20 मैच क्रमश: 20, 23 और 25 सितंबर को मोहाली, नागपुर और हैदराबाद में खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज़ 28 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और इंदौर में खेली जाएगी। जबकि इसके बाद होने वाली वनडे सीरीज़ 6 से 11 अक्टूबर के बीच रांची, लखनऊ और दिल्ली में खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ के समय प्रमुख भारतीय टी20 टीम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने की उम्मीद है। भारत की तरह दक्षिण अफ्रीका भी उन तीन मैचों अपनी दूसरे दर्जे की टीम उतार सकता है।

यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि भारत ने दूसरे देशों के साथ एक ही समय चल रही अलग-अलग सीरीज़ों और कभी-कभी नियमित खिलाड़ियों को एक व्यस्त कैलेंडर से ब्रेक देने के कारण हाल ही में दूसरे दर्जे की टीमों को मैदान में उतारा है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने जून में जो कहा था, उसके अनुरूप है: मैंने एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ चर्चा की है और हमारे रोस्टर में हमेशा 50 खिलाड़ी होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ पाक की हालिया जीत 1987 में भारत के खिलाफ मिली की तरह : रमीज

कराची, 22 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ हालिया जीत को 1987 में भारत के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में मिली ऐतिहासिक जीत के बराबर करार देते हुए टीम की तारीफ की। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में जीत के लिए मिले 342 रन के लक्ष्य को मैच के पांचवें दिन हासिल कर इतिहास रच दिया। टीम ने गॉल में चौथी पारी में सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के साथ श्रृंखला में 1-0 की बढ़त कायम की।

पुबुदु दासानायका ने नेपाल मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया

काठमांडू, 22 जुलाई। पूर्व श्रीलंकाई विकेटकीपर पुबुदु दासानायका ने नेपाल नेशनल टीम के मुख्य कोच पद से पारिवारिक कारणों से इस्तीफ़ा दिया है। उनके अनुबंध में अभी डेढ़ साल का समय बचा था और अब वह 2023 के अंत तक कनाडा के मुख्य कोच का पद संभालेंगे।

52 वर्षीय दासानायका 1990 के दशक में टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद 2001 से ओंटारियो, कनाडा के ही निवासी हैं। उन्होंने 2005 में आयरलैंड में खेले गए आईसीसी ट्रॉफ़ी में पहली बार कनाडा का प्रतिनिधित्व किया था और अपनी टीम को 2007 के विश्व कप के लिए क्वालिफ़ाई करने में अहम भूमिका निभाई थी। 2007 से 2011 विश्व कप तक वह कनाडा के मुख्य कोच भी थे। यह कनाडा के लिए 50 ओवर विश्व कप खेलने का आख़िरी मौक़ा था। उसके बाद वह नेपाल टीम से जुड़े और 2015 तक मुख्य कोच बने रहे और इस दौरान नेपाल को 2014 में पहली बार टी20 विश्व कप तक पहुंचाया।

दासानायका 2016 से 2019 तक यूएसए के मुख्य कोच थे और इसके बाद उन्होंने दिसंबर 2021 में दूसरी बार नेपाल की कमान संभाली। हालांकि उन्होंने कहा कि कोविड के चलते उन्होंने अपने पारिवारिक जीवन को ज़्यादा प्राथमिकता देने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा, कोविड के दौरान मैं क्रिकेट से दूर था।

युनाइटेड किंगडम के चैस्टर ज़ू में दुर्लभ प्रजाति की हमबोल्ट पैनग्विन के नौ चूज़ों का जन्म हुआ है। यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर है। अण्डे से निकलने के बाद शुरुआती कुछ हफ्तों तक माता-पिता की देखभाल में चूज़े अपने घोंसले में ही रहे। ज़ू में पैनग्विन व पैरट्स की कीपर सोफी बिस्सेकर ने कहा, ''पैनग्विन के घोंसलों से आती हल्की-हल्की चहचहाट सुनने और माता-पिता से चिपकी छोटी-छोटी मुलायम गेंदों को देखने से बेहतर कुछ भी नहीं। हम भाग्यशाली हैं, ये चहचहाटें बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि यहां 9 बच्चों ने जन्म लिया है।'' हमबोल्ट पैनग्विन के चूज़े जब अण्डों से निकलते हैं तब उनका वजन 80 ग्राम तक होता है और पहले हफ्ते में ही इनका आकार तीन गुना हो जाता है। वयस्क पैनग्विन 26-28 इंच लम्बे और 10 पाउण्ड तक वजन के होते हैं। जन्म के बाद शुरुआती तीन माह तक माता- पिता ही बच्चों की देखभाल करते हैं। माता पिता मछली को निगलते हैं फिर उसे हाई प्रोटीन वाले लिक्विड में बदलकर उगल देते हैं और अपने बच्चों को खिलाते हैं। स्टाफ ने बताया कि, नए चूज़े अपने माता- पिता की निगरानी में तैरना सीख रहे हैं। बिस्सेकर ने कहा, पैनग्विन के चूज़ों ने घोंसले से बाहर निकल कर अपने माता- पिता से तालाब में तैरने का सबक लेना शुरु कर दिया है, इसके साथ ही वो मछली पकड़ना भी सीखेंगे। कुछ ही हफ्तों में उनके सलेटी पंख हटने लगेंगे और काले-सफेद पंख दिखाई देंगे। ये पंख वॉटर प्रूफ होते हैं। ज़ू कीपर्स ने चूज़ों का नाम फलों के आधार पर रखा गया है। सबसे पहले बाहर आने वाले चूज़े का नाम प्लम, इसके बाद वालों के नाम क्रमशः सटसुमा, लैमन, पपाया, आयोना बैरी, पीच, चैरी, रूबार्ब और बनाना रखा गया है। हमबोल्ट पैनग्विन इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) की रैड लिस्ट में ''वल्नरेबल'' वर्ग में हैं। इसका अर्थ है कि प्राकृतिक आवास में इनके विलुप्त होने का भारी खतरा है और ये ''एन्डेन्जर्ड'' वर्ग में आने से मात्र एक कदम ही दूर हैं। आई.यू.सी.एन. के अनुसार विश्व में हमबोल्ट पैनग्विन की आबादी में केवल 23,800 वयस्क हैं। पैनग्विन की यह प्रजाति मूलतः चिली और पेरू के तटवर्ती भागों में मिलती है। इनके आवास के साथ बहने वाली ठंडी हमबोल्ट धारा में प्रचुर मात्रा में मछलियां, प्लैंकटन और क्रिल होते हैं जो इनका भोजन हैं। पैनग्विन की इस प्रजाति व इस ठंडी धारा को ''हमबोल्ट'' नाम 18वीं सदी के खोजी यात्री एलैक्ज़ैण्डर वॉन हमबोल्ट के नाम पर मिला है।

चीन में बैंकों के बाहर सेना के टैंक तैनात किये गये

लोग अपनी जमा पूंजी निकालने के लिए बैंकों के बाहर विरोध कर रहे हैं तथा बैंकों ने आर्थिक तंगी के कारण फिलहाल पैसा देने से मना कर दिया है

- **चीन ने 33 साल पहले भी विरोध की आवाज दबाने के लिए कुछ ऐसा ही किया था, तब सेना को लोगों के ऊपर टैंक चढ़ाने के आदेश दे दिये गये थे।**
- **चीन के हेनान प्रांत में एक बैंक ने कहा है कि, लोगों की जमा पूंजी को एक निवेश माना जायेगा और कुछ समय बाद ही उनका पैसा वापस लौटाया जायेगा।**
- **चीन के बैंकों को प्रॉपर्टी सैक्टर में मंदी के कारण भारी नुकसान हुआ है। यहां के आम लोगों की भी 70 प्रतिशत पूंजी रिएलिटी सैक्टर में लगी हुई है।**

बीजिंग, 22 जुलाई। चीन में बैंकों के आगे सेना के वॉर टैंक्स खड़े कर दिये गये हैं, दरअसल चीन के बैंकों में पैसा खत्म हो गया है या यूं कहें की बैंक रिजर्व एवं करंसी के संकट से गुजर रहे हैं। इस बीच बैंकों ने यह घोषणा की है कि, वे अपने निवेशकों और एवं अन्य प्रकार के पैसे जमा कराने वाले लोगों को फिलहाल उनका पैसा नहीं देंगे।

बैंकों की ओर से हुई इस घटना के विरोध में आम लोग एवं इन्वैस्टर्स सड़कों पर उतर आये हैं तथा खुलकर अपना विरोध जता रहे हैं लेकिन सरकार ने आम जनता के विरोध को दबाने का तानाशाही पूर्ण तरीका निकाला है। यहां बैंकों के बाहर सेना के टैंक खड़े कर दिये गये हैं।

चीन में हुई इस ताजा घटना ने 33 साल पुरानी तस्वीर एक बार फिर जिंदा कर दी है, चीन ने 33 साल पहले तियानमेन स्क्वायर कुछ ऐसा ही किया था, वो घटना अब भी लोगों के जहन में तरोताजा है। अब उसी घटना के जैसी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर एक बार फिर वायरल हो रहे हैं। जिनमें सड़कों पर टैंकों को खड़े हुए देखा जा सकता है। मामला ये है कि चीन के एक बैंक ने ऐसी घोषणा की है, जिसने निवेशकों को चिंता में डाल दिया है। जिन लोगों का पैसा इस बैंक में जमा है, वो बैंक के बाहर इकट्ठा हो गए हैं। इन्हीं लोगों को बाहर रोकने के लिए टैंक तैनात किए गए हैं। चीन के हेनान प्रांत में टैंकों की एक लंबी कतार देखी गई है और इसके पीछे का कारण बैंक का एक फैसला है।

चीन के बैंक की हेनान ब्रांच की तरफ से लोगों से कहा गया है कि उन्होंने जो भी रकम बैंक में जमा की है, वह अब एक निवेश माना जाएगा और उस पैसे को निकाला नहीं जा सकता है। यही वजह है कि बैंक के खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बैंक के बाहर बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारी एकत्रित हो रहे हैं। बैंक ने अपने यहां जमा सारे पैसे को फ्रीज कर दिया है और अब जमाकर्ता अपना पैसा जारी करने की मांग कर रहे हैं। जो रिपोर्ट्स आ रही हैं, उनके अनुसार, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) यानी चीनी सेना ने सड़कों पर टैंक तैनात करने का काम किया है। इसका मकसद है, बैंक की रक्षा करना।

मीडिया के अनुसार, हेनान प्रांत में स्थित इस बैंक की तरफ से जब से कहा गया है कि लोग यहां जमा अपने पैसे को नहीं निकाल सकते हैं, तभी से हड़कंप मचा हुआ है। इस घटना को 4 जून, 1989 में तियानमेन स्क्वायर पर हुई घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। जिसमें चीन सरकार ने सेना को आदेश दिया था कि वह लोगों पर टैंक चढ़ा दे। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। ठीक इसी समय चीन में इस घटना से जुड़े शब्दों को सेंसर कर दिया गया था। चीन के हेनान में स्थित बैंक ने लोगों से वादा किया था कि उनका पैसा 15 जुलाई तक लौटा दिया जाएगा। लेकिन कुछ ही लोगों को उनका पैसा वापस मिला है और बाकी के लोग अब भी इंतजार ही कर रहे हैं।

चीन के 31 में से 24 प्रांतों के लोग चीन के राष्ट्रपति शी जिपिंग की नीतियों से परेशान होकर विद्रोह पर उतर आए हैं। इन प्रांतों में 235 हाउसिंग प्रोजेक्ट के 1.3 करोड़ लोग होम लोन की किस्त जमा नहीं करा रहे हैं।

दरअसल, कोरोना काल के दौरान चीन में लॉकडाउन और सख्त कोविड नीतियों के चलते प्रॉपर्टी सेक्टर को काफी नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में समय पर प्रोजेक्ट पूरे नहीं पा रहे हैं।

गौहर चिश्ती 7 दिन की रिमाण्ड अवधि के बाद अदालत में पेश, भेजा जेल

पुलिस ने बताया कि अजमेर जिला पुलिस को रिमाण्ड अवधि के दौरान पूछताछ में गौहर चिश्ती के अजमेर से बाहर, देश से बाहर तथा पी.एफ.आई. से किसी तरह के लिंक होने के सबूत नहीं मिले हैं

- **चिश्ती ने गत 17 जून को मुस्लिम समुदाय की रैली में जो भड़काऊ बयान दिए और नारेबाजी की, वह उसने देश के माहौल से भावावेश में आकर की। पुलिस को गौहर चिश्ती के उदयपुर के टेलर कन्हैया लाल साहू हत्या प्रकरण में हाथ होने अथवा हत्या के आरोपित रियाज अत्तारी एवं गौस मोहम्मद से किसी तरह का संपर्क होने के प्रमाण नहीं मिले हैं। उदयपुर कांड में हत्यारों ने वही नारे लगाए, जो उसने लगाए थे, इसलिए वह घबरा कर अजमेर से फरार हो गया था।**

अजमेर, 22 जुलाई (कास)। सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के बाहर खड़े होकर भड़काऊ बयान देने व नारेबाजी करने के आरोप में गत सात दिन से पुलिस रिमाण्ड पर चल रहे खादिम गौहर चिश्ती को अदालत ने न्यायिक अभिरक्षा में हाई सिक्योरिटी जेल भेजने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि अजमेर जिला पुलिस को रिमाण्ड अवधि के दौरान पूछताछ में गौहर चिश्ती के अजमेर से बाहर, देश से बाहर तथा पीएफआई से किसी तरह के लिंक होने के सबूत नहीं मिले हैं। यह जानकारी दी अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने।

सांगवान शुक्रवार को सुबह अजमेर में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पुलिस को गौहर चिश्ती के बैंक खातों से भी किसी तरह का संदिग्ध ट्रांजिक्शन होने की जानकारी नहीं मिली है। गौहर चिश्ती ने गत 17 जून को मुस्लिम समुदाय की रैली में जो भड़काऊ बयान दिए और नारेबाजी की वह उसने देश के माहौल से भावावेश में आकर की। पुलिस को गौहर चिश्ती के उदयपुर के टेलर कन्हैया लाल साहू हत्या प्रकरण में हाथ होने अथवा हत्या के आरोपित रियाज अत्तारी एवं गौस मोहम्मद से किसी तरह का सम्पर्क होने के प्रमाण नहीं मिले हैं।

उदयपुर काण्ड में हत्यारों ने वही नारे लगाए, जो उसने लगाए थे, इसलिए वह घबरा कर अजमेर से फरार हो गया था। पुलिस ने पूछताछ के दौरान उससे सब जानकारी की तस्दीक की कि उसकी किसने मदद की एवं वह किस तरह अजमेर से हैदराबाद तक फरार हुआ। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में चार आरोपियों को भी पकड़ा था। इसके अलावा गौहर की मदद करने व फरारी में पनाह देने के आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया जिन्हें अदालत से जमानत मिल गई है। पुलिस से किसी अन्य खुफिया एजेंसी ने अभी तक कोई सम्पर्क नहीं किया है। पुलिस का अनुसंधान आरोपित के न्यायिक अभिरक्षा में रहते हुए भी जारी रहेगा।

श्रीलंका के नये प्रधानमंत्री बने दिनेश गुणवर्धने

कोलंबो, 22 जुलाई। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के सहपाठी और पूर्व पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन मिनिस्टर दिनेश गुणवर्धने अब प्रधानमंत्री बनाए जाएंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही राष्ट्रपति विक्रमसिंघे उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला सकते हैं। शुक्रवार को विक्रमसिंघे नए मंत्रिमंडल का भी ऐलान कर सकते हैं। गौरतलब है कि, श्रीलंका में विरोध प्रदर्शन के बाद पूर्व राष्ट्रपति

- **दिनेश गुणवर्धने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी फिलिप गुणवर्धने के बेटे हैं।**

गोटाबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग गए। इसके बाद संसद में हुए चुनाव में विक्रमसिंघे को सबसे ज्यादा वोट मिले और वह राष्ट्रपति चुने गए।

गोटाबाया राजपक्षे ने महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद विक्रमसिंघे के प्रधानमंत्री बनाया था। गोटाबाया के पलायन के बाद स्पीकर ने उन्हें कुछ दिनों के लिए कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया। श्रीलंका में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने कई बार भारत से मदद की गुहार लगाई है।

निर्णायक पड़ाव में पूरी तरह पिछड़ते नज़र आ रहे हैं ऋषि सुनक

कंज़र्वेटिव पार्टी के 730 सदस्यों में से 62 प्रतिशत ने बुधवार और गुरुवार को कहा कि, वे लिज़ ट्रस के पक्ष में मतदान करेंगे

- **'खलीज टाइम्स' की शुक्रवार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी कि, लिज़ ट्रस ने ऋषि सुनक पर 28 अंकों की बढ़त हासिल कर ली है।**
- **केवल 38 प्रतिशत सांसदों ने ऋषि सुनक को समर्थन देने की घोषणा की है।**

लंदन, 22 जुलाई (वार्ता)। ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री पद की दौड़ को लेकर चुनाव पूर्व किये गये एक सर्वे में विदेश मंत्री लिज ट्रूज भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ मजबूत स्थिति में दिखायी दे रही है। सुश्री ट्रूज ने सुनक पर 28 अंकों की बढ़त हासिल कर ली है।

'खलीज टाइम्स' की शुक्रवार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। इससे पहले गुरुवार को कंज़रवेटिव पार्टी के सदस्यों ने सुनक और सुश्री ट्रूज़ को प्रधानमंत्री पद की दौड़ में आखिरी स्तर तक पहुंचने के लिए वोट किया। अब इन दोनों में से कोई एक ब्रिटेन का प्रधानमंत्री होंगा।

सर्वे के मुताबिक कंजरवेटिव पार्टी के 730 सदस्यों में से 62 प्रतिशत ने बुधवार और गुरुवार को कहा कि वह ट्रूज़ के पक्ष में मतदान करेंगे और 38 प्रतिशत सुनक के साथ नजर आये, इनके अलावा बचे अन्य ने कहा कि वह वोट नहीं देंगे और या फिर अभी कुछ कह नहीं सकते। रिपोर्ट में बताया गया कि ट्रूज़ को देश में हर आयु समूह में भी सुनक पर बढ़त मिली है। केवल एक जगह जहां सुनक को ट्रूज पर बढ़त मिल सकती है, वह हैं बचे हुए 2016 वोट।

अंबानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उक्त जनहित याचिका में अंबानी के सिक्योरिटी कवर को चुनौती दी गई थी। केन्द्र सरकार को अंबानी परिवार को सिक्योरिटी कवर जारी रखने के निर्देश देते हुए बैंच ने हाई कोर्ट के याचिकाकर्ता को सुने जाने के अधिकार पर सवाल उठाया। उसने कहा कि हाई कोर्ट को जनहित याचिका पर सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अंबानी सरकार द्वारा उपलब्ध सिक्टोरिटी कवर की कीमत अदा कर रहे हैं।

मुर्मू को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा नेतृत्व वाले नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस प्रत्याशी के रूप में गुरुवार को निर्वाचित घोषित किया गया। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को मतों के भारी अन्तर से हराया। निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का 5 वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो रहा है। वे इस दिन अपने सामान सहित नए आवास 12 जनपथ में शिफ्ट हो जाएंगे जहां वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पड़ोसी होंगे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी उनके नए आवास तक छोड़ने जाएंगे। नवम्बर 12, जनपथ में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान करीब तीन दशक तक रहे थे।

जोहड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवैध रूप से मॉल, कॉलोनी और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति दे दी, जबकि अब्दुल रहमान के मामले में हाईकोर्ट तय कर चुका है कि तालाब, जोहड़, नदी-नाले आदि की जमीन पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके अलावा इकोलॉजिकल क्षेत्र की जमीन पर भी व्यावसायिक व आवासीय निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जोधपुर में बनेगा बार काउन्सिल का नया भवन

- **बार काउन्सिल के इस नए भवन के लिए सरकार ने 14.37 करोड़ रूपए मंजूर किए हैं।**

जोधपुर, 22 जुलाई (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ के परिसर में 14.37 करोड़ की लागत से बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान का नया भवन बनेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस भवन का निर्माण राजस्थान राज्य सडक़ विकास एवं निर्माण निगम (आरएसआरडीसी) द्वारा किया जाएगा। बार काउन्सिल के नवीन भवन के भूतल पर 500 व्यक्तियों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, स्ट्रॉन्ग रूम, विद्युत कक्ष व स्टाफ रूम आदि का निर्माण तथा जमीन तल पर बार काउन्सिल के सचिव व पदाधिकारियों के कक्ष व अन्य सुविधाएं तैयार की जाएंगी। इसके प्रथम व द्वितीय तल पर काउन्सिल के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन के कक्ष, मीटिंग हॉल, लाइब्रेरी, ड्राइवर डोरमैटरी, मल्टीपरपज हॉल तथा ऑफिस आदि का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष2022-23के बजट में इस संबंध में 8.53 करोड़ के वित्तीय प्रावधान की घोषणा की गई थी। ऑडिटोरियम एवं निर्माण क्षेत्र में बढ़ोतरी होने के कारण सुविधाओं का विस्तार करते हुए मु.मंत्री गहलोत ने 14.37 करोड़ रुपए की संशोधित राशि के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

भगौड़े

नई दिल्ली, 22 जुलाई (वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)- केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) हजारों करोड़ रुपए लूटकर भागने वाले नीरव मोदी, विजय माल्या, नितिन संदेशरा को नहीं पकड़ पाती है जबकि मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और दिल्ली सरकार दिखती है, जिन्होंने देश को शिक्षा और स्वास्थ्य का मॉडल दिया है।

सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में आज कहा कि भारत के इतिहास में भ्रष्टाचार का कीर्तिमान बनाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। जिसके नाम पर एक नहीं अनेकों भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हैं। जिसका राष्ट्रीय अध्यक्ष रक्षा सौदे में कैमरे पर दलाली लेते हुए पकड़ा गया हो, आज वह पार्टी एक के बाद दूसरे, तीसरे, चौथे तमाम मनगढ़ंत और फर्जी मामले दिल्ली सरकार के खिलाफ बना रही है।

चीन में ''सब प्राइम''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन घर खरीदने वालों को मकानों का पजेशन नहीं दिया जा रहा है।

इससे जनता क्रोधित हो गई, जो कि अधिकांशत: उन लोगों की आबादी है जो बीजिंग से लेकर शंघाई या शेंज़न तक फैली हुई है। यद्यपि मकानों के कई खरीदारों ने अपनी बकाया इन्टॉलमैन्ट्स चुका दी है, लेकिन वे बकाया चल रहे भविष्य के मॉर्टगेज पेमैन्ट्स को चुकाने से मना कर रहे हैं।

ये अनुभव प्रसन्नतादायक नहीं रहे हैं। कई होम कन्स्ट्रक्शन कम्पनियां फण्ड्स को लेकर संकट में फंस गई हैं। चीन की ज़ीरो कोविड की नीति के कई परिणाम हुए हैं। वैश्विक महामारी ने नए घरों की मांग में कमी ला दी है। अत: हाउसिंग कम्पनियों की व्यवहार्यता निरन्तर संशयशुक्त होती जा रही है।

दूसरे, विस्तृत क्षेत्रों में बार-बार लगाए गए लॉकडाउन ने उद्योग व कारोबार के प्रदर्शन पर असर डाला है। बड़े व्यापारिक संस्थान तो इस संकट से पार पा गए, लेकिन कई छोटे कारोबारी मुश्किल में है और अपना व्यापार बंद करने के बारे में सोच रहे हैं। अब मांग में कमी और सप्लाई चेन्स में व्यवधान के कारण बिल्डर्स अपने बैंक ऋण चुकाने से पीछे हट रहे हैं। कन्स्ट्रक्शन कम्पनियां भी बैंकों को कर्ज चुकाने से इंकार कर रही है। बैंक पहले ही जबर्दस्त दबाव में है और अब हाउस बिल्डिंग कम्पनियों द्वारा अपना बकाया ब्याज और मूलधन चुकाने से इंकार किए जाने से कई बैंकों का अपना अस्तित्व बनाए रखना मुश्किल हो गया है।

इसमें एक मौजूदा समस्या भी शामिल है। वित्तीय क्षेत्र के बहुत सारे लोग पिछले दो वर्षों से तनाव से गुजर रहे हैं। अब क्रेडिटर्स द्वारा अपने पुनर्भुगतान व्यवस्था का सम्मान करने से इंकार करना एक बड़ा आघात सिद्ध हो सकता है। इसके वित्त का पूरा घूमना प्रभावित हो सकता है।

दो सप्ताह पहले, कुछ छोटे बैंक संकट में आ गये हैं। उनके ऋणों की वापसी नहीं हुई थी तथा वे अब चलते रहने की स्थिति में नहीं है। इससे एक डर पैदा हो गया है। लेकिन चीनी अधिकारियों ने इन्हें संकट से बाहर निकालने के लिये कुछ नहीं किया है। यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि छोटे व्यवसाय अपना अस्तित्व कैसे कायम रख पायेंगे।

चुनाव के बाद सपा गठबंधन टूटने का इतिहास हमेशा कायम रहा है

लखनऊ, 22 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राजनीति में ओम प्रकाश राजभर चर्चा में बने हुए हैं। पहले विधानसभा का चुनाव अखिलेश यादव के गठबंधन के साथ लड़ा। उनकी पार्टी से 6 विधायक जीतकर आए। लेकिन गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। विपक्ष में बैठे। उम्मीद की गई कि अखिलेश और राजभर का यह गठबंधन कम से कम आगामी लोकसभा चुनाव 2024 तक तो चलेगा ही। लेकिन इतिहास

- **इस बार चर्चा है कि, ओ.पी. राजभर सपा गठबंधन त्याग कर योगी मंत्रिमण्डल जॉइन करने वाले हैं।**

दोहराते हुए गठबंधन टूटने की कगार पर है। लेकिन राजभर खुद गठबंधन नहीं तोडना चाहते। वहीं आज सुबह खबर आती है कि ओम प्रकाश राजभर को राज्य सरकार एनडीए श्रेणी की सुरक्षा दे रही है। जिसके बाद चर्चा चल पड़ी कि वे योगी सरकार में एक बार फिर से शामिल हो रहे हैं। इसके पीछे राष्ट्रपति चुनावों में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देना भी एक कारण बताया गया।

'उप राष्ट्रपति पद का चुनाव अहम्,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन तीनों नेताओं की मीटिंग के बाद ही, ममता बनर्जी ने अपने भतीजे से कह दिया था कि वे टी.एम.सी. के मतदान से अलग रहने के बारे में एक बयान जारी कर दें। इस बयान से आम लोगों में इस धारणा को मजबूत करने का काम भी किया है कि विपक्षी एकता असम्भव हैं।

विपक्षी नेताओं ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि अल्वा की उम्मीदवारी के बारे में ममता बनर्जी से परामर्श नहीं किया गया था। विपक्षी नेताओं ने कहा कि पहले वे किसी की भी पहुँच से बाहर हो गई थीं तथा दूसरे, उन्होंने विपक्ष की उस मीटिंग में किसी टी.एम.सी. नेता को नहीं भेजा, जिसमें अल्वा की उम्मीदवारी पर चर्चा हुई थी तथा उसे अन्तिम रूप दिया गया था।

एक अन्य नेता ने कहा कि ममता बनर्जी को मार्गरेट अल्वा की उम्मीदवारी के विषय में बता दिया गया था जिन्हें वे उसी समय से जानती हैं, जब ये दोनों कांग्रेस में थीं।

वोटिंग से अलग रहने के निर्णय से, तृणमूल कांग्रेस ने विपक्ष की एकता पर ताजातरीन प्रहार किया हैं। इससे पहले, शिवसेना तथा जे.एम.एम. ने राष्ट्रीपति चुनाव में नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था, जो अब राष्ट्रपति निर्वाचित हो चुकी हैं। नेशनल कांग्रेस के नेता उमर अब्दुल्ला ने विपक्षी नेताओं की एकता की तुलना प्राचीन ग्रीक पात्र ''काइमेरा'' से की है, जिसे अब असम्भव विचार या आशा के अर्थ में लिया जाने लगा हैं। उन्होंने कहा कि अन्ततोगत्वा, राजनैतिक दल करेंगे वही, जो उनके स्वयं के हित में होगा।

उमर अब्दुल्ला ने कल ट्वीट किया, '' विपक्षी एकता एक प्रकार से काइमेरा हैं। अन्त में, पार्टियाँ वही करेंगी, जो उनके हित में होगा और ऐसा होना भी चाहिये। जम्मू-कश्मीर उस दिन का साक्षी है, जब 2019 में हमारे ''मित्र हमें निस्सहाय स्थिति में छोड़ गये थे।........''

बनर्जी के भतीजे अभिजीत बनर्जी ने कल घोषणा की थी कि उनकी पार्टी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि धनखड़ तथा अल्वा-दोनों में से किसी को समर्थन ने किया जाये।

तृणमूल कांग्रेस सांसद ने पत्रकारों को बताया, ''एन.डी.ए. (भाजपा के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रटिक अलायंस) के उम्मीदवार के समर्थन का तो प्रश्न ही नहीं उठता। एक ऐसी पार्टी, जिसके दोनों सदनों में 35 सांसद हैं, के साथ बिना किसी समुचित विचार विमर्श के जिस तरह से विपक्षी उम्मीदवार तय कर लिया गया, (उसके परिणाम स्वरूप) हमने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि मतदान-प्रक्रिया से अलग रहा जाये।''

धनखड़ के उपराष्ट्रपति बनने से, वे बंगाल से दिल्ली चले जायेंगे तथा बनर्जी के लिये, वह एक बड़ी जीत एवं खुशी का दिन होगा। मुख्यमंत्री तथा धनखड़ के बीच पिछले तीन साल निरन्तर टकराव चलता रहा है तथा बनर्जी राज्यपाल पर आरोप लगाती रहीं हैं कि वे केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के आदेश पर उन्हें परेशान करते रहते हैं।

भारत के राष्ट्रपतियों के खट्टे-मीठे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **इन राष्ट्रपति के कार्यकाल की तुलना में प्रतिभा पाटिल व रामनाथ कोविंद का कार्यकाल साधारण व शांत रहा है।**

14,650 वोटों से जीते थे। के.आर. नारायणन तथा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जीत विशेष बड़ी जीत के रूप में रहीं। नारायणन की जीत का अन्तर 9,05,659 तथा कलाम की जीत का अन्तर 8,15,518 वोटों का रहा।

जहाँ राष्ट्रपति पद देश का सर्वोच्च संवैधानिक एवं गरिमापूर्ण पद है लेकिन कई राष्ट्रपतियों, जैसे प्रतिभा पाटिल तथा रामनाथ कोविंद के कार्यकाल अधिकाशत: शान्त किस्म के रहे। कुछ राष्ट्रपति उनके साहसिक तथा निर्णायात्मक कदमों के लिए याद किये जायेंगे। उदाहरण के लिये, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की आपत्तियों की अनसुनी करते हुये, गुजरात के पुनर्निमित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के लिये गये थे। हिन्दू कोड बिल को लेकर भी, नेहरू के साथ उनके काफी मतभेद थे। ज्ञानी ज़ैल सिंह, जो गांधी-नेहरू परिवार के प्रति घोर निष्ठावान माने जाते थे, ने पोस्ट ऑफिस अमेंडमेंट बिल वापस कर दिया था। राजीव गांधी सरकार द्वारा प्रस्तावित विधेयक से सरकार को यह अधिकार मिल जाता है कि वह आम व्यक्ति के पत्रों को खोल सके। ज्ञानी ज़ैल सिंह के कार्यर्काल के दौरान, राजीव गांधी सरकार को बर्खास्त किये जाने की साजिश के बारे में भी एक विवाद पैदा हो गया था। डॉ. कलाम, जो एन.डी.ए. के प्रत्याशी के रूप में राष्ट्रपति चुने गये थे, ने 2002 के साम्प्रदायिक दंगों के तुरन्त बाद गुजरात जाने का निर्णय लिया था। उनका विचार दंगापीड़ितों के ज़ख्मों पर सहानुभूति का मरहम लगाने का था। कुछ राष्ट्रपतियों, जैसे शंकर दयाल शर्मा, आर. वेंकटरमण तथा के.आर. नारायणन के कार्यालय इस अर्थ में महत्वपूर्ण रहे कि उनके कार्यकालों में देश में राजनैतिक अस्थिरता रही तथा कई गठबंधन सरकारें बनी तथा गिरीं। नारायण ने तत्कालीन प्रधानमंत्री आई.के. गुजराल सरकार के उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने के निर्णय तथा उसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के बिहार की राबड़ी देवी सरकार को बर्खास्त करने के निर्णय पर ऐतराज जाहिर किया था। हालाँकि वाजपेयी सरकार उस समय बहुमत खो चुकी थी, जब कारगिल युद्ध चरम पर था, लेकिन राष्ट्रपति नारायणन ने सरकार को युद्ध समाप्ति तक बने रहने दिया था।

चारागाह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नायब तहसीलदार ने अपीलार्थियों के निर्माण को हटाने के आदेश दे दिए। अपील में कहा गया कि अपीलार्थियों के पास और कोई आवास नहीं है। ऐसे में उनके निर्माणों को नहीं तोड़ा जाए और राज्य सरकार को इन्हें नियमित करने के निर्देश जारी किए जाए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908